@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 17 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 223 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिल्ली-एनसीआर में चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित किए जाएंगे

• दिल्ली के पास बनेगी नमो सिटी : मनोहर लाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में चार नए ग्रीनफील्ड शहर विकसित केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने की। बैठक में एनसीआर के विकास, पर्यावरण जाएगा। एनसीआर की मौजूदा सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा। योजना के तहत हर राज्य में एक बड़ा शहर ग्रीनफील्ड 'नमो नोड' के रूप में विकसित किया जाएगा। दिल्ली के आसपास बनने वाली 'नमो सिटी' को अत्याधुनिक शहरी सुविधाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे से लैस किया जाएगा।

किए जाएंगे और दिल्ली के आसपास एक आधुनिक सब-सिटी 'नमो सिटी' बनाई जाएगी।

यह निर्णय मंगलवार को नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड (एनसीआरपीबी) की 42वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

मनोहर लाल ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि रीजनल प्लान 2041 को अगले दो महीनों में अंतिम रूप देकर लागू कर दिया

एनसीआर के एरिया में नहीं होगा कोई बदलाव : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में मंगलवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआर प्लानिंग बोर्ड) की 42वीं बैठक हुई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ए.के. शर्मा व राजस्थान के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री झाबर सिंह खर्रा इस बैठक में शामिल हुए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक के उपरांत संवाददाताओं से बातचीत के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। आज बैठक में

तय किया गया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के क्षेत्रीय दायरे में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और वर्तमान सीमा बनी रहेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का रीजनल प्लान-2041 पर चर्चा हुई। इसमें एनसीआर के भविष्य के विकास, शहरी नियोजन, पर्यावरण संरक्षण, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और सस्टेनेबल ग्रोथ से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। रीजनल प्लान-2041 को अंतिम रूप देने के लिए केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों (हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं दिल्ली) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक सब-कमेटी गठित की गई है। यह सब-कमेटी 15 अगस्त, 2026 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट बोर्ड को सौंपेगी।

ममता ने अपनी हार को हाईकोर्ट में चुनौती दी

भवानीपुर में शुभेंदु से 15,105 वोट से हारी थीं, काउंटिंग के दौरान मारपीट का आरोप लगाया था

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मंगलवार को वह खुद याचिका दाखिल करने हाईकोर्ट पहुंचीं। उन्होंने कोर्ट से चुनाव परिणाम की वैधता की जांच करने की मांग की है।

भवानीपुर सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था। ममता इस सीट से पहले तीन बार विधायक रह चुकी हैं। चुनाव के दौरान उन्होंने मतगणना में गड़बड़ी और अपने साथ मारपीट के आरोप भी लगाए थे।

ममता बोली थीं- मुझे धक्का दिया, मारा-पीटा

रिजल्ट से एक दिन पहले 3 मई को काउंटिंग सेंटर के बाहर हंगामा हुआ था। TMC कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि BJP के झंडे वाली कार को बिना जांच के भवानीपुर के स्ट्रॉन्गरूम परिसर में एंट्री दी गई। वहीं स्ट्रॉन्गरूम में ममता बनर्जी करीब 4 घंटे रहीं थीं। ममता ने आरोप लगाया कि राज्य की कई सीटों पर जानबूझकर मतगणना रोकी गई। भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। ममता ने दावा किया कि केंद्रीय बलों और भाजपा के दबाव में काम हो रहा है। काउंटिंग की शाम करीब 8 बजे ममता काउंटिंग सेंटर से बाहर आईं और कहा कि उनके पोलिंग एजेंट को जबरन बाहर निकाला गया। ममता का आरोप था कि उन्हें धक्का दिया

गया और काउंटिंग सेंटर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा- मुझे मारा-पीटा गया।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा था- ममता ड्रामेबाजी कर रहीं

शुभेंदु अधिकारी ने ममता के आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि ममता ड्रामेबाजी कर रही हैं और इससे चुनाव परिणाम नहीं बदलने वाला। शुभेंदु ने कहा था कि ममता हार की आशंका से परेशान हैं और ईवीएम से जुड़े आरोप निराधार हैं।

'जब हमारा समय आएगा, तो दिखाएंगे कि पार्टियां कैसे बंटती हैं': संजय राउत

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अपनी पार्टी में नए विभाजन खबरों पर एक बयान दिया हैं। उन्होंने कहा कि हमारा दिन जब आएगा, हम दिखाएंगे पार्टी कैसे तोड़ी जाती है। राज्यसभा सांसद राउत ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि शिवसेना (यूबीटी) के कुछ लोकसभा सांसद सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा 'मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। कोई संकट नहीं है। अगर कोई संकट आता है, तो हम उससे निपटेंगे।' राउत ने कहा कि उनकी पार्टी की 60 साल पुरानी विरासत है। विभिन्न मुद्दों के लिए आंदोलन चलाने का उसका लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हमने अतीत में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं पर आधारित है।उन्होंने कहा, %विधायक और सांसद आते हैं और चले जाते हैं लेकिन पार्टी बनी रहती है। %हमारा दिन जब आएगा, हम दिखाएंगे पार्टी कैसे तोड़ी जाता है(जब हमारे दिन आएंगे तो हम दिखाएंगे कि पार्टियां कैसे विभाजित होती हैं)।शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय देशमुख की प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव से मुलाकात की खबरों पर राउत ने कहा कि

मुलाकात की गलत तस्वीर पेश की जा रही है। इसके साथ ही जोर देकर कहा कि सभी सांसद पार्टी के साथ मजबूती से जुड़े हुए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के लोकसभा सांसद अनिल देसाई ने भी इस सुझाव को खारिज कर दिया कि उनके कुछ सहयोगी एक अलग समूह बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। उद्धव ठाकरे जी ने पिछले डेढ़ साल में कई बैठकें आयोजित की हैं। सभी (सांसदों) ने उनमें भाग लिया है। देसाई ने इस बात पर जोर देते हुए कहा, %पिछली बैठक में हम चार लोग व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे। वहीं, उनमें से पांच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। वे मुंबई के मातोश्री में नहीं आ सके क्योंकि उनके अपने-अपने कार्यक्रम थे, जो बहुत पहले से तय थे।उन्होंने यह भी दोहराया कि शिवसेना (यूबीटी) के सभी सांसद एक साथ थे। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ शिवसेना द्वारा पार्टी सांसदों को अपने पाले में लाने के लिए चलाए जा रहे %ऑपरेशन टाइगरकी अटकलों को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि अविभाजित शिवसेना का शुभंकर पार्टी के संस्थापक बाल ठाकरे द्वारा बनाया गया बाघ था। रविवार को उद्धव ठाकरे ने पार्टी सांसदों की बैठक बुलाई। नौ लोकसभा सदस्यों में से केवल चार - अरविंद सावंत, अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और संजय पाटिल - व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल हुए। वहीं, ओमप्रकाश राजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे, नागेश बापुराव पाटिल अष्टिकर और संजय देशमुख ऑनलाइन शामिल हुए।

आसमानी सुरक्षा में आत्मनिर्भर भारत: 30 हजार करो ? की ड्रोन डील के लिए मची हो ?

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। देश की हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में भारत ने एक और ऐतिहासिक कदम आगे बढ़ा दिया है। भारतीय वायुसेना के लिए 87 मीडियम-एल्टीट्यूड लॉन्ग-रेंज, एंड्योरेंस मानव रहित विमानों (यूएवी) की खरीद के लिए करीब 10 भारतीय निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने अपनी बोलियां जमा की हैं। यह पूरा प्रोजेक्ट 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, बोलियां लगाने का आज आखिरी दिन था। इस महा-परियोजना की दौड़ में देश के कई बड़े नाम शामिल हैं। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ-साथ सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड, अडानी डिफेंस सिस्टम्स लिमिटेड, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) और राफे एमफाइब्र लिमिटेड जैसी निजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां मैदान में हैं। रक्षा मंत्रालय ने पिछले साल ही इस मेगा प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। भारतीय कंपनियों को अपनी तैयारी और प्रतिक्रिया बेहतर करने के लिए मंत्रालय ने दो बार समय-सीमा भी बढ़ाई थी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य भारत की विदेशी रक्षा उपकरणों पर निर्भरता को कम करना है। ये ड्रोन अत्याधुनिक निगरानी और युद्धक क्षमताओं से लैस होंगे। इनमें रीयल-टाइम इंटेलिजेंस, सर्विलांस और टोही क्षमताएं शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन ड्रोनों के साथ स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों को जोड़ने की भी योजना है। ये ड्रोन न केवल सीमाओं की चौबीसों घंटे निगरानी करेंगे, बल्कि जरूरत पड़ने पर दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमला करने में भी सक्षम होंगे। सशस्त्र बलों ने एक व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन के बाद इन ड्रोनों की विशिष्टताओं को अंतिम रूप दिया है। पाकिस्तान और चीन के साथ लगती सीमाओं पर प्रभावी निगरानी की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए यह कदम बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब तक भारतीय सेनाएं अपनी ड्रोन आवश्यकताओं के लिए मुख्य रूप से अमेरिका और इस्राइल जैसे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर रही हैं। अब इस स्वदेशी सौदे से भारतीय रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का एक नया युग शुरू होगा।

अभिषेक बनर्जी के सहयोगी सुमित रॉय के खिलाफ लुकआउट नोटिस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सीआईडी ने कथित जमीन धोखाधड़ी के एक मामले में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी सहयोगी सुमित रॉय के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई तब हुई जब रॉय कई दिनों से फरार हैं और पुलिस द्वारा वारंट जारी किए जाने के बावजूद उनका पता नहीं चल सका है। सीआईडी सूत्रों के अनुसार, सुमित रॉय से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाने के बाद भी उनके न मिलने पर यह लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। हालांकि, राज्य की जांच एजेंसी ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। इससे पहले, सोमवार को अदालत ने रॉय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। वहीं दूसरी ओर सुमित रॉय ने कलकत्ता हाई कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की है। उनके वकील ने जस्टिस जॉय सेनगुप्ता की बेंच के समक्ष यह मामला रखा है, जिसकी सुनवाई इस सप्ताह के अंत में होने की संभावना है। सीआईडी के एक अधिकारी ने बताया कि जांच के तहत रॉय का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

कन्नूर-जेद्दाह उड़ान में तकनीकी खराबी, हवा में यू-टर्न लेकर सुरक्षित लौटी

कन्नूर(एजेंसी)। मंगलवार को केरलम के कन्नूर से जेद्दाह जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण हवा में ही यू-टर्न लिया। विमान अपनी सुरक्षित वापसी के लिए कन्नूर हवाई अड्डे लौट आया, इसमें 180 से अधिक यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया ने पुष्टि की है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, यह घटना तब हुई, जब विमान सुबह 7:40 बजे कन्नूर से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के करीब दो घंटे बाद, पायलटों ने इंजन में खराबी की चेतावनी देने वाली लाइट देखी, इसके बाद उन्होंने एहतियातन तुरंत वापसी का फैसला किया। सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए, विमान ने ईंधन हल्का करने के लिए कुछ देर तक हवाई अड्डे के ऊपर चक्कर लगाए और फिर सकुशल उतरा। प्रारंभिक जांच के बाद पता चला कि विमान के ईंधन फिल्टर में कुछ खराबी थी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा, हमारी कन्नूर-जेद्दाह उड़ान के क्रू ने तकनीकी खराबी के बाद एहतियात के तौर पर वापस लौटने का फैसला किया। हम आगे की यात्रा के लिए दूसरा विमान का इंतज़ाम कर रहे हैं और यात्रियों को जलपान तथा होटल में ठहरने की सुविधा भी दी गई है। एयरलाइन ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताकर कहा कि उनके संचालन के हर पहलू में सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। यात्रियों को जल्द ही उनकी गंतव्य तक पहुँचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कोचिंग विवाद ने लिया सियासी रंग, खान की गिरफ्तारी और सीबीआई जांच की मांग

पटना (एजेंसी)। बिहार के पटना में दो कोचिंग संस्थानों, खान सर और रौशन आनंद सर के बीच चल रहे विवाद ने सियासी रंग ले लिया है। ज्ञान बिंदु के मालिक रोशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध मौत के बाद यह मामला और पेचीदा हो गया है। जनशक्ति जनता दल सुप्रीमो तेज प्रताप यादव ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देकर खान सर की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। तेज प्रताप ने रौशन आनंद के प्रति संवेदना जताकर कहा कि भाई मरता तब कोई भी रोएगा ही, और जोर देकर कहा कि खान को जेल होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से भी बिहार सरकार को घेरने का आह्वान किया है।

उल्लेखनीय है कि रौशन आनंद, जो हाल ही में खान सर के एक कोचिंग सेंटर में हुई तोड़फोड़ के मामले में जमानत पर रिहा हुए हैं, ने खान ग्लोबल कोचिंग इंस्टीट्यूट के निदेशक फैसल खान उर्फ खान सर पर अपने भाई प्रिंस यादव की हत्या करवाने का गंभीर आरोप लगाया। प्रिंस यादव की हाल ही में नेपाल के विराटनगर में मौत हो गई थी। इस दुखद घटना पर जनता दल (यूनाइटेड) के बड़े नेता संजय झा ने संवेदना व्यक्त कर कहा कि बिहार सरकार मामले की गहन जांच कर दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अगर किसी ने गलत किया है, वह बचेगा नहीं।

जनगणना के कारण चार राज्यों में समय से पहले हो सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गोवा जैसे चार महत्वपूर्ण राज्यों में 2027 के विधानसभा चुनाव तय समय से पहले करने की संभावना पर काम कर रही है। ये चुनाव आमतौर पर फरवरी-मार्च 2027 में होने हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार, जनगणना की प्रक्रिया के साथ संभावित टकराव और हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते इन्हें पहले करने की तैयारी है। मणिपुर को हालांकि जातीय तनाव के कारण योजना से बाहर किया गया है।

समय से पहले चुनाव करने का मुख्य कारण जनगणना है, जो फरवरी-मार्च 2027 में ही प्रस्तावित है। जनगणना और चुनाव दोनों प्रक्रियाओं में अधिकांशतः शिक्षक और सरकारी कर्मचारी शामिल होते हैं, जिससे लोगों की कमी हो सकती है। एक वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी ने बताया कि इस संभावना को देखकर संबंधित राज्यों में चर्चा हुई है। उत्तराखंड भाजपा दिसंबर में ही चुनाव कराने की पक्षधर है, ताकि कर्मचारियों पर दोहरा बोझ न पड़े और जनगणना कार्य के लिए उन्हें पर्याप्त समय मिल सके।

पेपर लीक रोकने के लिए 22 जून तक नहीं चलेगा टेलीग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी परीक्षा 2026 को लीक प्रूफ बनाने के लिए केंद्र सरकार फूंक-फूंककर कदम रख रही है। इसके लिए सरकार ने 22 जून तक के लिए टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है। इस कदम का राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने स्वागत करते हुए इसे परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया है। जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी कर भारत में टेलीग्राम के संचालन को 22 जून 2026 तक अस्थायी रूप से निलंबित करने को कहा है। यह निर्णय 21 जून को होने वाली नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा से पहले किसी भी प्रकार की अफवाह, पेपर लीक या अनधिकृत जानकारी के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। सरकार का मानना है कि यह कदम परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा। वहीं, एनटीए ने भी इस फैसले को छात्रों के हित में बताया है और कहा है कि इससे परीक्षा का संचालन अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से किया जा सकेगा।

लखनऊ में फर्जी आईपीएस धराया, 40 रुपये के विवाद में खुली पोल

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में एक शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया गया है, जिसने खुद को फर्जी आईपीएस अधिकारी बताकर पुलिसवालों को ही सैल्यूट मारने का दबाव बनाया। महानगर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम 40 रुपये के बन को लेकर शुरू हुए विवाद ने उसकी पोल खोल दी और उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। सोमवार देर शाम महानगर के गोल मार्केट चौराहे पर पुलिस चेकिंग के दौरान एक दुकानदार ने सूचना दी कि खुद को आईपीएस बताने वाला व्यक्ति 40 रुपये के बन के पैसे दिए बिना जाने लगा है और धौंस जमा रहा है। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तो आरोपी युवक पुलिसकर्मियों पर भड़क उठा। उसने खुद को बड़ा अधिकारी बताते हुए उन पर सैल्यूट करने का दबाव बनाना शुरू किया। शुरुआत में पुलिस थोड़ी झिझकी, लेकिन युवक के हाव-भाव से शक गहराया। आईडी कार्ड मांगने पर जालसाज का गुस्सा बढ़ गया, उसने पुलिसवालों के नाम-पते पूछकर उन्हें सस्पेंड कराने की धमकी दी। पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने लाई, तो पूछताछ में उसकी सारी हेकड़ी निकल गई।

कांग्रेस की घर वापसी मुहिम: वेणुगोपाल और गहलोत ने दिए पुराने साथियों को लौटने के संकेत

नई दिल्ली(एजेंसी)। हाल के दिनों में कांग्रेस पार्टी से अलग हुए धड़ों की संभावित वापसी को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं जारी हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी और शरद पवार की एनसीपी जैसी पार्टियों के कांग्रेस में विलय की अटकलों के बीच, कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने अपने पुराने सदस्यों और समान विचारधारा वाले दलों को घर वापसी का निमंत्रण दे दिया है। यह पहल विपक्षी एकता को मजबूत करने और आगामी चुनावों में भाजपा के खिलाफ एक सशक्त मोर्चा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने हाल ही में स्पष्ट किया कि जो भी कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखता है, उसका पार्टी में स्वागत है। उन्होंने कहा कि इसतरह के विलय और घर वापसी से भाजपा की फासीवादी ताकतों के खिलाफ लड़ाई और मजबूत होगी। वेणुगोपाल ने कहा कि जो भी पार्टियां कांग्रेस में शामिल होना चाहती हैं, वे उनसे संपर्क कर सकती हैं। हालांकि, उन्होंने तुरंत स्पष्ट किया कि एआईसीसी के पास फिलहाल विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और ये सभी बातें मीडिया की अटकलें मात्र हैं।

बात दें कि वेणुगोपाल से पहले, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने भी इसतरह की बात कही थी। उन्होंने उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत के सुझाव का समर्थन किया था, जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस से अलग हुए क्षेत्रीय दलों को वापस कांग्रेस में शामिल होना चाहिए। पूर्व सीएम गहलोत ने जोर दिया था कि देश में लोकतंत्र खतरे में है और विपक्षी एकता समय की मांग है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस से अलग हुई पार्टियां वापस आती हैं और राहुल गांधी को पूरे दिल से अपना नेता स्वीकार करती हैं, तब इससे देश भर में मतदान का पैटर्न पूरी तरह बदल सकता है। गहलोत का मानना है कि जनता अब नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी का सीधा मुकाबला देखना चाहती है, और यदि विपक्ष इस मोर्चे पर एकजुट होकर राहुल गांधी के पीछे खड़ा होता है, तब आगामी चुनावों की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है।

ओमान में अमेरिकी हमले के बाद 20 भारतीय नाविक सुरक्षित घर लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओमान के बंदरगाह के पास अमेरिकी हमले का शिकार हुए एमटी जलवीर के भारतीय चालक दल के सभी 20 सदस्य अब सुरक्षित अपने घर लौट चुके हैं। मस्कट स्थित भारतीय मिशन ने इसकी सुखद जानकारी दी। जहाज पर हमले के बाद इन नाविकों को ओमानी प्राधिकारियों के सहयोग से सुरक्षित तट पर पहुंचाया गया था। भारत वापसी से पहले, ओमान में भारत के राजदूत प्रशांत पिसे ने एमटी जलवीर के चालक दल के सभी सदस्यों से मुलाकात कर उनके सुरक्षित घर पहुंचने की कामना की। भारतीय दूतावास ने पूरी प्रक्रिया में संकट में फंसे भारतीय नागरिकों को त्वरित मदद और सहयोग सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। बचाव कार्य में शामिल ओमानी अधिकारियों और भारतीय मिशन की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना कर बचाए गए नाविकों ने दिल से आभार व्यक्त किया। भारतीय दूतावास ने घटना के बाद राहत और बचाव अभियान में शामिल सभी एजेंसियों के प्रति भी आभार जताया है। दूतावास द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई वीडियो क्लिप में चालक दल के सदस्य अपनी सुरक्षित वापसी पर खुशी और राहत व्यक्त करते दिखे। एमटी जलवीर के कैप्टन सुबोध ने बताया कि उनका रेस्क्यू ओमानी नेवी ने किया था और इस दौरान भारतीय दूतावास व शिपिंग कंपनी लगातार उनके संपर्क में रहे। ग्यारह जून को हुई घटना के बाद, 11 से 14 जून तक सभी 20 क्रू सदस्यों को एक होटल में सुरक्षित रखा गया था। पोत के सेकेंड ऑफिसर नाजिम ने भी दूतावास, ओमान सरकार और उनकी कंपनी द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद जाहिर किया। उन्होंने कहा कि आम लोगों की दुआओं और सबके साथ की वजह से ही वे अपने परिजनों से मिल पा रहे हैं। संकट की स्थिति में मिली सहायता ने उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई और उन्होंने समन्वित कार्रवाई की सराहना की। यह घटना ओमान के तट के पास पिछले चार दिनों में अमेरिकी सेना द्वारा भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हमलों की तीसरी कड़ी थी। आठ जून को अमेरिकी बलों ने पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स को निष्क्रिय किया था, जिस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया था।

सोरेन सरकार का फैसला, अब जंगली जानवर के हमले में मौत पर मिलेंगे 10 लाख

–मामूली घायल होने पर 35,000, स्थायी विकलांगता पर 3.5 लाख मिलेगा मुआवजा

रांची (एजेंसी)। झारखंड सरकार ने जंगली जानवरों के हमले से मौत होने पर मुआवजे की राशि चार लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने को मंजूरी दे दी। यह फैसला सीएम हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। कैबिनेट सचिवालय की अतिरिक्त मुख्य सचिव वंदना डडेल ने बताया कि कैबिनेट ने जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान के लिए राज्य की मुआवजा नीति में बदलाव को मंजूरी दे दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि संशोधित नियमों के तहत, जंगली जानवरों के हमलों के कारण गंभीर रूप से घायल होने पर मिलने वाले मुआवजे को मौजूदा 1.5 लाख रुपए से बढ़ाकर दो लाख रुपए कर दिया है। वहीं, मामूली रूप से घायल होने पर मुआवजे की राशि को 25,000 से बढ़ाकर 35,000 रुपए कर दी है। इसके साथ ही हमले के कारण होने वाली स्थायी विकलांगता के मामले में मुआवजे की राशि को 3.25 लाख रुपए से बढ़ाकर 3.5 लाख रुपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने मुआवजे का समय पर वितरण करने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया को भी मंजूरी दे दी है।

वंदना डडेल ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत, मुखिया द्वारा प्रमाणन किए जाने पर मृतक के परिवार को एक लाख रुपए की तत्काल राहत राशि मिलेगी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र जमा करने पर शेष नौ लाख रुपए जारी किए जाएंगे। इसके अलावा वन विभाग के अधिकारियों के लिए सूचना मिलने के छह घंटे के अंदर घटना स्थल का दौरा करना अनिवार्य किया गया है। अधिकारी ने बताया कि इसके साथ ही मुआवजे की पूरी राशि का भुगतान तीन दिन के अंदर करना होगा।

टीएमसी के बाद उद्धव ठाकरे की शिवसेना में सेंध, दिल्ली पहुंचे सांसद

–महाराष्ट्र की राजनीति में सियासी संकट

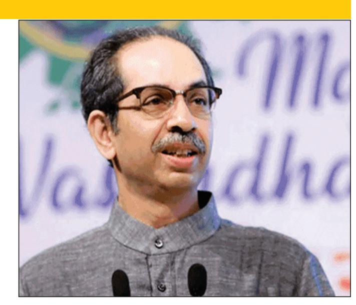

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से गर्माहट आ गई है, खासकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया है। हाल ही में पार्टी के एक सांसद की महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के एक वरिष्ठ नेता से मुलाकात ने सियासी गलियारों में चर्चाओं को हवा दे दी है। इन मुलाकातों और आंतरिक बैठकों ने इस बात की अटकलों को बल दिया है कि उद्धव सेना के नौ में से सात सांसद अलग होकर शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, जब उद्धव ठाकरे ने मातोश्री में अपने सांसदों की बैठक बुलाई तो केवल चार सांसद व्यक्तिगत रूप से पहुंचे थे, जबकि पार्टी का दावा था कि अन्य पांच वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए थे।

सूत्रों के अनुसार, यवतमाल-वाशिम से सांसद संजय देशमुख ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री प्रताप जाधव से मुलाकात की थी। यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जाधव शिंदे सेना में शामिल हैं और एक प्रमुख चेहरा हैं। इस भेंट के बाद से ही कयास लगाए जाने लगे हैं कि जल्द ही उद्धव की पार्टी के कुछ और सांसद शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। गौरतलब है कि संजय देशमुख भी मातोश्री में हुई बैठक में ऑनलाइन उपस्थित हुए थे। हालांकि, प्रताप जाधव ने इस मुलाकात को सामान्य बताते हुए इसके राजनीतिक निहितार्थों को खारिज किया है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली पार्टी के पास लोकसभा में कुल नौ सांसद हैं। पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दल के सात सांसद टूट सकते हैं और शिंदे को समर्थन दे सकते हैं। हालांकि, राज्यसभा सांसद संजय राउत ने ऐसी किसी भी चर्चाओं को अफवाह करार दिया था। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि पार्टी प्रमुख लगातार अपने सभी सांसदों के संपर्क में बने हुए हैं और पार्टी में कोई फूट नहीं है। जानकारों के अनुसार, दल-बदल कानून के तहत किसी भी दल के दो-तिहाई विधायकों या सांसदों का अलग होना अनिवार्य है ताकि वे अयोग्य घोषित होने से बच सकें। उद्धव सेना के मामले में, नौ सांसदों में से कम से कम छह सांसदों को एक साथ पार्टी छोड़नी होगी ताकि वे इस शर्त को पूरा कर सकें और किसी दूसरे दल के साथ विलय कर सकें। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि सांसद वास्तव में पाला बदलेंगे या नहीं, लेकिन सियासी गलियारों में यह गणित लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। केंद्रीय मंत्री प्रताप जाधव ने बताया कि देशमुख अपने संस्थान के बारे में कुछ जानकारी चाहते थे और चूंकि जाधव दिल्ली में थे, दोनों ने साथ में चाय पी और बातचीत की। उन्होंने यह भी बताया कि तकनीकी समस्याओं के चलते देशमुख अपनी पार्टी की बैठक ऑनलाइन अटेंड कर रहे थे। जाधव ने अपनी पुरानी दोस्ती का जिक्र करते हुए कहा कि वे उस समय से दोस्त हैं जब दोनों एक ही संगठन में थे; उस समय देशमुख यवतमाल के जिला प्रमुख थे और जाधव बुलढाणा के जिला प्रमुख। उन्होंने कहा, हम दोनों ने तब से साथ मिलकर संगठन में काम किया है। हम दोनों एक ही इलाके के रहने वाले हैं। हमारी दोस्ती बहुत अच्छी है। अब भले ही वह दूसरी पार्टी से सांसद चुने गए हैं, फिर भी वह एक पड़ोसी निर्वाचन क्षेत्र के सांसद हैंज इसलिए हमारी दोस्ती बढ़िया है और हम दोस्तों की तरह अक्सर मिलते रहते हैं, भले ही राजनीति में हम एक-दूसरे के विरोधी हैं। अब सबकी निगाहें 19 जून पर टिकी हैं, जब अविभाजित शिवसेना का स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जब संजय राउत से पूछा गया कि रविवार की बैठक में शामिल नहीं होने वाले सांसद इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे या नहीं, तो उन्होंने दृढ़ता से कहा कि शिवसेना परिवार के इस आयोजन के लिए किसी को निमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती। यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थापना दिवस पर सभी सांसद अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर एकता का संदेश देते हैं या मौजूदा अटकलें और गहराती हैं।

अब डॉक्टर की पर्ची के बिना नहीं मिलेगा कोई सिरप : स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने दवाइयों की बिक्री को लेकर बड़ा और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। अब डॉक्टर की पर्ची के बिना किसी भी मेडिकल स्टोर पर कोई भी सिरप नहीं मिलेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस बारे में अधिसूचना जारी कर नए नियमों की घोषणा की है। यह नियम खांसी के सिरप सहित सभी प्रकार के सिरप पर लागू होगा, जिसका अर्थ है कि इन दवाओं की ओवर-द-काउंटर बिक्री अब पूरी तरह से बंद हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स 1945 के शेड्यूल के से सिरप शब्द को हटा दिया है। शेड्यूल के के तहत कुछ दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के बेची जा सकती थीं, लेकिन अब इस संशोधन के साथ, सिरप श्रेणी को अब तक मिली सभी नियामक छूटें खत्म हो गई हैं। केंद्र सरकार का यह कदम दवाइयों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी दवा वितरकों और खुदरा विक्रेताओं को नए नियमों का कड़ाई से पालन करने की सख्त चेतावनी दी है। नियमों की किसी भी अनदेखी पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस फैसले से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में दवाइयों की सुरक्षा में सुधार आने की उम्मीद है, खासकर बच्चों को दी जाने वाली खांसी की सिरप को लेकर। गौरतलब है कि पिछले साल मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जिसके बाद सरकार पर इसतरह के कदम उठाने का दबाव था। अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसी दवाएं केवल चिकित्सकीय सलाह पर ही उपलब्ध हों।

संघ पर कांग्रेस का हमला, महात्मा गांधी की हत्या के बाद से ही आरोप लगाने की परंपरा

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रियांक खरगे को दिखाया आइना

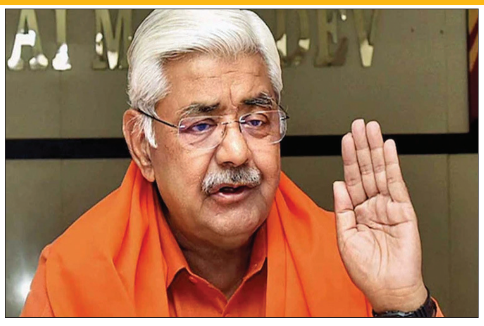

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे द्वारा लिखे गए खुले पत्र पर विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि संघ पर आरोप लगाने से पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि ऐसा कौन-सा कानून है जो सभी सामाजिक और वैचारिक संगठनों के लिए अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना ठोस तथ्यों के संघ को निशाना बनाकर उसकी छवि धूमिल करने का प्रयास हो रहा है।

वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने संघ की आय और कर व्यवस्था को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस की प्रमुख आय 'गुरु दक्षिणा' से प्राप्त होती है और संगठन अपने कार्यों के लिए बाहरी स्रोतों से धन स्वीकार नहीं करता। उनके अनुसार अतीत में आयकर विभाग ने संघ की आय पर कर लगाने का प्रयास किया था, लेकिन न्यायालयों ने साफ किया कि गुरु दक्षिणा से प्राप्त राशि आयकर के दायरे में नहीं आती। उन्होंने कहा कि विषय पर न्यायपालिका पहले ही अपना रुख स्पष्ट साफ कर चुकी। वीएचपी अध्यक्ष कुमार ने कांग्रेस पर हमला कर कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद से ही संघ के खिलाफ आरोप लगाने की परंपरा जारी है। उनका कहना था कि कांग्रेस वर्षों से संघ को बदनाम करने की राजनीति करती रही है और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे की टिप्पणी भी उसी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है। उन्होंने इस बयान को राजनीतिक लाभ के लिए किया गया प्रयास बताया।

कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देकर कुमार ने कहा कि आरएसएस हमेशा तिरंगे का सम्मान करता है और उस देश के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में स्वीकार करता है। उन्होंने खारिज किया कि संघ के पास स्वयंसेवकों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। उनके अनुसार आरएसएस में नियमित अंतराल पर चुनाव होते हैं और इसके लिए सदस्यों तथा स्वयंसेवकों का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखा जाता है। उन्होंने कहा कि संघ एक अनुशासित और संगठित संस्था है तथा उसके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप तथ्यहीन और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हैं।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा को लेकर खड़े किए सवाल

–इतनी सुरक्षा व्यवस्था से छात्रों को परेशानी होगी

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी से अलग होने के कुछ ही दिनों बाद तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई ने केंद्र की नीट री-टेस्ट व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी री-टेस्ट परीक्षा के लिए किए गए कड़े सुरक्षा इंतजामों पर चिंता जताकर कहा कि इससे पहले से मानसिक दबाव झेल रहे छात्रों की परेशानियां और बढ़ेगी।

अन्नामलाई ने पोस्ट के जरिए परीक्षा से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा सामग्री के परिवहन के लिए भारतीय वायुसेना की एयरलिफ्ट सुविधा, सीआरपीएफ और सीआईएसएफ की दोहरी सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी, चार स्तरों वाली सीसीटीवी व्यवस्था, बायोमैट्रिक और फेसियल रिकॉग्निशन सत्यापन तथा कई चरणों की तलाशी जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया पर प्रधानमंत्री कार्यालय की निगरानी बताने की चर्चा है।

पूर्व भाजपा नेता ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि इतनी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था किसी संवेदनशील सैन्य परियोजना या गोपनीय रक्षा सॉफ्टवेयर के लिए नहीं, बल्कि एक प्रवेश परीक्षा के लिए हो रही है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि मोदी सरकार का उद्देश्य पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकना है, लेकिन उनका मानना है कि अत्यधिक सुरक्षा उपाय छात्रों में तनाव और घबराहट बढ़ा सकती हैं।

पूर्व भाजपा नेता अन्नामलाई ने विशेष रूप से परीक्षा केंद्रों पर लंबी जांच प्रक्रिया और परीक्षा अवधि को 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट करने पर सवाल उठाए। उनके अनुसार, जिन विद्यार्थियों ने महीनों की तैयारी के बाद पहले ही एक बार परीक्षा दी है और अब फिर परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, उनके लिए यह स्थिति मानसिक रूप से और अधिक चुनौतीपूर्ण बन सकती है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी समस्याओं का समाधान जरूरी है, लेकिन अपनाया गया तरीका कहीं नई समस्याओं को जन्म न दे दे, इस पर भी विचार होना चाहिए। गौरतलब है कि 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में करीब 22.8 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के आरोपों और विवादों के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी, जिसके चलते अब 21 जून 2026 को दोबारा परीक्षा कराई जा रही है।

अल-नीनो ने बढ़ाई चिंताएं, देश भर में मॉनसून की रफ्तार पर पड़ेगा असर

–वैज्ञानिकों ने सुपर अल नीनो दिया नाम, साल के अंत तक रहेगा इसका असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में अल-नीनो के हालात पैदा होने से भारत की चिंताएं बढ़ गई हैं। देशभर में मॉनसून की रफ्तार पर इसका गहरा असर पड़ा है। यही नहीं अल नीनो का प्रकोप मॉनसून के बाद भी जारी रहने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के डायरेक्टर जनरल डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने एक बयान में बताया है कि सितंबर के अंत तक अल-नीनो की स्थिति और ज्यादा गंभीर हो सकती है। उन्होंने लोगों से कहा कि हालात से लड़ने के लिए पूरी तैयारी की जा रही है और डरने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार ने भी ऐसी ही अपील की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इस दौरान प्रशांत महासागर की सतह का पानी असामान्य रूप से गर्म होने लगता है। इसकी वजह से मॉनसून प्रभावित होता है और भारत में कम बारिश होने की वजह से सूखे जैसे हालात बन सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मौजूदा समय में प्रशांत महासागर न्यूट्रल फेज से निकलकर अल नीनो में पूरी तरह प्रवेश कर रहा है। मौसम वैज्ञानिक इस साल इसे सुपर अल नीनो का नाम भी दे रहे हैं और इसका असर साल के अंत तक देखने को मिल सकता है।

महापात्र ने बताया कि जुलाई, अगस्त और सितंबर की शुरुआत में अल-नीनो का कम असर दिखेगा। इसके बाद सितंबर के अंत तक इसके ज्यादा मजबूत होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि इस दौरान देश के उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पश्चिमी इलाकों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है। वहीं गुजरात, राजस्थान से लेकर ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के वे इलाके जहां सिंचाई की सुविधाएं कम हैं, वहां बारिश कम होने की वजह से फसलों पर ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि हमें बहुत ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए।

इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस साल देश के प्रमुख जलाशयों में पानी का स्तर सामान्य से काफी बेहतर है। यह खरीफ की फसलों के लिए बूस्टर साबित होगा। इससे पहले सरकार ने किसानों और खेती-बाड़ी सेक्टर को अल नीनो के असर से बचाने के लिए पहले ही एक्शन प्लान शुरू कर दिए हैं। केंद्र ने उन राज्यों और जिलों में खास निगरानी का निर्देश दिया है जहां कम बारिश होने की संभावना है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अल-नीनो के कारण ग्रामीण इलाकों में सूखा जैसी स्थिति बनती है, तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और पड़ेगा। ऐतिहासिक रूप से, भारत में सूखे या खराब मॉनसून का सीधा संबंध अल नीनो से रहा है। शुरुआती पूर्वानुमानों के मुताबिक इस साल सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। बारिश कम होने से धान, दालें, मक्का और मूंगफली जैसी खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा देश के कई हिस्सों में हीट वेव का असर देखने को मिल सकता है।

नाले में 12 साल के बालक को दबोच ले गया मगरमच्छ, 20 घंटे बाद भी नहीं चला पता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के ईसानगर क्षेत्र में रविवार शाम मगरमच्छ 12 वर्षीय बालक को नाले में खींच ले गया। यह घटना दहौरा नाले के किनारे हुई, जहां बालक भैंस चरा रहा था। सोमवार दोपहर तक बालक का पता नहीं चल सका है। घटना के बाद से बालक के परिवार में कोहराम मचा है। भट्ठापुरवा गांव निवासी प्रताप का पुत्र लालमन रविवार दोपहर बाद दहौरा नाले के पास भैंस चराने गया था। शाम के वक्त वह शौच के लिए नाले के करीब पहुंचा, तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। मगरमच्छ बालक को पानी में खींच ले गया और देखते ही देखते गायब हो गया। घटना के समय मौजूद छह वर्षीय बालक ने गांव पहुंचकर परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। ईसानगर थानाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने प्रत्यक्षदर्शी बालक से घटना की जानकारी ली। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर मगरमच्छ को पकड़ने की मांग की। उन्होंने क्षेत्र में बढ़ते वन्यजीवों के आतंक पर प्रभावी कार्रवाई की भी मांग की। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच गहमागहमी हुई। बाद में थानाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह ने ग्रामीणों को समझाकर स्थिति शांत कराई। यह एक सप्ताह के भीतर वन्यजीवों के हमले की दूसरी बड़ी घटना है। एक सप्ताह पूर्व रायपुर गांव के रोशनीपुरवा में तेंदुए के हमले में सात वर्षीय बालक की मौत हो गई थी। इन घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों के बावजूद कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। सोमवार सुबह वन विभाग की टीम पुलिस के साथ दहौरा नाला पहुंची। टीम ने नाले और आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। वन कर्मी लगातार निगरानी करते हुए बालक की तलाश में जुटे रहे।

झाड़-फूंक के नाम पर लूटी अस्मत- तांत्रिक के जाल में फंसी महिला

पलवल। हरियाणा के पलवल कैंप थाना क्षेत्र में परिवार की परेशानियों और बीमारियों से छुटकारा दिलाने का झांसा देकर एक विवाहिता को कथित रूप से जाल में फंसाने का मामला सामने आया है। इसके साथ ही पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का भी आरोप लगाया है। राजस्थान में दर्ज की गई जीरो एफआईआर जांच के लिए कैंप थाना पुलिस को भेजी गई है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता मूल रूप से पलवल क्षेत्र की रहने वाली है और वर्तमान में राजस्थान में रह रही है। शिकायत में उसने आरोप लगाया है कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक, जो रिश्ते में उसका देवर लगता है, उसके परिवार की समस्याओं का समाधान कराने के नाम पर उसे एक कथित तांत्रिक के पास ले गया। वहां झाड़-फूंक और तांत्रिक क्रियाएं कराई गईं, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत हो गई। आरोप है कि इसी दौरान युवक अपने एक साथी के साथ उसे शहर के एक होटल में ले गया, जहां उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं, आरोपी ने कथित रूप से उसकी आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भी बना लीं। जब पीड़िता ने विरोध किया तो उसे बदनाम करने की धमकी देकर चुप रहने के लिए मजबूर किया गया। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने अश्लील सामग्री सार्वजनिक करने की धमकी देकर काफी समय तक उसका शोषण किया। परेशान होकर पीड़िता ने अपने परिजनों को पूरी घटना बताई और राजस्थान में पुलिस से शिकायत की। राजस्थान पुलिस ने मामला दर्ज कर जीरो एफआईआर पलवल भेज दी है। कैंप थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल व अन्य तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

पहले सिर में मारे डंडे, जिंदा न बचे तो बाइक से पेट्रोल डालकर जला डाला

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित कासना कोतवाली क्षेत्र में मिले एसी मैकेनिक के जले हुए शव की गुत्थी को पुलिस ने तीन दिन के भीतर सुलझाते हुए उसके ही दोस्त को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शहजाद उर्फ बिट्टू (19) निवासी गांव दौला राजपुर के रूप में हुई है। आरोपी ने सोने के कड़े हड़पने की नीयत से अपने मित्र की बेरहमी से हत्या कर दी और बाद में शव को जलाकर उसकी पहचान मिटाने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त खून से सना डंडा, तीन पीली धातु के कड़े और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। डीसीपी ग्रेटर नोएडा प्रवीण रंजन सिंह ने बताया कि 12 जून को गांव चीरसी की नहर के पास एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। शव आंशिक रूप से जला हुआ था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। बाद में मृतक की पहचान दनकौर थाना क्षेत्र के दौला राजपुर निवासी 23 वर्षीय हुजैफ पुत्र मुज्जमिल के रूप में हुई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने मामले के खुलासे के लिए तीन अलग-अलग टीमों का गठन किया था। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक साक्ष्य जुटाए और मृतक के संपर्कों की पड़ताल की। इसी क्रम में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिनके आधार पर सोमवार को शहजाद उर्फ बिट्टू निवासी दौला राजपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने हत्या की पूरी वारदात कबूल कर ली। पुलिस के मुताबिक मृतक हुजैफ और आरोपी शहजाद आपस में घनिष्ठ मित्र थे और दोनों नशा करने के आदी थे। हुजैफ नया मोबाइल फोन खरीदना चाहता था और एयर कंडीशनर का काम शुरू करने के लिए पैसों की जरूरत थी। परिवार वालों द्वारा पैसे नहीं दिए जाने पर उसने कथित तौर पर अपनी मां के चार पीली धातु के कड़े चोरी कर लिए थे। उसने इन कड़ों को बेचने की बात अपने दोस्तों और शहजाद को भी बताई थी। इसी जानकारी के बाद आरोपी की नीयत कड़ों पर खराब हो गई। 12 जून को उसने हुजैफ को कड़े बिकवाने का झांसा दिया और अपनी बाइक पर बैठाकर साथ ले गया। रास्ते में दोनों ने नशा किया। इसके बाद आरोपी उसे सुनसान स्थान की तलाश करते हुए चंद्रावल गांव के पास नहर किनारे ले गया। वहां पहुंचने के बाद शहजाद ने मौका देखकर डंडे से हुजैफ के सिर पर हमला कर दिया। पहले वार से वह जमीन पर गिर पड़ा। जिसके बाद आरोपी ने उसके ऊपर कई बार डंडे से प्रहार किए। गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी कड़े लेकर वहां से भाग निकला। हालांकि कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद आरोपी को आशंका हुई कि कहीं हुजैफ जीवित न हो। इस डर से वह दोबारा घटनास्थल पर लौटा। वहां उसने शव की पहचान मिटाने के उद्देश्य से अपनी बाइक से पेट्रोल निकाला और शव पर छिड़ककर आग लगा दी। आग की लपटें तेज होने पर उसे डर लगा कि आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच सकते हैं। इस कारण वह शव को नहर में फेंकने की योजना पूरी किए बिना ही वहां से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून से सना डंडा, तीन पीली धातु के कड़े और घटना में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद कर ली है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी ने हत्या के बाद शव की पहचान छापने के लिए अपनी गाड़ी से पेट्रोल निकालकर उसके शरीर पर डाला था। आरोपी हत्या के बाद घटना से चला गया था लेकिन शव की पहचान नहीं हो पाए इस कारण वह घटना स्थल पर दोबारा लौटा और शरीर पर पेट्रोल डाला था।

ग्रेनो में दर्दनाक हादसा, शटरिंग का काम कर रहे थे; एक चूक से चली गई दोनों की जान

ग्रेटर नोएडा। दोनों मजदूर टावर संख्या-23 की 37वीं मंजिल पर शटरिंग का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उनकी सुरक्षा के लिए लगी सेफ्टी बेल्ट अचानक टूट गई, जिससे दोनों संतुलन खो बैठे और ऊंचाई से नीचे गिर गए। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों मजदूरों को गंभीर चोटें आईं। निर्माण कंपनी के कर्मचारियों और अन्य मजदूरों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। ग्रेटर नोएडा सेक्टर-152 स्थित निर्माणाधीन एटीएस पिक्सरेक्स रिप्राइव परियोजना में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। टावर संख्या-23 की 37वीं मंजिल पर शटरिंग का कार्य कर रहे दो मजदूर सेफ्टी बेल्ट टूट जाने के कारण ऊंचाई से नीचे गिर गए। गंभीर रूप से घायल दोनों मजदूरों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस और मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 12ः45 बजे सूचना प्राप्त हुई कि सेक्टर-152 स्थित निर्माणाधीन एटीएस परियोजना में कार्य के दौरान दो मजदूर ऊंचाई से गिर गए हैं। हादसे के शिकार मजदूरों की पहचान 24 वर्षीय रईसुल हक निवासी जिब्रामर कुथी, फुलेश्वरी, कूच पश्चिम बंगाल और वर्तमान निवासी कोंडली मार्केट के रूप में हुई है। दूसरे मजदूर की पहचान 45 वर्षीय अब्दुल समद निवासी खरीजा फुलेश्वरी पुतिमारी कूच बिहार, पश्चिम बंगाल और वर्तमान निवासी कुंडली के रूप में हुई है। बताया गया कि दोनों मजदूर टावर संख्या-23 की 37वीं मंजिल पर शटरिंग का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उनकी सुरक्षा के लिए लगी सेफ्टी बेल्ट अचानक टूट गई, जिससे दोनों संतुलन खो बैठे और ऊंचाई से नीचे गिर गए। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों मजदूरों को गंभीर चोटें आईं। निर्माण कंपनी के कर्मचारियों और अन्य मजदूरों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण सेफ्टी बेल्ट का टूटना बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

ट्रैफिक पुलिस के हवलदार को टक्कर मारी, गंभीर

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व जिले के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी (एनएफसी) थाना इलाके में तेज रफ्तार किया कार ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के हवलदार राहुल कुमार को टक्कर मार दी। हवलदार को फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डा. हेमंत तिवारी ने बताया कि ये घटना सराय जुलेना रेड लाइट के पास बुधवार सुबह हुई थी। हवलदार राहुल कुमार सुबह लगभग 10ः30 बजे सराय जुलेना रेड लाइट पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे। तभी गलत दिशा से तेज़ रफ़्तार में आ रही कार ने उनको टक्कर मार दी।

NAME CHANGE
I DATTATRAY legally father of Army no JC-462645Y, Rank - SUB, Name - Chavan Vinod Dattatray, Presently Residing At - Jalgaon khurd Post - Jalgaon khurd, Teh - Nandgaon, Dist - Nashik, Pin - 424109, State - MAHARASHTRA have changed my name from DATTATRAY to DATTATRAY ANANDA CHAVAN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 28/09/1955 instead of my correct date of birth as 01/01/1946 vide Affidavit dated 16/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I VANDADNA legally spouse of Army no JC-462645Y, Rank - SUB, Name - Chavan Vinod Dattatray, Presently Residing At - Jalgaon khurd Post - Jalgaon khurd, Teh - Nandgaon, Dist - Nashik, Pin - 424109, State - MAHARASHTRA have changed my name from VANDADNA to VANDANA VINOD CHAVAN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 11/02/1986 instead of my correct date of birth as 11/02/1987 vide Affidavit dated 16/06/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
All concerned are hereby informed through this Public Notice that my clients; SATISH KUMAR S/O SH. JEEVAN DAS AND CHANDNI W/O SH.SATISH KUMAR BOTH R/O H.NO. 19, ??. NO.19/1, MARBAL, VILLAGE HASTSAL, VIKAS NAGAR, NEAR NAVEEN DAIRY, DELHI-110059; have severed all their relation with their daughter-in-law namely VARSHA (26 YEARS) W/O KARAN (30 YEARS) and son KARAN from all relations/ties and debarred them from all their movable and immovable properties due to their continuous cruel misconduct, harassment, mental torture, causing disturbance to the family. They are out of control of my clients. My clients shall not be liable/responsible for any acts, omission, debt, commitment, or transaction undertaken by them in any manner whatsoever.
Amrit Das Advocate
Chamber No. 320, Lawyers Chamber, Dwarka District Court, Sector-10, New Delhi-110075

NAME CHANGE
I , ONKAR SINGH S/o SHIVPAL SINGH R/o H.No. E - 1/38 PO : Nand Nagri , Dist : North East Delhi , Delhi - 110093 have changed the name of my minor son PIYUSH KASTOR aged 12 years and he shall hereafter be known as PIYUSH SINGH .

NAME CHANGE
I , SUMEET KAUSHIK S/o SUSHIL KUMAR R/o RZ - 17 , Nathu Ram Park Najafgarh South West Delhi , Delhi - 110043 have changed the name of my minor son SANGAM KAUSHIK aged 14 years and he shall hereafter be known as SANGEM KAUSHIK .

NAME CHANGE
I, DEEPA D/o B.L. CHHADIA R/o H.No. 485, Janta Flats, G.T.B Enclave, Delhi, North East Delhi - 110093 do here by solemnly affirm and declare that I have embraced ISLAM and renounced HINDUISM with effect from 29-03-2017 and henceforth I have changed my name from DEEPA to SUMAIYA ALI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, HIMALI JOSHI Spouse of JOSHI SACHIN DATTATRAY presently residing at RV-65, ROCK VIEW OFFICERS ENCLAVE, AIR FORCE STATION, PALAM, NEW DELHI-110010, have changed my name from HIMALI JOSHI to HIMALI S JOSHI vide Affidavit dated 16/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MAHAVEER KASHYAP S/O ASHOK KASHYAP residing at H NO-2363 DHARAM PURA CHAWRI BAZAR DELHI-110006 have changed my name to MAHAVIR KASHYAP for all future purposes.

NAME CHANGE
I VIMALBAI legally mother of Army no JC-462645Y, Rank - SUB, Name - Chavan Vinod Dattatray, Presently Residing At - Jalgaon khurd Post - Jalgaon khurd, Teh - Nandgaon, Dist - Nashik, Pin - 424109, State - MAHARASHTRA have changed my name from VIMALBAI to VIMALBAI DATTATRAY CHAVAN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 28/09/1958 instead of my correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavitdated 16/06/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Aarushi Chaurasia W/o Mr. Arun Kumar Chaurasia is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up Property Bearing House No. 631/B-39, With Roof/Terrace Rights, area measuring 50 Sq. Yds., Built on Plot No. 19 (Portion), out of Khasra No. 207, situated in the area of Village Chowkri Mubarakabad, abadi known as Lekhu Nagar, Onkar Nagar, Tri Nagar, New Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed Dated 30.08.2025, as Doc. No. 2025/15/I/14482, in Book No. 01, Vol. No. 16028, on Pages 43-64, on Dated 30.08.2025, SR- VIA, Pitampura., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of late Mr. Dhani Ram Chaurasia died on 28.12.2015., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Rohini New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, NO.-15728033A Rank-NK Name-SHIBU K legal father of NIVAAN NEERADH R/O VPO-ANAMANGAD, TEHSIL-PERINTHALMANNA, DIST-MALAPPURAM, KERALA-679357, have changed my minor son's name from NIVAAN NEERADH to NIVAAN NEERADH K for all future purposes vide affidavit dated 16/06/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SASINDRAN O father of No-15721900W, Rank-HAV, Name-VYSAKH O S residing at VILL-THOMATTUCHAL, PO-KARADIPPARA, TEHSIL-SULTHAN BATHERY, DIST-WAYANAD, KERALA-673593, have changed my name SASINDRAN O to SASEENDRAN O for all future purposes vide Affidavit Dated 16/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RAVI JOSHI S/O VILAKESH KUMAR R/O 122, Manik Chowk, Aligarh Aligarh Uttar Pradesh-202001 have changed the name of my minor daughter MANVI JOSHI aged 15 years and she shall hereafter be known as GUNGUN.

NAME CHANGE
I, JAVED S/O TARABUDDHIN R/O Bhojan-Doghat, Doghatrural, Baghpat Uttar Pradesh-250622 have changed the name of my minor son SUVEB PANWAR aged 13 years and he shall hereafter be known as SUAIF CHAUDHARY.

NAME CHANGE
I, Km Radhika Devi D/o Vinod Kumar Pandey R/o Pipra Padum, Jhauhana, Gonda, Uttar Pradesh-271001 have changed my name to Radhika.

NAME CHANGE
I Surinder Kumar s/o Ram Parkash R/o JG-II/274, Near Bank of India, Kesho Pur Village, Vikas Puri, Delhi-110018 have changed my name to Surinder Kumar Bhatia for all future purpose.

NAME CHANGE
I Amit Goel S/o Hiralal R/o B-21 Raj Park Sultanpuri Delhi -110086 have changed my name to Amit Goyal for all future purpose

NAME CHANGE
I Suresh Kumar S/o Jagdish Raj R/o Y-171 DLF Capital Green Moti Nagar Karampura Po Ramesh Nagar Delhi 110015 have changed my name to Suresh kumar Arora for all future purpose

NAME CHANGE
I, Rajiv Kumar S/O Desh Raj Gupta R/O C-58, Upper Ground Floor Bhagwati Garden Extn, Uttam Naga, Mohan Garden West Delhi, Delhi 110059 I, Have Changed My Name To Rajiv Gupta

NAME CHANGE
I, Aman Kumar Soni S/O Pawan Kumar Soni R/O House No 417, Gali No 11, Bata Showroom, Gandhi Nagar, Gurgaon Haryana 122001 I, Have Changed My Name To Aman Soni.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that we, Sh. Bhopal Singh S/o Sh. Balveer Singh and Mrs. Dharamveeri Devi W/o Sh. Bhopal Singh, R/o L-1st-2650/127, Gali No. 04, Sangam Vihar, Deoli, South Delhi-110062, have severed all relations with our daughter Ms. Pooja due to her continuous misbehavior, threats, abusive conduct and mental harassment towards us and our family. Henceforth, she shall have no concern with our family affairs and we shall not be responsible for any of her acts, liabilities, transactions or activities. Any person dealing with her shall do so at his/her own risk and consequences.
Sd/-
Bhopal Singh & Wife

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक कुमार भाटी (पिता श्री अशोक कुमार भाटी) प्रॉपर्टी नंबर E-90 और (पुराना प्लॉट नंबर 777), एरिया 100 वर्ग गज, खसरा नंबर 253 (गांव बाबरपुर, प्रेम गली की आबादी, पूर्वी बाबरपुर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110032) में स्थित अपर ग्राउंड फ्लोर (LHS हिस्सा बिना छत के अधिकार के) के मालिक है। यह मालिकाना हक 08.10.2025 की रजिस्टर्ड GPA (डॉक्यूमेंट नंबर 2025/23/IV/1534, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 1381, पेज 167-178, तारीख 09.10.2025, SR-IV-A, ATS और वसीयत के आधार पर है, जिसे श्री हफिज़ अहमद खान (पिता श्री समीउल्लाह खान) ने निष्पादित किया था। उक्त प्रॉपर्टी श्री नौशाद की माता श्रीमती बिलकाश को बेची जा रही है और इसके लिए स्वन्नत इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी उक्त प्रॉपर्टी पर कोई दावा/हित/अधिकार या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया नीचे दिए गए पते पर इस सूचना के 07 दिनों के भीतर लिखित रूप में सूचित करें।.
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Smt. Sonia Paul W/o Sh. Vinay Paul has agreed to create mortgage the described property in favour of My client AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED, DELHI LAXMI NAGAR BRANCH, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Pravesh Kumar S/o Sh. Ishwar Singh have agreed to sell their property "Plot No. 36 A, Area Measuring 120 Sq. Yds., Out of Plot Area 0.8790 Hect., Out of Khasra No. 483, Friends Colony, Situated at Village Matiala, Tehsil Ghaziabad, District Ghaziabad" Hence any other co-sharer(s)/ or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.
Dated: 17-06-2026 Place : Delhi
Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

NAME CHANGE
I RANDHIR KUMAR S/0 Bimal Narayan Lal R/0 HR - 164/7 Gali No7 Pul Pehladpur Delhi 110044 Changed my name to RANDHIR KUMAR LAL

NAME CHANGE
I KUMARI VIDYA W/0 RANDHIR KUMAR Lal R/0 HR - 164/7 Gali No7 Pul Pehladpur Delhi 110044 Changed my name to VIDYA LAL

NAME CHANGE
I VIMAL NARAYAN LAL S/0 Jugal Kishor Lal R/0 HR -164 /7 Gali No7 Pul Pehladpur Delhi 110044 Changed my name to BIMAL NARAYAN LAL

NAME CHANGE
I Aftab Ahmed Ansari / S/ o Mashroor Ahmed House no 951/A Street no 39/9 Near Kuan wali Masjid Jafrabad Bhanjan pura North East Delhi 110053 have changed my name to Aftab Ahmed for all future purpose

NAME CHANGE
I Surinder Kumar s/ o Ram Parkash R/o JG-II/274, Near Bank of India, Kesho Pur Village, Vikas Puri, Delhi-110018 have changed my name to Surinder Kumar Bhatia for all future purpose.

NAME CHANGE
I Amit Goel S/o Hiralal R/o B-21 Raj Park Sultanpuri Delhi -110086 have changed my name to Amit Goyal for all future purpose

NAME CHANGE
I, KRISHAN CHANDRA PUROHIT S/O SHIV PRASAD PUROHIT residing at A-43 3RD FLOOR GALI NO-6 KUMAUN SQUARE WEST VINOD NAGAR MANDAWALI FAZALPUR DELHI-110092 have changed my name to KRISHAN CHANDRA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mahbub Khan S/o Mohd Saddik R/o 41, Village Luhinga Khurd, Mewat, Haryana-122508 have changed my name to Mahbub Kha for all future purposes.

NAME CHANGE
I FIROZA KHATON W/0 Mirza Murshid R/0 1377,19 Baba Surdas Colony Amar Nagar Faridabad Haryana Changed my Name to FIROJA KHATOON

NAME CHANGE
I, Dileep Kumar, S/O Param Singh, R/O 1457, Second Floor, Outram Lines, Kingsway Camp, North West Delhi, Delhi- 110009 has changed my son's name to *AAHAAN SINGH* for all future purposes.

NAME CHANGE
I, POONAM W/O DINESH KUMAR R/O SY-C-06-01, SKYON APARTMENT, BEHIND LEMON TREE HOTEL, SECTOR-60, GURGAON, HARYANA-122011,HAVE CHANGED MY NAME FROM POONAM TO POONAM ARORA FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE
I hitherto known as GUNISHA D/o STEEFAN ANAND W/o ABHISHEK KUMAR R/o Block No D – 95 Bulding No C – 1 , Flat No. D – 1 4th Floor , Paradise Tower No 1 Paryavaran Complex , Saidul , Azaid , PO : Mehrauli , Dist : South Delhi , Delhi – 110030 have changed my name and shall hereafter be known as GUNISHA ABHISHEK KUMAR .

NAME CHANGE
I Arshi Saluja D/o Charandeep Singh Saluja R/o 16/2, East Patel Nagar Delhi-8 have changed my nane to Arshi Kaur Saluja for all future purpose.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shashi Devi W/O Narender Singh R/O House No 209, Barodah, Baroda, Bulandshahr, Uttar 203202, have changed my name and shall hereafter be known as Chandervati

NAME CHANGE
I, hitherto known as Parveen Kashyap S/O: Naipal Singh, R/O batjeora, sardhana road meerut, Batjeora, PO: Dabathwa, DIST: Meerut, Uttar Pradesh - 250341, have changed my name and shall hereafter be known as PAWAN KUMAR.

NAME CHANGE
I,Sushil Singh s/o Late Dineswar Singh R/o House No-F-11/647, Gali Number-1, Tandan Nagar, Paris Town, Batla Road Vijay Nagar, Amritsar-1, Punjab-143001 have changed my name to Sushil Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Anshu W/o Mukesh Malhotra R/o C-7/3, Krishna Nagar, Laxmi Nagar, Mandir Marg, East Delhi-110051 have changed my name to Anshu Malhotra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SAMINA W/O AHMED ALI R/O HOUSE NO. 1430/27, BAZAR CHITLI QABAR, MATIA MAHAL, JAMA MASJID, DELHI-110006, HAVE CHANGED MY NAME FROM SAMINA BEGUM AND SAMINA AHMED TO SAMINA FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Ramkumar S/o Tarachand, Fatiyabad, Nithora, Chirauri, Ghaziabad, Chirori, Uttar Pradesh - 201102 have changed my name and shall hereafter be known as Ramveer

NAME CHANGE
I hitherto known as Ruby Tyagi W/o Kapil Tyagi R/o 144, Shahpur Nij Morta, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201003 have changed my name and shall hereafter be known as Soniya Tyagi.

NAME CHANGE
I SARVENDRA CHAUHAN S/O DEVI SINGH CHAUHAN, R/O Bodha, Baghpat. Uttar Pradesh, 250617, have changed the name of my minor son ARNAV CHAUHAN alias PARTH aged 07 years and he shall hereafter be known as ARNAV CHAUHAN

NAME CHANGE
I, Narendra Kumar S/o Mahender Singh R/o 14-D Sonu Cable Wali Gali,Tikkar Mohalla,Maidan Garhi, New Delhi-110068, have changed my name from Narendra Kumar to Narender kumar for all purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as ANNU alias SHARMA ANNU D/o VISHNUBHAI RAMBHAROSE SHARMA W/o GANESH SHARKAR R/o B-154A, Block-B, Madanpur Khadar Extn, Sarita vihar, South Delhi-110076 have changed my name and shall hereafter be known as SHARMA ANNU

NAME CHANGE
I hitherto known as GAYATRI VERMA alias SAVITRI DEVI W/o ISHWAR SONI D/o SATYA NARIAN VERMA R/o 375, Haveli Haider Kuli, Chandni Chowk, North Delhi-110006 have changed my name and shall hereafter be known as SAVITRI DEVI

NAME CHANGE
I, CHHAYA mother of No-15709121F, Rank-NK, Name-BHOSALE DINESH PRABHAKAR residing at OLD BUS DEPO, PLOT NO-22/E/4, ROAD NO-11, BAIGANWADI, GOVANDI, MUMBAI, MAHARASHTRA-400043, have changed my name from CHHAYA to CHHAYA PRABHAKAR BHOSALE for all future purposes vide Affidavit dated 16/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRABHAKAR father of No-15709121F, Rank-NK, Name-BHOSALE DINESH PRABHAKAR residing at OLD BUS DEPO, PLOT NO-22/E/4, ROAD NO-11, BAIGANWADI, GOVANDI, MUMBAI, MAHARASHTRA-400043 have changed my name PRABHAKAR to PRABHAKAR AAPPA BHOSALE for all future purposes vide Affidavit Dated 16/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, AMIT AHUJA S/O JAGDISH LAL residing at H.NO 61 F/FLOOR, KH NO. 41/9/2, EXTENSION 2 B, NANGLOI, DELHI- 110041. have changed my name to AMIT for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SONIA AHUJA W/O AMIT residing at H.NO HOUSE NO-C-12/38 3-FLOOR, SECTOR-5, Rohini, 110085 have changed my name to SONIA BAJAJ for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री प्रदीप गोयल, पुत्र श्री आर.एस. गोयल, संपत्ति संख्या W-653/A-1, पुराना प्लॉट संख्या 17, क्षेत्रफल 85 वर्ग गज (71.06 वर्ग मीटर), खसरा संख्या 40/17, स्थित ग्राम शाकुरपुर, वर्तमान में श्री नगर, शाकुर बस्ती, दिल्ली-110034, की संपूर्ण निर्मित तृतीय मंजिल सहित छत/टेरेस अधिकारों के स्वामी हैं। उक्त स्वामित्व उन्हें दिनांक 23.05.2025 की पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से प्राप्त हुआ, जो श्री आफताब अहमद पुत्र श्री हाजी शफी अहमद द्वारा निष्पादित की गई थी तथा दस्तावेज संख्या 2025/15/I/8264, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 15382, पृष्ठ संख्या 133-150, दिनांक 23.05.2025, उप-पंजीयक कार्यालय (SRO-VI-A), पीतमपुरा में पंजीकृत है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति की शीर्षक श्रृंखला (Chain of Title) का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज, अर्थात् मूल विक्रय विलेख दिनांक 19.07.2012, जो श्री संजीव कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री हंस राज (अविभाजित 60% हिस्सा) एवं श्री नीरज तोमर पुत्र श्री अभय सिंह तोमर (अविभाजित 40% हिस्सा) द्वारा निष्पादित की गई थी तथा दस्तावेज संख्या 8625, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 4245, पृष्ठ संख्या 151-157, दिनांक 19.07.2012, उप-पंजीयक कार्यालय (SRO-VI-A), नई दिल्ली में पंजीकृत है, गुम हो गई है। उक्त दस्तावेज के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. संख्या LR No. 338377 दिनांक 30.05.2026 दर्ज कराई जा चुकी है। उक्त संपत्ति को श्रीमती आरती शर्मा, पत्नी श्री पवन कुमार शर्मा, के पक्ष में विक्रय किया जाना प्रस्तावित है तथा उक्त संपत्ति पर वित्तपोषण (Finance) Shivalik Small Finance Bank, नोएडा शाखा द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJEEV KUMAR S/O OMVEER SINGH R/O village dhusari, Jakhauta, Bulandshahr, Jakheta, Uttar Pradesh-202394, have changed my name and shall hereafter be known as PRADEEP KUMAR.

NAME CHANGE
I, KULDEEP SINGH R/o H.No.169, Naveen Place Near Ear Petrol Pump, Bangali Colony, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my minor son's name from RISHAV to RISHAV SINGH permanently

NAME CHANGE
I, AYAN SACHDEVA S/O MOHAN SACHDEVA residing at HOUSE NO 194 VILLAGE DHAKA, MUKHERJEE NAGAR DELHI-110009 have changed my name to VIVAN SACHDEVA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, BIJENDER KUMAR S/O RAM SANEHI UPADHYAY residing at B-4/6, B-BLOCK, EAST VINOD NAGAR, PATPARGANJ, DELHI-110091, have changed my name to BIJENDER UPADHYAY for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anu Bala Uppal D/o Mangal Dass R/o House No. 2329, Sector-15, Ward No. 10, Sonipat-131001, Haryana have changed my name from Anu Bala Uppal to Anu Uppal for for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती उषा देवी पत्नी श्री गिरिराज शर्मा, (2) श्रीमती ललिता पत्नी श्री प्रह्लाद गुप्ता, (3) श्रीमती नीतू गुप्ता पत्नी श्री संजीव कुमार तथा (4) श्री संजय पुत्र श्री राम देव, संयुक्त रूप से स्टिल्ट/ग्राउंड फ्लोर (बैक/उत्तर-पूर्वी साइड यूनिट, बिना छत अधिकार सहित) के स्वामी हैं, जो प्लॉट संख्या C-341, क्षेत्रफल 765 वर्ग फुट, ब्लॉक-C, गली संख्या-15, खसरा संख्या 428 के भाग में स्थित, भजनपुरा, ग्राम घोंडा गुर्जन खादर, इलाका शाहदरा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, दिल्ली-110053 में निर्मित है। उक्त संपत्ति उनके पक्ष में श्री दिनेश निगम पुत्र स्वर्गीय श्री सुंदर लाल निगम द्वारा निष्पादित एवं पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 12.08.2024 के माध्यम से हस्तांतरित हुई थी, जो एस.आर.-नॉर्थ ईस्ट, सीलमपुर-IV में दस्तावेज संख्या 2024/12/I/2695, पुस्तक संख्या-1, वॉल्यूम संख्या-5986, पृष्ठ संख्या 155 से 184, दिनांक 12.08.2024 के रूप में पंजीकृत है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति की दस्तावेजी श्रृंखला में स्वर्गीय श्री सुंदर लाल जी एवं स्वर्गीय श्रीमती सुनीता के मृत्यु प्रमाण पत्र तथा जीवित सदस्य प्रमाण-पत्र दस्तावेज विक्रेता के पास उपलब्ध नहीं हैं, उक्त संपत्ति को अब श्रीमती शालिनी के पक्ष में विक्रय किया जाना प्रस्तावित है। विक्रेता के कथनानुसार उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, मुकदमेबाजी, बंधक, भार, प्रभार, ग्रहणाधिकार (Lien), दावे अथवा अन्य किसी कानूनी अड़चन से मुक्त है, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति पर वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का प्रस्ताव Vastu Housing Finance Corporation Ltd., नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, दावा, हित, बंधक, प्रभार या आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अपने समर्थक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी/वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा को सूचित करे, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी को उक्त संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है तथा बाद में प्राप्त किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJEEV KUMAR S/O OMVEER SINGH R/O village dhusari, Jakhauta, Bulandshahr, Jakheta, Uttar Pradesh-202394, have changed my name and shall hereafter be known as PRADEEP KUMAR.

NAME CHANGE
I Vishal Goyal S/o Purshotham Goyal R/o House No.D-54, Mansarovar Park, North East Delhi, Delhi-110032 that I have changed the name of my minor son aged 01 years from VITTHAL DAS to VAIBHAV GOYAL for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
मैं श्रीमती कमला मेहता पत्नी स्व. श्री सत्य देव मेहता, निवासी K-40 First Floor, Old Double Storey, Lajpat Nagar-IV, New Delhi की निवासी हूँ। मैं अपने छोटे बेटे विशाल मेहता उसकी पत्नी तथा उसके दो बेटो के साथ रहती हूँ। मेरी छोटी बेटी सीमा मेहता जिसकी उम्र 45 वर्ष है और जिसका अपने पति से तलाक हो चुका है, पता 4/56 Second Floor, Old Double Storey, Lajpat Nagar-IV, New Delhi में तलाक होने के बाद से ही रह रही हूँ। मैंने अपनी बेटी से सभी तरह के सम्बन्ध खत्म कर दिए हैं। और उसको मैंने अपनी जिंदगी से बेदखल कर दिया है। मेरी बेटी आज दिनांक 16.06.2026 से कोई गलत काम करती है या किसी गलत काम में संग्लन पाई जाती है तो उसके लिए मैं और मेरा बीटा किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंग।

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MRS. RANI SONI, C/O MR. DURGA DUTT, R/O C-6/57, NEAR SHIV MANDIR, DAYALPUR, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094 IS THE SOLE AND ABSOLUTE OWNER OF PROPERTY NO. 305, (WZ-BLOCK), AREA 50 SQ.YDS., OUT OF KHASRA NO. 1575, SITUATED IN VILLAGE TIHAR, NEW DELHI AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY BY VIRTUE OF SALE DEED DATED 20.04.2023 EXECUTED BY MR. PUNEET SHARMA DULY REGD. AS DOC. NO. 9764, VOLUME NO. 8925, ON PAGES NO. 111-121, ON DATED 20.04.2023, IN SRO-2-B, JANAKPURI, DELHI AND MR. PUNEET SHARMA ACQUIRED THE SAID PROPERTY AFTER THE DEATH OF HIS FATHER MR. OM PARKASH SHARMA BASIS THE REGD. WILL 19.09.2018 EXECUTED BY HIS FATHER MR. OM PARKASH SHARMA NOW MRS. RANI SONI GOING TO MORTGAGE THE SAID PROPERTY WITH WONDER HOME FINANCE AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENTS WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पुलिस भर्तियों के लिए पीएसटी शुरू, हिसार के युवक का पैर टूटा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती के पहले ही दिन पंचकूला में एक बड़ा हादसा हो गया। फिजिकल स्क्रीनिंग टेस्ट (पीएसटी) के दौरान सड़क पर दौड़ लगाते समय हिसार के खैरी गांव निवासी एक अभ्यर्थी रजत का पैर टूट गया। जिसे एम्बुलेंस की सहायता से सेक्टर-6 के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया है।5500 पदों पर निकली भर्ती में पहले दिन करीब 3 हजार युवाओं को सड़क पर दौड़ लगाने के लिए बुलाया गया। 6 दिन का शेड्यूल जारी कर 18000 को टेस्ट के लिए बुलाया गया है। दौड़ से पहले युवाओं का बायोमेट्रिक प्रक्रिया से गुजारा गया। पहले कहा जा रहा था कि दौड़ ट्रैक पर होगी, लेकिन अब अभर्थियों को सड़क पर दौड़ाया जा रहा है।हिसार के खैरी गांव निवासी रजत ने बताया कि उसने बी फार्मा का कोर्स पूरा किया था। इसी दौरान पुलिस भर्ती के फार्म निकले आए तो उसने अप्लाई कर दिया। सीईटी पहले ही क्लियर कर लिया था। उसकी जिंदगी की यह पहली भर्ती है। रजत के अनुसार उसके पिता मजदूरी करते हैं। मां सरोज घरेलू महिला हैं।चोट लगने के कारण रजत की हड्डी टूट गई है। पंचकूला के सरकारी अस्पताल में उसका कच्चा प्लास्टर किया गया है। रजत ने बताया कि वह हिसार जाकर अपनी सर्जरी करवाएगा। प्राथमिक उपचार के बाद वह हिसार चला गया।

हरियाणा में इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी हो रहे कोर्ट समन

चंडीगढ़। हरियाणा ने अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। राज्य में नए आपराधिक कानूनों के तहत कोर्ट समन 100 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी किए जा रहे हैं और 90 प्रतिशत से ज़्यादा ई-चार्जशीट का इस्तेमाल हो रहा है। इससे टेक्नोलॉजी पर आधारित पुलिसिंग और न्यायिक प्रक्रियाओं में राज्य की राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थिति और मज़बूत हुई है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स और इंटर ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम की बैठक में यह जानकारी दी गई। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने बताया कि हरियाणा ने 7 जून, 2026 से नेशनल न्यू क्रिमिनल लॉज़ डैशबोर्ड पर पहला स्थान हासिल किया है और जून 2021 के बाद से पिछले 59 महीनों में 44 बार शीर्ष स्थान पर रहा है। राज्य ने अप्रैल 2026 में प्रगति डैशबोर्ड पर भी पहला स्थान हासिल किया था। समिति को बताया गया कि हरियाणा पुलिस नागरिकों के लिए बेहतरीन सेवाएं देना जारी रखे हुए है और हर समय पोर्टल के माध्यम से राइट टू सर्विस डैशबोर्ड पर 10 में से 10 का बेहतरीन स्कोर बनाए हुए है। तय समय-सीमा के भीतर 88.84 लाख से ज़्यादा नागरिकों के आवेदनों का निपटारा किया गया है।

हरियाणा में बिना सूचना के धरने, रैली व कार्यक्रम नहीं कर सकेंगे कांग्रेस

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस में एक नया विवाद शुरू हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र द्वारा पत्र जारी किए जाने के बाद संगठन व जनप्रतिनिधियों के बीच तनाव के आसार बन गए हैं।हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों को एक चेतावनी पत्र जारी कर प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद के पूर्व के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा है। इस नए पत्र के बाद कांग्रेस के भीतर लंबे समय से चल रही गुटबाजी और संगठन बनाम जनप्रतिनिधि की खींचतान तेज होने की संभावना बढ़ गई है। राव नरेंद्र सिंह ने एक पत्र जारी कर कहा कि प्रदेश में किसी भी धरना, प्रदर्शन, रैली, अनशन या अन्य राजनीतिक कार्यक्रम के आयोजन से पहले प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से अनुमति लेना अनिवार्य है। साथ ही कार्यक्रमों में लगाए जाने वाले बैनर, पोस्टर और प्रचार सामग्री में नेताओं के चित्र भी संगठनात्मक वरिष्ठता और प्रोटोकाल के अनुसार ही लगाने होंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने अपने पत्र में स्पष्ट लिखा है कि पहले जारी निर्देशों का समुचित पालन नहीं हो रहा है। इसलिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को इन्हें गंभीरता से लेते हुए शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि संगठनात्मक अनुशासन, समन्वय और गरिमा बनी रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्रम के आयोजन से पहले उसकी सूचना जिलाध्यक्षों के माध्यम से प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भेजनी होगी।

आर्मी लेफ्टिनेंट बनने वाली शीतल मेहलान का सोनीपत में हुआ स्वागत

सोनीपत। सोनीपत की बेटी शीतल मेहलान ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) से प्रशिक्षण प्राप्त कर आर्मी में लेफ्टिनेंट बनकर जिले का नाम रोशन किया है। वर्ष 2022 में जब पहली बार लड़कियों के लिए एनडीए में प्रवेश का अवसर मिला, तब देशभर से केवल 19 बेटियों का चयन हुआ था। के बाद वह लेफ्टिनेंट बनी हैं। शीतल ने महाराष्ट्र के खड़कवासला स्थित एनडीए में तीन वर्ष तथा देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में एक वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त किया। लेफ्टिनेंट बनने के बाद जब वह पहली बार सोनीपत पहुंचीं तो लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। शीतल की सफलता के पीछे उनके पिता का वह सपना था, जो परिस्थितियों के कारण पूरा नहीं हो सका था। दसवीं कक्षा के दौरान शीतल को इस सपने की जानकारी मिली और उन्होंने इसे अपना लक्ष्य बना लिया। बारहवी के बाद उन्होंने एनडीए की परीक्षा दी और वर्ष 2022 में पूरे देश में नौवां स्थान हासिल किया।

हरियाणा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर दिया हरित विकास का संदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने प्रदेशवासियों से 21 जून को आयोजित होने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कम से कम दो पौधे लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि पौधे भावी पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार हैं और प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि पेड़ मानव जीवन के लिए फेफड़ों की तरह कार्य करते हैं क्योंकि वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य और पेड़ों का रिश्ता जन्म से मृत्यु तक बना रहता है। जीवनभर पेड़ हमें ऑक्सीजन, भोजन और छाया देते हैं तथा मृत्यु के बाद भी विभिन्न रूपों में मानव के काम आते हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी पर्यावरण संरक्षण के अभियान में सक्रिय सहयोग देना चाहिए। मंत्री ने प्रसन्नता

व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे हरियाणा में हरित विकास की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी और लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम-2' अभियान को सफल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि इस वर्ष 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 12 वर्ष एक ही माह में पड़ रहे हैं। इसे यादगार बनाने के लिए लोगों को 12 नए स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना चाहिए।उन्होंने कहा कि जुलाई माह में हर वर्ष वन महोत्सव का आयोजन किया जाता है। लोगों को मानसून के दौरान पौधारोपण कर इसे कम से कम 5 वर्ष तक की रक्षा करनी चाहिए, जब तक की ये जड़ पकड़कर पेड़ का रुप ना लें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 100 करोड़ रुपये के ग्रीन क्लाइमेट रेजिलिएंस फंड का बजटीय प्रावधान भी किया है। यह फंड शून्य-उत्सर्जन वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, शहरी हरितीकरण, जलवायु-अनुकूल कृषि तथा प्रकृति-आधारित समाधानों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यातायात पुलिस एक हफ्ते में किए 1.71 करोड़ के चालान

एजेंसी

गुरुग्राम। यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर गुरुग्राम पुलिस ने एक हफ्ते में बड़ी कार्रवाई की है। चालान नहीं सलाम मिलेगा अभियान के तहत आठ से 14 जून के बीच यातायात पुलिस ने कुल 21,410 चालान काटे और एक करोड़ 71 लाख 77 हजार 400 रुपये का जुर्माना लगाया।

यातायात पुलिस के अनुसार इस दौरान मैदानी स्तर पर 12,320 चालान किए गए। इनमें रॉन्ग साइड ड्राइविंग के 1237, रोड मार्किंग उल्लंघन के 244, पिलियन राइडर बिना हेल्मेट के 760, बिना सीट बेल्ट के 528, ड्राइवर बिना हेल्मेट के 743, ड्रंकन ड्राइविंग के 559 और रॉन्ग पार्किंग के 1204 चालान शामिल हैं।इसके अलावा डेंजरस यू-टर्न, ट्रिपल राइडिंग, ओवरस्पीडिंग, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल और ध्वनि प्रदूषण पर भी सख्त कार्रवाई की गई। कैमरों के जरिए 9,090 चालान किए गए। इसमें लेन चेंज के 3620, नो-एंट्री उल्लंघन के 3690, ओवरस्पीडिंग के 7, बिना हेल्मेट के 585 और बिना सीट बेल्ट के 754 चालान शामिल हैं। प्रदूषण संबंधी उल्लंघनों पर 344 चालान काटे गए। सड़क अनुशासन बनाए रखने और हादसों पर रोक लगाने के लिए यातायात पुलिस ने नेशनल हाईवे 48, द्वारका एक्सप्रेसवे और मुंबई एक्सप्रेसवे पर विशेष निगरानी बढ़ाई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर से कैमरों के साथ ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर लेन चेंज और ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस ने सुरक्षा रथ के जरिए 15 स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संगठन की वास्तविक शक्ति बूथ कार्यकर्ताओं में निहित : डॉ. आशा खेदड़

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिला पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक हुई। बैठक में हरियाणा सरकार में चेयरमैन भारत भूषण जुआल मुख्य रूप से मौजूद रहे जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करना तथा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि संगठन की

वास्तविक शक्ति बूथ स्तर पर कार्यरत कार्यकर्ताओं में निहित होती है। उन्होंने हिसार जिले के सभी बूथों को डिजिटल एवं भौतिक रूप से सक्रिय बनाने पर विशेष जोर देते हुए बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी का न केवल राजनीतिक कार्यक्रमो में अग्रणी रहता है बल्कि सामाजिक कार्यक्रमों में भी आगे बढ़कर सहयोग करता है। यही कारण है कि पार्टी का संगठन जनता में लोकप्रिय है। इसे और मजबूत बनाने व जनता के नजदीक जाने की जरूरत है। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने सभी पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाएं और पार्टी की विचारधारा तथा जनहितकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रोहतक के अग्निकांड प्रभावित बाजार का अवलोकन किया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रोहतक के डी-पार्क क्षेत्र में गत 9 जून को हुई भीषण आगजनी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने प्रभावित बाजार का दौरा कर दुकानदारों से संवाद किया तथा दुकानों को हुए नुकसान का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने आगजनी में मृतक अमन कुमार पुत्र जगदीश, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आग से भारी नुकसान झेलने वाले प्रतिष्ठानों को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता दी जाएगी। दौरे के उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रेस प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ए सी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और अनेक प्रतिष्ठानों को अपनी चपेट में ले लिया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस दुखद घटना में अमन कुमार, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार की मृत्यु हुई है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए परमपिता परमात्मा से अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार भीषण आगजनी के पीड़ित परिवारों और व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की क्षति की भरपाई संभव नहीं है, फिर भी राज्य सरकार पीड़ित परिवारों और प्रभावित व्यापारियों की हर संभव सहायता करेगी। श्री सैनी ने घोषणा की कि आगजनी में मृतक अमन कुमार पुत्र जगदीश, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। आग से भारी नुकसान झेलने वाले प्रतिष्ठानों को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता दी जाएगी। सरकार द्वारा इस घटना में हुए नुकसान की पूरी भरपाई की कोशिश की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना में प्रभावित दिल्ली शूज के संचालक अमरजीत सिंह पुत्र रामप्रकाश को 5 लाख रुपये, रोहतक शूज कंपनी के संचालक सतीश कुमार पुत्र भूप सिंह को 5 लाख रुपये, शूज प्लाजा से गीता रानी पत्नी जय किशन को 5 लाख रुपये, रीगल शूज से इंदु जुनेजा पत्नी राजेश जुनेजा को 5 लाख रुपये, शिव जनरल स्टोर के नवनीत जुनेजा पुत्र हरीश कुमार को 5 लाख रुपये, बिंदु जनरल स्टोर के संचालक देशबंधु जैन पुत्र प्रकाशचंद जैन को 5 लाख रुपये, फुटलुक फुटवेयर के संचालक अशोक कुमार जैन को 5 लाख रुपये तथा कैलाश बूट हाउस के संचालकप्रियांशु कालड़ा पुत्र कैलाशचंद को 5 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आनंद फ्रूट जूस की संचालिका मीना कुमारी पत्नी टेकचंद तथा सहगल फ्रूट जूस के संचालक मुकेश पुत्र अशोक कुमार को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

हरियाणा जल प्रबंधन और ग्रामीण पेयजल व्यवस्था मामले में अग्रणी राज्यों में शामिल : नायब सैनी

अभिनव इंडिया/वेद वशिष्ठ

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा निवास में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों-्रश्रमकक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी प्रदेश के नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से विभागीय पत्रिका 'जल संजीवनी' के प्रथम संस्करण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, उद्योग एवं वाणिज्य तथा सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद थे।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'जल संजीवनी' पत्रिका विभाग की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह प्रकाशन न केवल नागरिकों को विभाग की विभिन्न जनहितकारी पहलों से अवगत कराएगा, बल्कि जल संरक्षण, जल सुरक्षा तथा स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पत्रिका विभाग की जनहितकारी

पहलों को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विभाग के इस प्रयास की सराहना की।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा आज जल प्रबंधन एवं ग्रामीण पेयजल व्यवस्था के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार के सतत प्रयासों तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की प्रभावी कार्यप्रणाली के परिणामस्वरूप प्रदेश 'शुद्ध जल, पर्याप्त जल' के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप हर व्यक्ति तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने बताया कि 'जल संजीवनी' पत्रिका में विभाग द्वारा पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों, नवाचारों तथा विकासात्मक पहलों का व्यापक विवरण प्रस्तुत किया गया है। पत्रिका में जल जीवन मिशन सहित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रदेशवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए किए गए कार्यों, जलापूर्ति कवरेज, बजट के प्रभावी उपयोग तथा आधारभूत संरचना विकास से संबंधित प्रमुख उपलब्धियों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पत्रिका में जल गुणवत्ता प्रबंधन, आधुनिक जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की सुविधाओं तथा नागरिकों को उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का विस्तृत उल्लेख किया गया है। प्रदेश के उत्कृष्ट जल शोधन संयंत्रों एवं सीवेज उपचार संयंत्रों की कार्यप्रणाली, विभाग द्वारा अपनाई गई श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों, तकनीकी नवाचारों तथा जल संरक्षण एवं स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे विशेष प्रयासों को भी पत्रिका में प्रमुखता से स्थान दिया गया है।

गंगवा ने बताया कि पत्रिका में विभाग द्वारा समुदाय के सहयोग से संचालित गतिविधियों, विभिन्न क्षेत्रों में किए गए निरीक्षण एवं जनसंवाद कार्यक्रमों, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पहलों तथा हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं के माध्यम से कार्यों में लाई गई पारदर्शिता एवं दक्षता को भी दर्शाया गया है।

केएमपी के आसपास पांच नए शहर बसाएगी सरकार

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा सरकार ने कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस वे के किनारे पांच नए शहर बसाएगी। मंगलवार को नई दिल्ली में होने वाली एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा प्रस्तावित योजना पेश की जाएगी।बैठक में सबसे अधिक चर्चा जिस प्रस्ताव पर रहने की संभावना है, वह है कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर 2 से 6 किलोमीटर क्षेत्र में पांच नए आधुनिक शहर विकसित करने की योजना है। मनोहर सरकार के समय में आई इस योजना को नायब सरकार आगे बढ़ाना चाहती है। इन प्रस्तावित शहरों को केवल रिहायशी कॉलोनियों के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य के एकीकृत शहरी केंद्रों के तौर पर विकसित करने की सोच है। इनमें आवास, रोजगार, उद्योग, डिजिटल सेवाएं, शिक्षा, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन, हरित क्षेत्र और सामाजिक बुनियादी ढांचे को एक साथ जोड़ा जाएगा।एनसीआर-2041 की रूपरेखा भी आर्थिक गलियारों, नियोजित शहरीकरण और बेहतर कनेक्टिविटी पर जोर देती है। हरियाणा का फोकस इस बार केवल दिल्ली से सटे इलाकों तक सीमित विकास नहीं, बल्कि बहु-केंद्रीय विकास मॉडल पर माना जा रहा है। ड्राफ्ट एनसीआर-2041 में भी उप-क्षेत्रीय केंद्र, सेवा केंद्र और नए शहरी नोड विकसित कर आबादी और आर्थिक गतिविधियों का संतुलित वितरण करने का सुझाव दिया गया है। सरकार की सोच यह मानी जा रही है कि दिल्ली और गुरुग्राम पर लगातार बढ़ रहे दबाव को कम करने के लिए नए शहरी केंद्र तैयार किए जाएं। केएमपी एक्सप्रेस-वे पहले ही हरियाणा के कई जिलों को जोडने वाला रणनीतिक कॉरिडोर बन चुका है।

महिला आयोग के द्वार पर आने वाली प्रत्येक महिला को मिलेगा इंसाफ

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा महिला आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने कहा है कि आयोग के द्वार पर आने वाली प्रत्येक महिला को इंसाफ मिलेगा और किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। उषा प्रियदर्शी ने हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी की उपस्थिति में पंचकूला स्थित मुख्यालय में पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण किया।आज ही आयोग की उपाध्यक्षा मीना परमार तथा सदस्य के रूप में भारती सैनी, सुनीता लोहचाब, सुमन शहजादवाला, डॉ. अनुकंपा गर्ग और सुनीता चौहान ने भी अपने पद का

कार्यभार ग्रहण किया।हरियाणा में नर्सिंग ऑफिसर के साथ विवाद के बाद पूर्व अध्यक्ष रेणु भाटिया को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ गया था। जिसके बाद सरकार ने भाजपा महिला प्रदेश अध्यक्ष एवं गुरुग्राम निवासी ऊषा प्रियदर्शी को अध्यक्ष तथा भिवानी की मीना परमार को उपाध्यक्ष बनाया है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा, जो महिला यहां पर समस्या लेकर आए, वो मुस्कुराते हुए बाहर निकले। वहीं रेणु भाटिया विवाद पर उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर मामला देखा है। मुझे पहले नहीं पता था कि यह कुर्सी मुझे मिलने वाली है। अभी केस को स्टडी करेंगे, जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई निश्चित तौर पर होगी। इस संबंध में रिपोर्ट मांगी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं का वर्कप्लेस पर शोषण होता है, वे डर व शर्म के चलते शिकायत नहीं कर पाती। आयोग में माहौल को ऐसा बनाया जाएगा कि हर महिला अपनी शिकायत स्वाभिमान के साथ यहां पर आकर दर्ज करवा सके। उन्होंने कहा कि आयोग समय-समय पर प्रशिक्षण केंद्रों, स्कूलों, कॉलेजों, अन्य शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण से संबंधित विभिन्न प्रावधानों एवं योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराएगा। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष ने कुर्सी पर बैठने से पहले पंडित से मंत्रोच्चारण करवाया। उसके बाद गणेश जी की प्रतिमा टेबल पर स्थापित की गई। उसके बाद ही ऊषा प्रियदर्शी ने अपनी कुसी संभाली।समारोह में लोक निर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, आयोग की सदस्य सचिव मोनिका मलिक तथा मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी जवाहर यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने नव-नियुक्त अध्यक्षा, उपाध्यक्षा एवं सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

22 जून को कैबिनेट बैठक में नई ट्रांसफर पॉलिसी को मंजूरी संभव

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेशभर के शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर है। ट्रांसफर का इंतजार कर रहे शिक्षकों को 22 जून को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि मंत्रिमंडल की मंजूरी की मुहर लगते ही तबादले का शेड्यूल जारी होगा।

शिक्षकों की मांगों को लेकर हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन (हसला) के राज्य प्रधान सतपाल सिंधु के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा विभाग के निदेशक जितेंद्र दहिया से मुलाकात कर शिक्षकों से जुड़े विभिन्न लंबित मामलों पर चर्चा की। बैठक के दौरान निदेशक ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक प्रगति की जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी जारी किए। बैठक में निदेशक जितेंद्र दहिया ने बताया कि नई शिक्षक स्थानांतरण नीति को 22 जून को कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के तुरंत बाद तबादलों का विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए पीजीटी से प्रिंसिपल पदोन्नति (आरओएच) के मामले में निदेशक ने संबंधित फाइल को आवश्यक दिशा-निर्देशों के साथ उसी दिन प्रधान सचिव को अग्रेषित करने के निर्देश दिए। वहीं मेवात क्षेत्र के पीजीटी से प्रिंसिपल पदोन्नति संबंधी फाइल पर भी तेजी दिखाते हुए इसे अगले दिन से शुरू करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीसीएल फाइलों को उपायुक्त (डीसी) के माध्यम से भेजने संबंधी पत्र को वापस लेने का मुद्दा भी उठाया गया। निदेशक ने बताया कि इस संबंध में फाइल मूव कर दी गई है और जल्द ही आवश्यक आदेश जारी किए जाएंगे।

वर्ष 2016 से अब तक की वरिष्ठता सूची तैयार करने के लिए गठित समिति को भी निदेशक ने मंजूरी प्रदान कर दी है। समिति को तत्काल प्रभाव से कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि लंबे समय से लंबित इस प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जा सके।

हरियाणा की आईटीआई में शुरू होंगे चीनी मिलों से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम

एजेंसी

चंडीगढ़। उद्योगों के अनुरूप कुशल मानव शक्ति के विकास की दिशा में हरियाणा एक बड़ी पहल करने जा रहा है। प्रदेश की आईटीआई में जल्द ही चीनी मिलों से संबंधित विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह कमेटी पाठ्यक्रमों के संचालन की रूपरेखा को अंतिम रूप देकर 14 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने यहां एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में चीनी मिलों से संबंधित विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव की समीक्षा की। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को उद्योग उन्मुखी कौशल प्रदान करना तथा चीनी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रमों का स्वरूप उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए, ताकि युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें और चीनी मिलों को प्रशिक्षित एवं कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हो सके। बैठक के दौरान विभिन्न तकनीकी, व्यावसायिक तथा डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया, जिन्हें आईटीआई तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से संचालित किया जा सकता है। बैठक में इस संभावना पर भी विचार किया गया कि इन विशेष पाठ्यक्रमों का संचालन सीधे चीनी मिल परिसरों में किया जाए, ताकि प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग आधारित सीखने का अवसर मिल सके। बैठक में राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), प्रशिक्षण महानिदेशालय तथा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा चिन्हित चीनी मिलों से संबंधित पाठ्यक्रमों की विस्तृत सूची की समीक्षा की गई। इनमें एग्रो प्रोसेसिंग, मैकेनिकल मेंटेनेंस (केमिकल प्लांट), बॉयलर अटेंडेंट, शुगर प्रोसेसिंग ऑपरेटर, शुगर बॉयलिंग, क्वालिटी कंट्रोल, डिप्लोमा इन बॉयलर ऑपरेशन, पीजी डिप्लोमा इन शुगर टेक्नोलॉजी, शुगर मैन्युफैक्चरिंग सर्टिफिकेट, शुगर इंजीनियरिंग डिप्लोमा, शुगर इंजीनियरिंग सर्टिफिकेट तथा इंस्ट्रूमेंटेशन एवं ऑटोमेशन, प्रोडक्टिविटी एवं मैच्योरिटी मैनेजमेंट, पर्यावरण विज्ञान और बॉयलर संचालन से संबंधित विशेष डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल हैं।कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग वर्तमान में आठवीं और दसवीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों के लिए 89 विभिन्न ट्रेड संचालित कर रहा है,

PUBLIC NOTICE

I Avishek Paul S/o Sunil Kumar Paul R/o F-161, 1st Floor, Central Park Flower Valley, Block-F, Flamingo Floor, KR Mangalam University, Village Dunehla, Sector-32-33 Dunehla (182), Gurgaon, Haryana-122103 have changed the name of my minor son baby of Poulomi Saha aged 9 years and he shall hereafter be known as HRRIHAAN PAUL SAHA for all future purposes.

हांसी के गांवों में बारिश के साथ गिरे ओले, मोबाइल टावर गिरा

एजेंसी

हांसी। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हांसी शहर व आसपास के क्षेत्रों में मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी, बारिश और तूफान के चलते कई स्थानो पर हुई ओलावृष्टि ने जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलाई, वहीं किसानों और आमजनके लिए परेशानी भी खड़ी कर दी। तेज आंधी व तेज हवाओं के कारण बड़सी गेट क्षेत्र मेंएक मोबाइल टावर टूटकर पड़ोसी मकान की छत पर गिर गया, जिससे पड़ोसी जबकि शहर के कई हिस्सों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित रहा। दोपहर बाद शुरू हुई बारिश करीब एक घंटे तक जारी रही। इस दौरान हांसी शहर के साथ-साथ ढाणी पीरवाली, ढाणी कुम्हारान, ढाणा कलां, शेखपुरा, जमावड़ी, ढाणा खुर्द, रामपुरा, अनिपुरा, गढ़ी सहित अनेक गांवों में ओलावृष्टि के साथ तेज बरसात दर्ज की गई। किसानों ने आशंका जताई है कि बारिश और ओलों से कपास तथा सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। बारिश के साथ आए तेज तूफान ने भी क्षेत्र में व्यापक असर छोड़ा।क्षेत्र में अनेक स्थानों पर पेड़, बिजली के खंभे तथा दुकानों के बोर्ड और फ्लेक्स क्षतिग्रस्त होने की सूचनाएं मिली हैं। हालांकि खबर लिखे जाने तक किसी बड़े हादसे या जनहानि कीसूचना नहीं है। तेज आंधी के चलते बड़सी गेट स्थित किशनलाल कॉम्पलैक्स के पीछे स्थापित मोबाइल टावर अचानक टूटकर धराशायी हो गया। टावर पड़ोसी मकान की छत पर गिरने से वहां की एक दीवारक्षतिग्रस्त हो गई। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि टल गई। स्थानीय लोगों के अनुसार टावर पर विभिन्न मोबाइल कंपनियों के एंटीना लगे हुए थे। तेज हवाओं का दबाव अधिक होने के कारण टावर संतुलन खो बैठा और गिर गया। टावर के क्षतिग्रस्त होने से आसपास के क्षेत्रों में कई मोबाइल कंपनियों का नेटवर्क बाधित हो गया, जिससे उपभोक्ताओं को संचार संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

गुजरात की नई औद्योगिक नीति का ऐलान, 10 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने विकसित गुजरात औद्योगिक नीति-2026 का अनावरण किया

गांधीनगर ।

गुजरात सरकार ने अगले पांच वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ अपनी नई औद्योगिक नीति 'विकसित गुजरात औद्योगिक नीति-2026' की घोषणा की है। यह नीति आगामी पांच वर्षों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन्नत विनिर्माण, नवाचार और स्टार्टअप के लिए एक मजबूत एवं सहयोगी ढांचा विकसित करना है। इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों को आकर्षित करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए 15 से 50 फीसदी तक प्रोत्साहन दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में इस नीति का अनावरण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, मुख्य सचिव एम. के. दास सहित अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों और उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। यह दूरगामी नीति वर्ष 2047 तक गुजरात को 3.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में राज्य की प्रगति को गति देने और उन्नत विनिर्माण व नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती है।

मई में भारत का निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर, व्यापार घाटा बरकरार

पेट्रोलियम और इंजीनियरिंग उत्पादों ने दी रफ्तार; आयात में भी तेज वृद्धि दर्ज

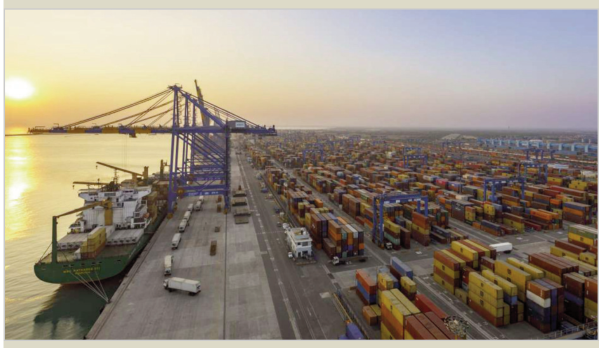

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार मई माह में भारत के व्यापारिक वस्तु निर्यात ने रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल की है। यह 45.20 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, इस दौरान आयात में भी भारी वृद्धि दर्ज की गई, जिससे देश का व्यापार घाटा ऊंचा बना रहा। आंकड़ों के मुताबिक पेट्रोलियम उत्पादों और इंजीनियरिंग वस्तुओं के मजबूत प्रदर्शन ने निर्यात वृद्धि में अहम योगदान दिया। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 55 प्रतिशत बढ़कर 8.42 अरब डॉलर हो गया, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात लगभग 25 प्रतिशत बढ़कर 12.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य अ धिकारी ने बताया कि पश्चिम एशिया को होने वाला निर्यात मई में 5.30 अरब डॉलर रहा, जो लगभग मई 2025 के स्तर पर लौट आया है। यह शिपिंग मंत्रालय और निर्यात संवर्धन एजेंसियों के प्रयासों से संभव हुआ, जिन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के दौरान वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की। दूसरी ओर, देश का आयात भी लगभग 21 प्रतिशत बढ़कर 73.41 अरब डॉलर के पिछले सात महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मासिक आयात बिल है, जो पिछले वर्ष अक्टूबर के 76.73 अरब डॉलर के रिकॉर्ड से कुछ कम है। इसके परिणामस्वरूप, मई में व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल के 28.38 अरब डॉलर से थोड़ा कम है लेकिन पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। सेवा क्षेत्र की बात करें तो मई में सेवाओं का निर्यात अनुमानित रूप से 13 प्रतिशत बढ़कर 36.76 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 14 प्रतिशत बढ़कर 19.06 अरब डॉलर हो गया। इससे सेवाओं के व्यापार में भारत को मई में लगभग 17.70 अरब डॉलर का अधिशेष मिला, जो एक सकारात्मक संकेत है। राजेश अग्रवाल ने उम्मीद जताई कि अगर अमेरिका-ईरान शांति समझौते के बाद पश्चिम एशिया में स्थिति सामान्य रहती है, तो जून में निर्यात और बेहतर रहने की संभावना है।

क्रेडिट स्कोर के आधार पर महंगा हुआ कर्ज, उपभोक्ताओं पर बढ़ा बैंक ब्याज का बोझ

नई दिल्ली।

बैंकों द्वारा ऋण में क्रेडिट स्कोर को अधिक महत्व दिए जाने के बाद कई उपभोक्ताओं को कर्ज लेना महंगा हो गया है। वित्तीय क्षेत्र से जुड़े जानकारों के अनुसार अब अधिकांश बैंक और वित्तीय संस्थान उधारकर्ताओं के क्रेडिट स्कोर के आधार पर ब्याज की वसूली करेंगे। रिजर्व बैंक के नए आदेश से जोखिम प्रोफाइल के आधार पर बैंक ब्याज दरें तय कर रहे हैं। बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले ग्राहकों को अपेक्षाकृत कम ब्याज दर होगी। जबकि कम स्कोर वाले ग्राहकों से 2 से 2.5 प्रतिशत तक अधिक ब्याज बैंकों द्वारा वसूल किया जाएगा । विशेषज्ञों का कहना है, जोखिम आधारित कर्ज निर्धारण कर पुराने कर्ज पर उपभोक्ताओं से ज्यादा रेट पर ब्याज की वसूली की जाएगी। उपभोक्ता संगठनों का तर्क है, इससे मध्यम वर्ग और पहली बार ऋण लेने वाले लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी का तरीका नहीं है। जिसके

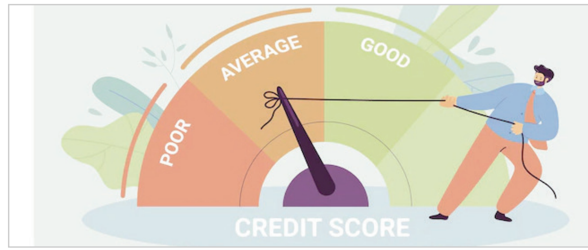

कारण रेटिंग खराब होती है। कम क्रेडिट स्कोर वाले लोगों की मासिक ईएमआई में बड़ी वृद्धि हो सकती है। गरीब और मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर इसका असर पड़ेगा। जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है। आमदनी घट रही है ऐसे समय पर रिजर्व बैंक ने गरीब और मध्यम वर्ग पर ब्याज का अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। जिससे लोगों में नाराजी फैल रही है।

सरकार जीआईसी में 5 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली ।

सरकार जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) में अपनी पांच प्रतिशत तक हिस्सेदारी 352 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचेगी।

मंगलवार से शुरू हुई इस दो दिवसीय बिक्री पेशकश (ओएफएस) से सरकारी खजाने को लगभग 3,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के एक अे धिकारी ने बताया कि संस्थागत निवेशक मंगलवार को और खुदरा निवेशक बुधवार को बोली लगा सकेंगे।

सरकार प्रारंभिक दो प्रतिशत इक्विटी के साथ, ग्रीन शू विकल्प के तहत अतिरिक्त तीन प्रतिशत हिस्सेदारी भी बेचेगी। यह न्यूनतम कीमत सोमवार के बंद भाव (388.35 रुपये) से 9.36 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष में सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में हिस्सेदारी बेचकर अब तक 13,389 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

टीसीएस पहली तिमाही में सात करोड़ डॉलर का अतिरिक्त प्रावधान करेगी

कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दर्ज करेगी एकमुश्त असाधारण खर्च

नई दिल्ली ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को एक बड़े कानूनी झटके के बाद वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में अतिरिक्त सात करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रावधान करना होगा। यह फैसला अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन (अब डीएक्ससी टेक्नोलॉजी का हिस्सा) के साथ व्यापारिक रहस्यों से जुड़े कानूनी विवाद में निचली अदालत के फैसले की समीक्षा से इनकार करने के बाद आया है। टीसीएस ने मंगलवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि उसने इस मामले के लिए पहले ही 15 करोड़ डॉलर का प्रावधान किया हुआ था।

अब कंपनी हर्जाना, ब्याज और कानूनी लागत के रूप में सात करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त राशि का प्रावधान करेगी। यह एक बार का असाधारण खर्च वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दर्ज किया जाएगा।

दरअसल, अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने 15 जून 2026 को इस मामले में यूनाइटेड स्टेट्स कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट के निर्णय की समीक्षा के लिए टीसीएस की याचिका को खारिज कर दिया है। इससे पहले, यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फिफ्थ सर्किट ने 19.42 करोड़ डॉलर के हर्जाने के आदेश को बरकरार रखते हुए कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन/डीएक्ससी टेक्नोलॉजी के पक्ष में फैसला सुनाया था। यह मामला व्यापारिक रहस्यों के उल्लंघन से संबंधित है, जिसका खुलासा टीसीएस ने जून 2024 और नवंबर 2025 में शेयर बाजार को की गई सूचनाओं में किया था।

कच्चे तेल में गिरावट से सरकारी तेल कंपनियों को बंपर फायदा

ब्रेंट के 65 डॉलर तक फिसलने का अनुमान

मुंबई।

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की उम्मीदों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट से देश की सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को बड़ा फायदा मिल रहा है।

पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि के साथ कच्चे तेल के नरम पड़ने से कंपनियों की कमाई में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। अप्रैल की शुरुआत में ब्रेंट क्रूड 125 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर था, जो अब घटकर करीब 83 डॉलर प्रति बैरल रह गया है। इस नरमी से तेल कंपनियों पर दबाव कम हुआ है और वे ऑटो फ्यूल कारोबार में सामान्य मुनाफे के करीब पहुंच चुकी हैं। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और पिछले एक महीने में ओएमसी शेयरों में अच्छी तेजी भी देखी गई है।

एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की रिपोर्ट के अनुसार ओएमसी के लिए हालात बेहतर दिख रहे हैं। ब्रोकरेज का अनुमान है कि अगले कुछ महीनों में ब्रेंट क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल से नीचे जा सकता है, जिससे कंपनियां पेट्रोल और डीजल पर 5 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा का मुनाफा कमा सकती हैं। एलपीजी कारोबार में हालांकि दबाव बरकरार है, पर हालिया मूल्य वृद्धि से कुछ राहत मिली है। एंटीक ने एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए एचपीसीएल को अपनी पहली पसंद बताया है। बढ़ती वैश्विक आपूर्ति और धीमी मांग के चलते अगले 6-9 महीनों में ब्रेंट क्रूड 65-70 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकता है, जो ओएमसी के लिए सकारात्मक खबर है।

आरबीआई का फरमान, वित्तीय उत्पादों की धोखाधड़ी वाली बिक्री पर लगेगी लगाम

सख्त नियम जारी, 1 जनवरी 2027 से होंगे लागू, डिजिटल मार्केटिंग भी दायरे में

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्तीय उत्पादों एवं सेवाओं की भ्रामक बिक्री (मिस-सेलिंग) और आक्रामक बिक्री प्रथाओं पर लगाम लगाने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। ये नए सिद्धांत-आधारित नियम 1 जनवरी, 2027 से लागू होंगे, जिनका लक्ष्य उपभोक्ताओं को गलत जानकारी और अनुचित बिक्री दबाव से बचाना है। दिशानिर्देशों के तहत सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और सभी डिजिटल मार्केटिंग मध्यस्थ भी दायरे में आएंगे, क्योंकि ये नियम माध्यम-निरपेक्ष दृष्टिकोण पर आधारित हैं। केंद्रीय बैंक ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को आक्रामक बिक्री को बढ़ावा देने वाले प्रोत्साहन ढांचे से दूर रहने को कहा है। विनियमित संस्थाएं (आरई) अपने कर्मचारियों को प्रोत्साहन दे सकती हैं, पर यह सुनिश्चित करना होगा कि वे गलत बिक्री को बढ़ावा न दें। साथ ही, तीसरे पक्ष द्वारा आरई कर्मचारियों

को प्रोत्साहन देने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि सभी विज्ञापन, विपणन और बिक्री के लिए अंतिम जिम्मेदारी संबंधित आरई की होगी, चाहे वे सीधे एजेंट या आउटसोर्स व्यवस्था से हों। प्रचार या ग्राहक जोड़ने के लिए नियुक्त इन्फ्लूएंसर, सहयोगी और अन्य डिजिटल मार्केटिंग मध्यस्थ अब डायरेक्ट सेलिंग एजेंट (डीएसए) या डायरेक्ट मार्केटिंग एजेंट (डीएमए) की श्रेणी में माने जाएंगे। यह कदम वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है।

लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का आईपीओ 17 जून को खुलेगा

मुंबई ।

बेंगलुरु स्थित लीपीफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 21-23 प्रति शेयर निर्धारित किया है। कंपनी का 88.51 करोड़ का यह आईपीओ बुधवार को निवेशकों के लिए खुलेगा। यह आईपीओ सदस्यता के लिए बुधवार को खुलेगा और शुक्रवार को बंद होगा। इसमें 79.60 करोड़ रुपए के लगभग 3.46 करोड़ इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और 8.91 करोड़ रुपए के लगभग 38.75 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। लीपीफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज एक इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और कमीशनिंग (ईपीसीसी) कंपनी है जिसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। कंपनी ने अपनी मजबूत व्यावसायिक स्थिति का प्रदर्शन करते हुए 384 करोड़ रुपए से अधिक की ऑर्डर बुक बनाई है। इसमें 327 करोड़ रुपए से अधिक की निर्यात परियोजनाएं भी शामिल हैं, जो वैश्विक स्तर पर इसकी क्षमताओं को दर्शाती हैं।

स्किल कोर्स 28 लाख ने किया,नौकरी मिली सिर्फ 23 फीसदी को!

प्रमाणन दर भी निराशाजनक, नीति-निर्माताओं की चिंता बढ़ी

नई दल्ली ।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) अकादमी के कौशल विकास कार्यक्रम भले ही लाखों युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार दिलाने का दावा करते हों, लेकिन जमीनी हकीकत निराशाजनक है। एनएसडीसी के सार्वजनिक डैशबोर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इन कार्यक्रमों में दाखिला लेने वाले एक चौथाई से भी कम लोगों को रोजगार मिल पाता है। यह स्थिति कौशल प्रशिक्षण को नौकरी में बदलने की बड़ी चुनौती को दर्शाती है। 8 जून तक के आंकड़ों के मुताबिक एनएसडीसी अकादमी के माध्यम से दाखिला लेने वाले 28.3 लाख उम्मीदवारों में से केवल 6,60,586 को ही नौकरी मिल पाई है, जो लगभग 23 प्रतिशत की रोजगार दर है।

इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि दाखिला लेने वालों में से आधे से भी कम (लगभग 14 लाख) उम्मीदवारों को ही प्रमाणपत्र मिल पाए, जो दाखिले के बाद प्रमाणन और फिर नौकरी तक पहुंचने की प्रक्रिया में एक

बड़े अंतर को उजागर करता है। वर्ष 2023 में शुरू हुई एनएसडीसी अकादमी का उद्देश्य उच्च शिक्षा के साथ उद्योग-जुड़े कौशल विकास को जोड़ना और रोजगार क्षमता बढ़ाना है। हालांकि, मौजूदा आंकड़े इस पहल की वास्तविक प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करते हैं। नीति-निर्माता अब केवल दाखिले की संख्या के बजाय रोजगार सृजन पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि श्रम, कपड़ा और कौशल विकास पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने प्लेसमेंट को कौशल-विकास कार्यक्रमों की सफलता का 'असली पैमाना' बताया है। ये आंकड़े सरकारी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 27 तक उद्योग में तेज वृद्धि का लक्ष्य चंद्रशेखरन

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद नए उत्पाद और जेएलआर के साथ सहयोग विकास बढ़ाएंगे

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने विश्वास व्यक्त किया है कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) वित्त वर्ष 2026-27 तक व्यापक आर्थिक और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद उद्योग में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करेगी। उन्होंने कंपनी की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे अपने पत्र में यह बात कही। चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी नए उत्पादों और मल्टी-पावरट्रेन पेशकशों के समर्थन से`` वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूती से प्रवेश कर रही है, जिसका उद्देश्य उद्योग में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करना है। उनका ध्यान सुरक्षा, स्थिरता, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को गहरा करने पर रहेगा, साथ ही व्यापक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लचीलेपन पर भी जोर दिया जाएगा। समूह की कंपनियों के बीच तालमेल पर प्रकाश डालते हुए, चंद्रशेखरन ने बताया कि टीएमपीवी और उसकी ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और मानव संसाधन में सहयोग जारी रखेंगे। उनका मानना है कि इससे दक्षता बढ़ेगी, सीखने की गति तेज होगी और पूंजी अनुशासन मजबूत होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि डिजिटल प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) में वैश्विक प्रगति परिवहन उत्पादों के डिजाइन, अनुभव और समर्थन के तरीके बदल रही है। इसी के साथ, स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव, सुरक्षा को लेकर बढ़ती अपेक्षाएं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन प्रतिस्पर्धा को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।

बेरोजगारी ने तोड़ा 11 महीने का रिकॉर्ड, मई में 5.5 फीसदी पर पहुंची दर

श्रम बल भागीदारी में भी गिरावट, काम की तलाश करने वालों का अनुपात 54.4 फीसदी हुआ

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के नवीनतम मासिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत के श्रम बाजार ने मई में एक चिंताजनक प्रवृत्ति प्रदर्शित की है, जिसमें बेरोजगारी दर (यूआर) 11 महीने के उच्चतम स्तर 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह वृद्धि अप्रैल के 5.2 प्रतिशत से हुई है। विशेष रूप से महत्वपूर्ण यह है कि यह श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में गिरावट के बावजूद दर्ज की गई है, जो काम करने या काम की तलाश करने वाले लोगों के अनुपात में कमी का संकेत देती है। यह डेटा देश में रोजगार परिदृश्य की अंतर्निहित कमजोरी को उजागर करता है। आंकड़ों के मुताबिक मई में एलएफपीआर घटकर 54.4 प्रतिशत रह गई, जो पिछले 11 महीनों का सबसे निचला स्तर है, जबकि अप्रैल में यह 55 प्रतिशत थी। इसी तरह, रोजगार प्राप्त लोगों का अनुपात भी अप्रैल के 52.2 प्रतिशत से घटकर मई में 51.4 प्रतिशत पर आ गया, जो एक और 11 महीने का निचला स्तर है। एनएसओ के विश्लेषण के अनुसार कामकाजी आबादी और रोजगार प्राप्त लोगों के अनुपात में कमी तथा बेरोजगारी में वृद्धि से स्पष्ट होता है कि मई के दौरान श्रम बाजार की स्थिति कमजोर हुई है। यह दर्शाता है कि रोजगार के अवसरों में गिरावट, काम की तलाश करने वालों की संख्या में कमी की तुलना में अधिक तेज रही है, जिससे कुल बेरोजगारों का अनुपात बढ़ गया है। आर्थिक गतिविधियों में मौसमी सुस्ती भी इसकी एक संभावित वजह मानी जा रही है। क्षेत्रीय और लिंग-विशिष्ट विश्लेषण से भी महत्वपूर्ण रुझान सामने आए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में एलएफपीआर अप्रैल के 57.5 प्रतिशत से घटकर मई में 56.6 प्रतिशत रह गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह मामूली गिरावट के साथ 50.1 प्रतिशत से 49.8 प्रतिशत पर आई है। ग्रामीण बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो अप्रैल के 4.6 प्रतिशत से बढ़कर मई में 5.1 प्रतिशत हो गई। वहीं, शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 6.6 प्रतिशत से घटकर 6.4 प्रतिशत हुई, जो एक विरोधाभासी प्रवृत्ति को दर्शाता है। पुरुषों और महिलाओं दोनों के रोजगार अनुपात में गिरावट दर्ज की गई है, और दोनों के लिए बेरोजगारी दर में वृद्धि हुई है, जो व्यापक श्रम बाजार तनाव की ओर इशारा करता है। यह समग्र डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक जटिल चुनौती प्रस्तुत करता है।

सिंगापुर में आंध्र प्रदेश के लिए तकनीकी-निवेश साझेदारी की वकालत

सेमीकंडक्टर, एआई और विश्वविद्यालय शोध में सहयोग पर जोर

नई दिल्ली ।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सिंगापुर के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान वहां के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की और राज्य में तकनीकी सहयोग व निवेश की मांग की। उन्होंने सेमीकंडक्टर, कृत्रिम मेधा (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और विश्वविद्यालय शोध जैसे उभरते क्षेत्रों में साझेदारी पर विशेष जोर दिया। बैठक में नायडू ने सिंगापुर से आंध्र प्रदेश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने व क्षमता निर्माण में मदद मांगी। उन्होंने उद्यम पूंजी और स्टार्टअप निवेशकों को राज्य में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया, साथ ही राज्य के बढ़ते औद्योगिक परिवेश, नवाचार अवसंरचना और निवेशक-अनुकूल नीतियों को रेखांकित किया। उन्होंने औद्योगिक परियोजनाओं व रतन टाटा नवाचार केंद्र के माध्यम से विकसित स्टार्टअप में निवेश का सही समय बताया। यात्रा के दौरान नायडू ने सरकारी अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों व निवेशकों से मुलाकात कर अवसंरचना, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण व शिक्षा में निवेश पर चर्चा की। भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने बताया कि सिंगापुर हरित ऊर्जा और सेमीकंडक्टर परिवेश में अग्रणी है तथा भारत के राज्यों के साथ काम करने को इच्छुक है। नायडू ने संयुक्त राष्ट्र-हैबिटेट और गूगल क्लाउड से साझेदारी का प्रस्ताव भी रखा, तथा सिंगापुर की कंपनियों को लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला व डिजिटल अवसंरचना में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

रिकॉर्ड के मोर्चे पर कौन भारी, कौन कमजोर

उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है।

इस बार 11 जून की तारीख भारतीय इतिहास के लिए विशेष बनकर आई। इसी दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा दिन शासन चलाने का रिकॉर्ड कायम कर दिया। इसके पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा 4398 दिन प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम है। मौजूदा दौर विशेषकर विजुअल मीडिया के वर्चस्व का दौर है। विजुअल मीडिया की चूंकि उत्सवधर्मिता केंद्रित है, लिहाजा इस रिकॉर्ड को लेकर सत्ता पक्ष में उत्साह का माहौल होना ही था और ऐसा है भी। लेकिन इसे लेकर आलोचनाओं की बाढ़ भी आ गई है। विशेषकर प्रगतिशील खेमे से मोदी के इस रिकॉर्ड को लेकर तंज में आलोचनाएं की जा रही हैं। इन आलोचनाओं का भाव कुछ वैसे ही है, जैसे कहां राजा भोज, कहां गंगू तेली। आलोचकों की नजर में कहावत के राजा भोज नेहरू हैं और गंगू मोदी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अरसा पहले संसद को संबोधित करते हुए देश के विकास में अतीत के हर प्रधानमंत्री के योगदान को याद किया था। इतिहास क्रम में हर प्रधानमंत्री ने कुछ न कुछ योगदान दिया ही है। हर प्रधानमंत्री की युगीन आवश्यकताएं और परिस्थितियां अलग रही हैं।

इसलिए अव्वल तो ऐसी तुलनाएं होनी ही नहीं चाहिए थी। क्योंकि नेहरू के युग में भारत की जो स्थिति थी, वह अब नहीं है। इतिहास का कोई खंड कठिन होता है तो कोई आसान। इसलिए इतिहास के काल खंड की बुनियाद पर उस दौर के शासक की परख होनी चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि भविष्य का शासक अपनी उपलब्धियों का जश्न नहीं मना सकता।

प्रधानमंत्री मोदी को लेकर जिस तरह का राजनीतिक माहौल स्थापित हो चुका है, उसमे अगर प्रगतिशील खेमा और कांग्रेस की आलोचना के केंद्र में मोदी ना रहें तो ही हैरत होगी। प्रगतिशील खेमा मोदी को कमतर दिखाने की कोशिश में नेहरू को सबसे ज्यादा दिनों तक प्रधानमंत्री दिखाने की कोशिश कर रहा है। इस आलोक में इतिहास के तथ्यों को जांचना जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि जब 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली, तब पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। लेकिन वह किसी एक दल विशेष यानी कांग्रेस की ही सरकार नहीं थी, बल्कि एक तरह से वह राष्ट्रीय सरकार थी, जिसमें अंबेडकर भी थे और श्यामाप्रसाद मुखर्जी भी।

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ऐसा लगने लगा था कि भारत को आजादी मिल जाएगी। इस बीच ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी और लॉर्ड एटली प्रधानमंत्री बने। एटली ने चुनावी वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी की सरकार बनी तो भारत को स्वाधीनता दी जाएगी। जब उन्होंने ब्रिटेन की कमान संभाल ली तो उन्होंने भारत को आजादी देने की प्रक्रिया तेज कर दी। इसी सिलसिले में 1946 में कैबिनेट मिशन भारत आया। मिशन के सामने सवाल यह था कि सत्ता का हस्तांतरण किसे किया जाएगा, क्योंकि उन दिनों भारत में दो बड़े और प्रमुख दल थे, कांग्रेस और मुस्लिम लीग। लेकिन सत्ता किसे सौंपी जाए, इस सवाल के साथ ही भारत की भावी सरकार और विधान को तैयार करने के लिए संविधान सभा का चुनाव 1946 में हुआ। इस चुनाव में कांग्रेस को 208 और मुस्लिम लीग को 73 सीटें मिलीं। दूसरे दलों और निर्दलीयों को 15 सीटें मिलीं थी। इसके पहले प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव हुए थे, जिसमें कांग्रेस को 923 और मुस्लिम लीग को 425 सीटें मिली थीं। कांग्रेस को सामान्य सीटों के नब्बे प्रतिशत हिस्से पर जीत मिली, मुस्लिम बहुल 87 प्रतिशत सीटों पर मुस्लिम लीग को जीत मिली। इसके बाद सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस को ही सत्ता हस्तांतरण होना तय हुआ। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष का महत्व बढ़ गया। उन दिनों कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अधिकांश प्रांतीय समितियों ने सरदार पटेल का नाम आगे किया था, जबकि कुछ ही प्रांतीय कांग्रेस समितियों ने जवाहर लाल नेहरू का नाम आगे किया। चूंकि गांधी जी पहले ही कह चुके थे कि उनके बाद जवाहर उनकी भाषा बोलेगा यानी सत्ता उन्हें मिलेगी, इसलिए वे ही अध्यक्ष बनाए गए। इसके बाद सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया के तहत 2 सितंबर 1946 को 'अंतरिम सरकार' का गठन हुआ, जिसमें नेहरू जी को 'वायसराय की कार्यकारी परिषद का उपाध्यक्ष' बनाया गया, उस पद का नाम प्रधानमंत्री नहीं था। इसे अंतरिम सरकार कहा गया। भले ही कुछ लोग सुविधा के लिए नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल को उसी दिन से मान लेते हैं। यहां याद करना जरूरी है कि वायसराय की कार्यकारी परिषद के पदेन अध्यक्ष खुद वायसराय लॉर्ड वेवेल थे। उनके बाद आए वायसराय माउंटबेटन इसके अध्यक्ष रहे।

देश को स15 अगस्त 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947' के तहत देश को आजाद घोषित किया गया। इस कानून के मूल पाठ में कहीं भी ₹प्राइम मिनिस्टर₹ या प्रधानमंत्री शब्द नहीं लिखा हुआ है। हालांकि पंद्रह अगस्त 1947 की आधी रात को नेहरू ने स्वाधीन सरकार के मंत्री के रूप में शपथ ली, भले ही वे उसके मुखिया थे। नेहरू ने अंग्रेजी में शपथ लेते हुए ह्यऑफिस ऑफ मिनिस्टरह्ण यानी मंत्री पद की शपथ ली थी, प्रधानमंत्री पद की नहीं। इसके बाद ही उन्होंने ह्यनियति से साक्षात्कारह्ण वाला प्रसिद्ध भाषण दिया था। यहां याद करना चाहिए कि भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम के तहत तत्कालीन गवर्नर-जनरल को ब्रिटिश सम्राट के प्रतिनिधि के रूप में दोनों उपनिवेशों भारत और पाकिस्तान का संवैधानिक प्रमुख नियुक्त किया गया था। जिन्हें सलाह देने और शासन चलाने के लिए एक मंत्रि परिषद का प्रावधान था। इस प्रावधान में प्रधानमंत्री या प्रीमियर या प्राइम मिनिस्टर का कोई पद नहीं है। गवर्नर-जनरल को इसी मंत्रि परिषद की सलाह पर शासन चलाना था।

मोदी को सबसे लंबे समय तक बतौर निर्वाचित प्रधानंत्री काम करने के रिकॉर्ड को गलत साबित करने वाला प्रगतिशील तबके का तर्क है कि 1946 के चुनावों में कांग्रेस सबसे बड़ा दल बन कर उभरी और उसके निर्वाचित नेता के तौर पर नेहरू ने सरकार चलाई। लेकिन हकीकत यह है कि 1946 का चुनाव वयस्क मतदान के अधिकार और एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत के तहत नहीं हुआ था। तब वोटर होने की शर्त संपत्ति, शिक्षा, कर भुगतान आदि था। मुसलमान सिर्फ मुस्लिम बहुल सीटों के ही मतदाता थे। एक तरह से यह सार्वभौम वयस्क मतदान के अधिकार से रहित चुनाव था। इसलिए सही मायने में 1946 का चुनाव ना तो समानता और वयस्क मतदान के अधिकार से लैस था, न ही पूरे देश के मतदाताओं का प्रतिबिंब था। एक तरह से कहें तो यह सिर्फ दस प्रतिशत लोगों के मतदान की बुनियाद पर हुआ चुनाव था। जिसमें हर वयस्क की भागीदारी नहीं थी। उन दिनों धार्मिक आधार पर अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र भी थे। इसलिए 1946 का चुनाव सही मायने में संतुलित मतदान नहीं था। स्वाधीन भारत में पहला आम चुनाव 1951 -52 के बीच हुआ। जिसमें कांग्रेस को 364 सीटें मिलीं। इसी नतीजे के आधार पर पंडित नेहरू ने 13 मई 1952 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और 27 मई 1964 को मृत्यु पर्यंत अपने पद पर रहे। इसी लिहाज से नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 4398 दिन ही होता। आधुनिक सार्वभौम मतदान के अधिकार और सिद्धांत के लिहाज से देखें तो पंडित नेहरू का निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर असल कार्यकाल 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक का ही होता है।

रही बात नेहरू और मोदी के कार्यकाल की उपलब्धियों की, तो इसकी तुलना की जा सकती है। भारत की आजादी के वक्त देश में बीस विश्वविद्यालय थे, जिसे नेहरू ने अपने कार्यकाल में 64 तक पहुंचा दिया था। इस लिहाज से देखें तो मोदी के कार्यकाल में देश में साढ़े पांच सौ से ज्यादा विश्वविद्यालय हो चुके हैं। नेहरू समर्थक कह रहे हैं कि आजादी के वक्त देश में 15 मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या बढ़ाकर नेहरू ने 81 कर दी थी। लेकिन जब मोदी ने कार्यकाल संभाला तो देश में 393 मेडिकल कॉलेज थे, जिसे उन्होंने 818 तक कर दिया है। 431 मेडिकल कॉलेज तो 2014 के बाद ही बने हैं। बेशक नेहरू अपनी विदेश नीति के लिए जाने जाते हैं, लेकिन मोदी ने भारत के स्वत्व बोध को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब बढ़ाया है।

संपादकीय

डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ

भारत में सामान्यतः उत्पादों पर गुणवत्ता व उपयोग-तिथि के दावों के बावजूद उसके सेहत से जुड़े सरोकार सवालों के घेरे में रहे हैं। यह आम धारणा बनी हुई है कि कुछ लोग मुनाफे के लिए सामान की एक्सपाइरी डेट दर्ज करने में हेरफेर करने तक से नहीं चूकते। यह भी विश्वास से नहीं कहा जा सकता है कि सामान में शामिल घटकों का विवरण ईमानदारी से लेबल पर दर्ज किया गया हो। गाहे-बगाहे मीडिया व उपभोक्ता अदालतों में ऐसे मामलों की गूंज रहती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से संवेदनशील लोगों के जीवन पर सही लेबलिंग से आंच नहीं आ सकती। इसी के मद्देनजर भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा कई खाद्य कंपनियों को गुमराह करने वाले ट्रेड नाम के इस्तेमाल और सेहत से जुड़े दावों के लिए नोटिस जारी करना, निश्चय ही एक स्वागतयोग्य कदम है। अक्सर प्रतिष्ठित उत्पाद वाली कंपनियों के लेबल लगाकर हल्के सामान बेचने के मामले भी उजागर होते हैं। हकीकत है कि आकर्षक पैकेजिंग के जरिये उत्पाद की न्यूट्रिशन से जुड़ी जानकारी को पार्श्व में डाल दिया जाता है। विडंबना यह है कि देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित नहीं हो पाया है जो लगातार जनहित में खाद्य उत्पादों की जांच-पड़ताल कर सके। निश्चित रूप से रेगुलेटरी संस्था की निगरानी सिर्फ कभी-कभार नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इस तरह की कार्रवाई कुछ समय के लिए तो सुर्खियां बनती हैं लेकिन फिर लोगों को इसकी याद कम ही रह जाती है। इस तरह की पहल को ग्राहकों की सुरक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और जागरूकता पर आधारित लगातार चलने वाले एक राष्ट्रीय मिशन का रूप दिया जा सकता है। निश्चित रूप से लाखों भारतीयों के लिए खाने की चीजों पर लेबलिंग सेहत से जुड़ा मामला है। मसलन कशेरुक रोग से पीड़ित लोग ग्लूटेन से बचने के लिए लेबलिंग पर लिखी जानकारी पर निर्भर रहते हैं, क्योंकि यह उनकी आंतों को नुकसान पहुंचा सकता है।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा। वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका। बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा। विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

राम नाम जपना, पराया माल अपनाः अयोध्या में चोरी

दिलीप कुमार पाठक

अयोध्या के राम मंदिर में चोरी हो गई है! जी हां, इस बार चोरों ने भगवान का सोने का मुकुट या गर्भगृह के आभूषण नहीं छुए, बल्कि सीधे श्रद्धालुओं के उस चढ़ावे और दान पर हाथ साफ कर दिया जिसे देश-दुनिया के लोगों ने अपनी अगाध श्रद्धा से अर्पित किया था। मंदिर के दानपात्रों से करोड़ों रुपये गायब होने की इस सनसनीखेज खबर ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आनन-फानन में एसआईटी का गठन कर दिया गया है। लखनऊ के कमिश्नर की अगुवाई में जांच टीम अयोध्या के कोने-कोने को खंगाल रही है, संदिग्धों से पूछताछ हो रही है और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लेकिन आइए, पुलिसिया कार्रवाई से हटकर जरा इस सच्चाई को देखना जरूरी हो गया है।

यह चोरी सिर्फ नोटों की गड्डियों की नहीं है, यह असल में हम इंसानों के भरोसे और हमारी भक्ति की चोरी है। हम अक्सर बड़े चाव से गाते और सुनते हैं कि राम जी की मर्जी के बिना इस दुनिया में एक पत्ता भी नहीं हिलता, लेकिन हैरानी की बात है कि मंदिर के भीतर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों के कड़े पहरे में, भारी सुरक्षा तंत्र के बीच, करोड़ों रुपये हिल गए, गायब हो गए और वहां मौजूद जिम्मेदार लोगों को भनक तक नहीं लगी। सबसे बड़ा दुर्भाग्य तो उन लोगों पर है जो चौबीसों घंटे राम नाम की माला जपते हैं, दूसरों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हैं, पर मौका मिलते ही इस घिनौने खेल में शामिल हो जाते हैं।

जांच में पता चला है कि दान की रकम गिनने वाले कुछ सेवादारों के घरों से लाखों का कैश बरामद हुआ है। जो कर्मचारी कुछ महीने पहले तक बीस-पच्चीस हजार की मामूली नौकरी पर आए थे, वे आज करोड़ों की जमीनों के सौदे कर रहे हैं। इसे ही शायद कलयुग का राम नाम जपना, पराया माल अपना वाला चमत्कार कहते हैं। त्रिलोक के स्वामी की आंखों के सामने ऐसा दुस्साहस करने वालों को भगवान का जरा भी डर नहीं रहा। टीवी चैनलों पर चिल्ला-चिल्लाकर बहसें हो रही हैं कि चोर कौन है? लेकिन कोई यह नहीं पूछ रहा कि जिस पावन मंदिर के नाम पर देश के आम नागरिकों की भावनाओं को जोड़ा गया, वहां पैसे गिनने वाले हाथ इतने अपवित्र कैसे हो गए? क्या उन्हें इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं था कि वे भगवान के घर में ही सेंध लगा रहे हैं? यह पूरी घटना हमारे समाज के उस पाखंड का सजीव आईना है, जहां हम पत्थरों की भव्यता और सोने की चमक में इतने अंधे हो चुके हैं कि धर्म के नाम पर चलने वाली दुकानों को देखना ही नहीं चाहते। हम वीआईपी पास लेकर गर्व से दर्शन तो करते हैं, लेकिन व्यवस्था के भीतर पनप रहे इस सड़ांध पर आंखें मूंद लेते हैं।अब एसआईटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, कुछ मोहरे पकड़े जाएंगे

और जेल जाएंगे। लेकिन इस चोरी ने हर उस गरीब और सच्चे भक्त का दिल छलनी कर दिया है, जिसने भूखे पेट रहकर भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक रुपया रामलला के चरणों में अर्पित किया था। राम जी तो घट-घट वासी हैं, वे सब देख रहे हैं। वे शायद मन ही मन मुस्कुराते हुए सोच रहे होंगे कि यह इंसान भी कितना अजीब जीव है; मेरे ही नाम पर आलीशान महल बनाता है, पूरी दुनिया से चंदा मांगता है, और फिर मौका मिलते ही मेरी ही जेब काट लेता है।

महाराणा प्रताप जयंती - वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के अमर प्रतीक

कांतिलाल मांडोत

भारत के इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने अपने साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया। ऐसे ही महान योद्धाओं में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ के शासक ही नहीं थे, बल्कि वे भारतीय स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अदम्य साहस के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि, संस्कृति और सम्मान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। यही कारण है कि सदियों बाद भी उनका नाम करोड़ों भारतीयों के हृदय में श्रद्धा और गौरव के साथ लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। वे मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के महान शासक थे। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय और माता जयवंता बाई थीं। बचपन से ही प्रताप में वीरता, नेतृत्व क्षमता और स्वाभिमान के गुण दिखाई देने लगे थे। कहा जाता है कि उन्होंने अपनी माता से ही साहस, शौर्य और युद्धकला की प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। आगे चलकर यही गुण उन्हें भारतीय इतिहास के सबसे महान योद्धाओं में शामिल करने वाले बने।

महाराणा प्रताप की जयंती को लेकर देशभर में विशेष उत्साह रहता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार उनका जन्म 9 मई 1540 को हुआ था, इसलिए अनेक स्थानों पर इसी दिन जयंती समारोह आयोजित किए जाते हैं। वहीं मेवाड़ क्षेत्र में सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार उनकी जयंती हिन्दू पंचांग की ज्येष्ठ शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है। वर्ष 2026 में यह तिथि 17 जून को पड़ रही है। मेवाड़ के लोगों के लिए यह केवल एक जयंती नहीं बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति का उत्सव है।

महाराणा प्रताप का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। जब वे मेवाड़ के शासक बने, उस समय मुगल सम्राट अकबर अपनी सत्ता का विस्तार कर रहा था। अधिकांश राजपूत राजाओं ने अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी, लेकिन महाराणा प्रताप ने अपने स्वाभिमान और स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया। अकबर ने कई बार दूत भेजकर उन्हें अपनी अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव दिया, किंतु प्रताप ने हर बार उसे अस्वीकार कर दिया। उनका मानना था कि मातृभूमि की स्वतंत्रता किसी भी कीमत पर नहीं बेची जा सकती।

महाराणा प्रताप और अकबर के बीच संघर्ष का सबसे प्रसिद्ध अध्याय हल्दीघाटी का युद्ध है। 18 जून 1576 को राजस्थान के गोगुंदा के समीप हल्दीघाटी में यह ऐतिहासिक युद्ध लड़ा गया। महाराणा प्रताप के पास सीमित संसाधन और अपेक्षाकृत छोटी सेना थी, जबकि मुगल सेना संख्या और साधनों में कहीं अधिक शक्तिशाली थी। इसके बावजूद प्रताप और उनके सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। इस युद्ध में भील समुदाय ने भी महाराणा का पूरा साथ दिया। युद्ध कई घंटों तक चला और रणभूमि वीरता की असंख्य गाथाओं की साक्षी बनी।

हल्दीघाटी के युद्ध का कोई निर्णायक परिणाम नहीं निकला, लेकिन इस युद्ध ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए लड़ी जाने वाली लड़ाई केवल संख्या या संसाधनों के आधार पर नहीं जीती जाती। महाराणा प्रताप घायल होने के बावजूद जीवित बचे और संघर्ष जारी रखा। उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी इस युद्ध में अपनी अद्भुत स्वामीभक्ति के कारण अमर हो गया। चेतक ने गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी अपने स्वामी को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया और फिर वीरगति को प्राप्त हुआ। आज भी चेतक का नाम निष्ठा और समर्पण के प्रतीक के रूप में लिया जाता है।

हल्दीघाटी के युद्ध के बाद महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी। उन्होंने अरावली की पहाड़ियों, जंगलों और दुर्गम क्षेत्रों में रहकर संघर्ष जारी रखा। कई बार उन्हें और उनके परिवार को अत्यंत कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। भोजन के अभाव में घास की रोटियां तक खानी पड़ीं, लेकिन उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करता।

महाराणा प्रताप की सबसे बड़ी विशेषता उनका अटूट आत्मसम्मान था। उन्होंने जीवनभर स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व दिया। वे जानते थे कि संघर्ष कठिन है, फिर भी उन्होंने अपने लोगों और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए हर चुनौती स्वीकार की। यही कारण है कि उनका नाम भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता के अग्रदूतों में लिया जाता है।

महाराणा प्रताप का राजतिलक उदयपुर के निकट गोगुंदा में हुआ था। यह स्थान आज भी राजतिलक स्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इतिहास और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए यह स्थल अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर यहां विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु और इतिहास प्रेमी बड़ी संख्या में पहुंचकर महान योद्धा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

हल्दीघाटी के समीप स्थित यह क्षेत्र आज भी महाराणा प्रताप की गौरवगाथा को जीवंत बनाए हुए है। उदयपुर से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित राजतिलक स्थली पर हर वर्ष कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वीर रस की प्रस्तुतियां और ऐतिहासिक संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के आदर्शों से परिचित कराना और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत बनाना है।

वर्ष 2026 में भी महाराणा प्रताप जयंती को लेकर देशभर में अनेक आयोजन प्रस्तावित हैं। उदयपुर में सात दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें भव्य शोभायात्रा, अश्व पूजन, महाआरती, वीर शहीदों का स्मरण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल हैं। मोतीमगरी स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पर विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम होंगे। वहीं विभिन्न राज्यों और शहरों में भी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, संगोष्ठियां और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर स्थापित उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों का स्मरण किया जाएगा। यह दर्शाता है कि महाराणा प्रताप केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश की प्रेरणा हैं।

महाराणा प्रताप का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि मन में साहस, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम हो तो किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। उन्होंने दिखाया कि सच्ची विजय केवल युद्धभूमि में नहीं, बल्कि अपने सिद्धांतों और मूल्यों पर अडिग रहने में होती है। उनका संघर्ष, त्याग और राष्ट्रनिष्ठा आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करती है।

आज जब हम महाराणा प्रताप जयंती मनाते हैं, तब यह केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेने का भी अवसर है। वीरता, स्वाभिमान, कर्तव्यनिष्ठा और मातृभूमि के प्रति समर्पण जैसे गुण ही महाराणा प्रताप की वास्तविक विरासत हैं। आने वाली पीढ़ियों तक इस विरासत को पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के उस उज्ज्वल नक्षत्र हैं जिनकी आभा कभी मंद नहीं पड़ सकती। उनका जीवन संघर्षों के बीच भी अडिग रहने, अपने सिद्धांतों के लिए जीने और राष्ट्र के सम्मान के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि वे आज भी जन-जन के हृदय में अमर हैं और सदैव रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग में 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई बच्ची की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस फायरिंग में 9 साल की ऑस्ट्रेलियाई-पाकिस्तानी बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने परिवार की कार को लुटेरों का वाहन समझकर उस पर गोलियां बरसा दीं। घटना में बच्ची के पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना 10 जून को चकवाल जिले में हुई। पुलिस के अनुसार, अदील अहमद अपनी पत्नी, 9 वर्षीय बेटी हानिया और 10 वर्षीय बेटे आफान के साथ कार से रिश्तेदार के घर जा रहे थे। रास्ते में बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद अदील ने पुलिस हेल्पलाइन पर कॉल किया। सूचना मिलने पर क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उसने परिवार की कार को ही संदिग्ध मान लिया और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों से छलनी हुई कार में बैठी हानिया की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसके पिता और भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। मां सुरक्षित हैं। पुलिस ने मामले में फायरिंग करने वाले एक सीसीडी अधिकारी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

लंदन में 26 साल के भारतीय युवक की चाकू मारकर हत्या; 7 लोगों को हिरासत में लिया गया

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में 26 साल के भारतीय मूल के युवक गुरभेज सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मौके से 20 से 30 साल की उम्र के 7 लोगों को हत्या के शक में हिरासत में लिया था। जांच के बाद 6 लोगों को छोड़ दिया गया, जबकि एक व्यक्ति को जमानत पर रिहा किया गया है। उससे आगे भी पूछताछ की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, गुरभेज सिंह पर करीब रात 12 :30 बजे हमला हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस और एम्बुलेंस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बच सकी। घटना में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हुआ था। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के बाद अब वह खतरे से बाहत है। पुलिस ने बताया कि गुरभेज सिंह के परिवार को सहायता दी जा रही है और हमले की पूरी वजह जानने के लिए जांच जारी है।

रेयर अर्थ की तलाश में ग्रीनलैंड पहुंचेगा जापान का दल

टोक्यो, एजेंसी। जापान इस गर्मी में ग्रीनलैंड में रेयर अर्थ खनिजों के संभावित खनन का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की तैयारी कर रहा है। निक्केई की रिपोर्ट के मुताबिक, दल में सरकारी अधिकारी, ट्रेडिंग कंपनियों के प्रतिनिधि और ऊर्जा-सुरक्षा एजेंसी के सदस्य शामिल होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यह दल ग्रीनलैंड के स्थानीय सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक कर खनन संभावनाओं का आकलन करेगा। ग्रीनलैंड लंबे समय से अपने संभावित रेयर अर्थ भंडारों के कारण वैश्विक शक्तियों की रुचि का केंद्र रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, पवन ऊर्जा उपकरणों, सेमीकंडक्टर और रक्षा क्षेत्र में इन खनिजों की बढ़ती जरूरत के चलते दुनिया भर में इनके नए स्रोत तलाशे जा रहे हैं। ग्रीनलैंड की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और संभावित खनिज संपदा इसे वैश्विक शक्तियों के लिए महत्वपूर्ण बनाती है।

ट्रम्प के जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में यूएफसी फाइट:अब तक का सबसे महंगा मुकाबला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार को व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में यूएफसी मुकाबलों के साथ अपना 80वां जन्मदिन मना रहे हैं। यूएफसी ने इस आयोजन पर करीब 6 करोड़ डॉलर (567 करोड़ भारतीय रुपए) खर्च किए हैं। इस वजह से ये अब तक का सबसे महंगा यूएफसी आयोजन माना जा रहा है। इस फाइट कार्ड में कुल 7 मुकाबले होने हैं। अब तक 5 मुकाबले हो चुके हैं। मेन फाइट लाइटवेट चैंपियन इलिया टोपुरिया और अंतरिम चैंपियन जस्टिन गेथजे के बीच होनी है। मुकाबले देखने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनकी सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, खास मेहमान और हजारों सैन्यकर्मी मौजूद हैं। पहले मुकाबले में बो निकल ने पहले ही राउंड में काइल डाउकस को नॉकआउट कर दिया। उन्होंने एक जोरदार लेफ्ट हुक और राइट पंच से प्रतिद्वंद्वी को गिराया, जिसके बाद रेफरी ने मुकाबला रोक दिया। जीत के तुरंत बाद बो निकल रिंग से बाहर आए और सीधे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास पहुंचे। दोनों ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की। इस इवेंट में करीब 4300 लोग मौजूद हैं। दूसरी तरफ, 85 हजार लोगों के लिए अलग फैन जोन बनाया गया है। अमेरिका के कई अधिकारियों और खुद ट्रम्प ने आयोजन की तारीफ की है। ट्रम्प ने इसे 'धरती का सबसे बड़ा शो' बताया और 'क्लॉ' की तुलना पेरिस के एफिल टॉवर से की। वहीं विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने स्रष्ट को अमेरिका की सॉफ्ट डिप्लोमैटिक पावर बताया ।इस इवेंट में कुल 14 फाइटर हिस्सा लेंगे।

उड़ान भरते ही क्रैश हुआ स्काईडाइविंग विमान

अमेरिका के मिसौरी में बड़ा हादसा , पायलट समेत 12 की मौत

मिसौरी , एजेंसी। अमेरिका के मिसौरी राज्य से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। रविवार की सुबह एक स्काईडाइविंग विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद अनियंत्रित होकर जमीन पर आ गिरा। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार पायलट और 11 स्काईडाइवर्स सहित कुल 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है।

राहत और बचाव कार्य

विमान के क्रैश होने की सूचना मिलते ही मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल और बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव दल ने मलबे से शवों को निकालने का काम शुरू किया, लेकिन विमान की टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को बचाने का अवसर नहीं मिला। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से इस घटना की आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि हादसे में 12 लोगों की जान गई है।

कैसे हुआ हादसा ?

यह दुखद घटना मिसौरी के बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट पर हुई। स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह लगभग 11:34 बजे, एक पैसिफिक एयरोस्पेस पी 750 विमान ने रनवे से उड़ान भरी थी। लोगों और शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, टेक-ऑफ के तुरंत बाद ही विमान में कुछ तकनीकी खराबी नजर आने लगी और वह हवाई अड्डे के पास ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह स्थान कैनसस सिटी से लगभग 60 मील दक्षिण में स्थित बटलर शहर के पास है।

आखिर कैसे हुआ हादसा

विमान का संचालन स्काइडाइव कैनसस सिटी नामक कंपनी कर रही थी। बेट्स काउंटी आपदा प्रबंधन एजेंसी के निदेशक और कार्यवाहक हवाईअड्डा प्रबंधक डेनिस जैकब्स ने बताया कि विमान ने उड़ान भरने के तुरंत बाद बाईं ओर मोड़ लिया था। उनके मुताबिक ऐसा प्रतीत होता है कि विमान की शक्ति अचानक कम हो गई थी और पायलट उसे सुरक्षित उतारने की कोशिश कर रहा था। हालांकि विमान नियंत्रण खो बैठा, नीचे की ओर तेजी से गिरा और जमीन से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया। जैकब्स ने यह भी कहा कि हादसे के बाद उड़ान मार्ग के नीचे पूरे क्षेत्र की तलाशी ली गई, लेकिन ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि किसी यात्री ने दुर्घटना से पहले विमान से छलांग लगाई हो।

दुर्घटनाग्रस्त विमान पैसिफिक एयरोस्पेस 750 एक्सएल मॉडल का सिंगल-इंजन टर्बोप्रॉप विमान था, जिसका उपयोग स्काइडाइविंग के अलावा माल ढुलाई, हवाई सर्वेक्षण और मेडिकल इवैक्यूएशन जैसी सेवाओं में भी किया जाता है।

यह विमान अधिकतम 17 स्काइडाइवरों को ले जाने में सक्षम माना जाता है और छोटी रनवे से भी उड़ान भर सकता है। संघीय विमानन प्रशासन के रिकॉर्ड के अनुसार यह विमान वर्ष 2010 में निर्मित किया गया था। हादसे की जांच के लिए अमेरिका का राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड और एफएए की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

मृतकों की पहचान और आधिकारिक पुष्टि

बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट के प्रवक्ता ने स्थानीय मीडिया आउटलेट एफओएक्स4 से बात करते हुए पीड़ितों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान में कुल 12 लोग सवार थे। इनमें से 11 लोग स्काईडाइविंग के शौकीन थे, जो अपने साप्ताहिक साहसिक खेल के लिए एकत्रित हुए थे, जबकि एक विमान का मुख्य पायलट था। दुर्घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसे एक बड़ी मानवीय क्षति माना जा रहा है।

जांच के घेरे में तकनीकी कारण

अमेरिकी विमानन नियामक संघीय उड्डयन प्रशासन और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने इस मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। एफएए की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, विमान ने जैसे ही प्रस्थान किया, वह कुछ ही दूरी पर क्रैश हो गया। अब एनटीएसबी ने जांच की पूरी कमान संभाल ली है। विशेषज्ञ इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या विमान में कोई यांत्रिक खराबी थी या यह मानवीय त्रुटि का परिणाम था। आने वाले दिनों में जांच रिपोर्ट के आधार पर हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा।

अमेरिका ने जहाज पर हमले से पहले 60 बार दी थी चेतावनी, अटैक में तीन भारतीयों की गई थी जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में पालाऊ के झंडे वाले जहाज पर हमले से पहले कथित तौर पर लगभग 60 मौखिक चेतावनियां दी थीं। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी एपी ने बताया कि चेतावनियों के बाद कम-से-कम आठ बार जहाज को शक्ति प्रदर्शन के जरिए भी आगाह किया गया था। इसके बावजूद भी जब जहाज ने अमेरिकी निर्देशों की अनदेखी की, तो उस पर हमला किया गया। इस हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। जिसे लेकर भारत ने अमेरिका के सामने नाराजगी भी जाहिर की थी।

हमले के सप्ताहभर बाद एपी ने अपनी एक रिपोर्ट में अमेरिकी सूत्रों के हवाले से बताया है कि पलाऊ के झंडे वाले इस शेडो फ्लीट टैंकर पर मिसाइल दागने से पहले अमेरिकी सेना ने 60 से ज्यादा मौखिक चेतावनियां दी थीं। अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी सेना पिछले दो हफ्तों से लगातार इस संदिग्ध जहाज को चेतावनी भेज रही थी। जहाज का पता चलते ही 9 जून की रात को अमेरिकी सैन्य विमानों ने इसे निशाने पर लिया।

अमेरिका का कहना है कि यह जहाज ईरान के शेडो फ्लीट का हिस्सा था, जो प्रतिबंधों को चकमा देकर अवैध रूप से ईरानी कच्चे तेल की तस्करी कर रहा था। अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत में जहाज को रोकने के लिए वार्निंग दी गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी विमानों ने पहले कुछ वार्निंग फायरिंग की। फिर हमला करने से ठीक 15 मिनट पहले क्रू को इंजन रूम खाली करने की चेतावनी दी। जब जहाज फिर भी नहीं रुका, तब अमेरिकी विमान से सीधे जहाज के इंजन रूम को निशाना बनाया। सेंटकॉमने यह भी कहा है कि नाकेबंदी लागू हुए 60 से ज्यादा दिन हो गए थे और यह बात होनी चाहिए थी कि अमेरिका इसे सख्ती से लागू कर रहा है।

बेरूत पर इजरायली हमले से भड़के ट्रंप, कहा- सब कुछ बर्बाद मत करो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह लेबनान की राजधानी बेरूत पर हुए इजरायली हवाई हमले पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक आधिकारिक बयान जारी कर इस हमले को बेहद गैर-जरूरी बताया और चेतावनी दी कि यह कार्रवाई ईरान के साथ होने वाले ऐतिहासिक शांति समझौते में बाधा बन सकती है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयान में कहा, 'आज सुबह बेरूत पर हुआ हमला बिल्कुल नहीं होना चाहिए था, विशेष रूप से एक ऐसे खास दिन पर जब हम ईरान के साथ शांति समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं।' उन्होंने इजरायल के रक्षा के अधिकार का समर्थन तो किया, लेकिन साथ ही हमले के समय और कारण पर सवाल भी उठाए।

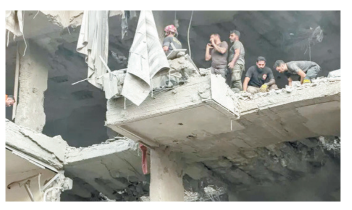

इजरायल द्वारा दी गई प्रतिक्रिया पर टिप्पणी करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'इजरायल को खतरों के खिलाफ अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है, लेकिन जिस हमले (हिजबुल्लाह द्वारा) का वह जवाब दे रहा था, वह बहुत छोटा और महत्वहीन था। उसमें किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ था, न ही कोई घायल हुआ या मारा गया था। ऐसे में इस हमले के कारण इतनी महत्वपूर्ण शांति प्रक्रिया में व्यवधान नहीं आना चाहिए था।'

ट्रंप ने क्षेत्र में तनाव कम करने की पुरजोर वकालत करते हुए लिखा, 'हम एक ऐसे समझौते के बेहद नजदीक हैं जो पूरे क्षेत्र में शांति लाएगा, जिसमें लेबनान भी शामिल है। इसलिए अब सभी पक्षों को तुरंत पीछे हट जाना चाहिए। इजरायल द्वारा लेबनान में कहीं भी और कोई हमला नहीं किया जाना चाहिए, और साथ ही हिजबुल्लाह सहित किसी भी अन्य पक्ष द्वारा इजरायल के खिलाफ कोई जवाबी हमला नहीं होना चाहिए।

रूस ने यूक्रेन पर फिर बरसाया कहर

धार्मिक स्थल में लगी आगबमबारी की चपेट में आए नागरिक ठिकाने, पांच की मौत

कीव , एजेंसी। पिछले तीन वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच सोमवार को रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें राजधानी कीव और खारकीव सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। इस हमले में खारकीव में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कीव में कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। हमले के दौरान कई रिहायशी इमारतों, बाजारों और नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा। सबसे गंभीर नुकसान यूक्रेन के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में से एक कीव-पेचेर्स्क लावरा को हुआ, जहां भीषण आग लग गई। यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस पर जानबूझकर नागरिक ठिकानों और सांस्कृतिक धरोहरों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लाइमेनको के अनुसार, खारकीव में रूसी हमले के बाद लगी आग को बुझाने पहुंचे बचावकर्मी दूसरे हमले की चपेट में आ गए। इस हमले में पांच बचावकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कम से कम पांच अन्य आपातकालीन कर्मी घायल हो गए। अधिकारियों का कहना है कि यह हमला ऐसे समय किया गया जब राहत और बचाव कार्य जारी था। यूक्रेनी प्रशासन ने इसे बेहद गंभीर और चिंताजनक घटना बताया है। वहीं राजधानी कीव में भी बैलिस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोन के जरिए कई हमले किए गए, जिसके बाद लोगों को भूमिगत शरणस्थलों में जाना पड़ा।

कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने दावा किया कि रूस ने जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले में 30 मिनट के भीतर पांच हमले हुए, जिनमें एक 25 मंजिला अपार्टमेंट भवन को भारी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा एक बाजार और किराना स्टोर में भी आग लग गई। ओबोलोंस्की जिले में नौ मंजिला आवासीय इमारत सीधे हमले की चपेट में आई। अधिकारियों के अनुसार, हमलों में एक बच्चे समेत 13 लोगों को चिकित्सकीय सहायता की जरूरत पड़ी। यूक्रेन का आरोप है कि इन हमलों का उद्देश्य नागरिकों में भय पैदा करना और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाना था।

रूसी हमले में कीव-पेचेर्स्क लावरा परिसर को भी भारी नुकसान पहुंचा। यह यूक्रेन के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण ईसाई धार्मिक स्थलों में से एक है। हमले के दौरान डॉर्मिशन कैथेड्रल की छत में आग लग गई। यूक्रेन के ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख मेट्रोपॉलिटन एपिफेनियस ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे मानवता, इतिहास और ईसाई धर्म के खिलाफ अपराध बताया। 11वीं से 19वीं शताब्दी के बीच विकसित यह परिसर यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

एडवेंचर कंपनी की लापरवाही ने ली जान

बिना रस्सी बांधे युवती को पुल से नीचे फेंका

साओ पाउलो , एजेंसी। ब्राजील में 21 साल की एक युवती के लिए एडवेंडचर के शौक ने उसकी जान ले ली। ब्राजील के साओ पाउलो में जो हुआ, उसे देख वहां मौजूद लोग सहम उठे। एक एडवेंचर कंपनी की रूह कंपा देने वाली लापरवाही की वजह से एक लड़की ने बिना बंजी कॉर्ड बंधे ही 35 मीटर की ऊंचाई से नीचे छलांग लगा दी। इस हादसे में उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

बता दें कि यह हादसा साओ पाउलो राज्य के लिमेइरा और कोर्डेइरोपोलिस शहरों को जोड़ने वाले ब्रिज 'पोंटे डो एस्केलेटो' पर हुआ है। ये पुल पिछले लगभग तीन दशकों से बंद पड़ा हुआ है।

हाल के दिनों में यह बंद पुल एडवेंचर के शौकीनों और पर्यटकों के लिए एक पसंदीदा जगह बन गया था। सबसे हैरानी की बात यह है कि इस जगह पर सरकार या किसी आधिकारिक संस्था की कोई निगरानी या फिर सुरक्षा रेगुलेशन नहीं लागू था।

वीडियो बनाने के चक्कर में मौत

स्थानीय मीडिया की मानें तो मृतका मारिया एडुआर्डा रोड्रिग्स डी फ्रीटास ने इस खतरनाक बंजी जंपिंग के लिए और सलाथ ही इस एडवेंचर का वीडियो शूट कराने के लिए 'एंट्रे कोर्डास' नाम की एक निजी कंपनी को लगभग 290 डॉलर, जो भारतीय रुपये में लगभग 24,500 है, दिया था।

एडवेंचर कंपनी की लापरवाही से जिस वीडियो को लड़की अपनी यादों में समेटना चाहती थी, वही उसकी जिंदगी का आखिरी वीडियो साबित हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि युवती से पहले तीन और लोगों ने वहां से बंजी जंपिंग की थी, जो सुरक्षित रहे।

इसके बाद जब इस लड़की की बारी आई, तो वहां मौजूद क्रू मेंबर्स की लापरवाही ने सुरक्षा नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि ये घोर लापरवाही का मामला है। क्रू मेंबर्स ने लड़की को धक्का देने या फिर कूदने का इशारा करने से पहले सुरक्षा जांच तक नहीं की।

हादसे के दौरान पुल पर मौजूद अन्य पर्यटकों ने जब इस पूरी घटना को अपने कैमरों में रिकॉर्ड किया, तो वहां का नजारारूह कंपा देना वाला था। जैसे ही युवती ने पुल से छलांग लगाई, वहां खड़े लोगों को तुरंत नजर आ गया कि उसके पैर या शरीर से कोई भी रस्सी जुड़ी हुई ही नहीं है।

हवा में टकराए दो हेलिकॉप्टर और बन गए आग का गोला, 6 लोगों की दर्दनाक मौत

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के पश्चिमी रियो डी जनेरियो में रविवार को दो हेलीकॉप्टरों की हवा में टकराकर गिर गए। इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। टकराकरक गिरने के बाद दोनों हेलिकॉप्टर में भीषण आग लग गई और जमीन पर खड़ी कई गाड़ियां भी जल गई। ये हादसा शहर के पश्चिमी हिस्से में स्थित घनी आबादी वाले उपनगर रेक्रेयो डॉस बांदेइरांतेस में हुई। अधिकारियों ने बताया कि उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए और फिर जमीन पर गिर पड़े, जिससे भीषण आग लग गई।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, रविवार सुबह रियो डी जनेरियो के आसमान में दो हेलिकॉप्टरों की आपस में टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर शहर के पश्चिमी हिस्से में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। फायरफाइटर्स के अनुसार, हादसे में हेलिकॉप्टरों में सवार सभी छह लोगों की जान चली गई।

रियो डी जनेरियो के मिलिट्री फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टरों में से एक एक कार डीलरशिप पर गिरा, जहां कई इलेक्ट्रिक वाहन खड़े थे। हेलिकॉप्टर के गिरने से वहां आग भड़क उठी, जिसे बाद में दमकलकर्मियों ने काबू कर लिया। अधिकारियों ने कहा कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

100 मीटर तक फैला मलबा

टक्कर इतनी भीषण थी कि हेलिकॉप्टरों के मलबे के हिस्से दूर-दूर तक जा गिरे। धड़ के टुकड़े लगभग 100 मीटर के दायरे में बिखर गए। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा पास स्थित एक इमारत की छत पर मिला। दोनों हेलिकॉप्टर प्रभावित कैंपस के भीतर अलग-अलग स्थानों पर दुर्घटनाग्रस्त हुए।इस बड़े हादसे से निपटने के लिए करीब 45 सैन्यकर्मियों और 15 सहायता वाहनों को मौके पर भेजा गया। राहत एवं सुरक्षा कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए दुर्घटनास्थल के पास एवेनिडा दास अमेरिका की सर्विस लेन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

अमेरिका-ईरान समझौते के 14 सूत्र आए सामने , स्थायी युद्धविराम

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच घोषित हुए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। ईरान के सरकारी मीडिया ने इस गुप्त समझौते के सभी 14 मुख्य बिंदुओं (शर्तों) की जानकारी होने का दावा किया है। हालांकि, इस पर दोनों देशों (अमेरिका और ईरान) की सरकारों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या बयान जारी नहीं किया गया है। ईरान की अर्द्ध सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर न्यूज़' के मुताबिक, इस प्रस्तावित समझौते में मध्य पूर्व में शांति बहाली से लेकर आर्थिक पुनर्निर्माण तक के कई कड़े बिंदु शामिल हैं। **ईरानी मीडिया द्वारा लीक किए गए ड्राफ्ट के अनुसार, समझौते के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:** स्थायी युद्धविरामः लेबनान समेत क्षेत्र के सभी सक्रिय मोर्चों पर पूर्ण और स्थायी युद्धविराम लागू किया जाएगा। आंतरिक मामलों में दखल नहीं: अमेरिका ने प्रतिबद्धता जताई है कि वह ईरान के अंदरूनी मामलों और संप्रभुता में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा।

सैन्य नाकेबंदी की समाप्तिः अमेरिका अगले 30 दिनों के भीतर ईरान पर लगाई गई अपनी सभी नौसैनिक नाकेबंदियों को पूरी तरह हटा लेगा।

अमेरिकी सैनिकों की वापसी: ईरानी क्षेत्र और उसके प्रभाव वाले इलाकों से अमेरिकी सैन्य बलों की वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

होर्मुज स्ट्रेट को खोलना: व्यापारिक दृष्टि से वैश्विक रीढ़ माने जाने वाले 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को 'ईरानी व्यवस्था' के तहत 30 दिनों के भीतर दोबारा यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

300 अरब डॉलर का पुनर्निर्माण फंड: अमेरिका और उसके सहयोगी देश युद्ध और तनाव से प्रभावित हुए ईरान के पुनर्निर्माण के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर (लगभग 25 लाख करोड़ रुपए) की आर्थिक योजनाएं शुरू करेंगे।

ऊर्जा प्रतिबंधों का खात्मा: ईरानी कच्चे तेल, गैस और अन्य ऊर्जा उत्पादों के वैश्विक व्यापार पर लगे सभी कड़े प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाएगा।

परमाणु हथियारों पर रोक: ईरान वैश्विक मंच पर परमाणु हथियार न बनाने की अपनी पुरानी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराएगा।

सैन्य उपस्थिति पर रोक: अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी मौजूदा सैन्य उपस्थिति को और अधिक नहीं बढ़ाएगा।

नए प्रतिबंधों पर रोक : भविष्य में ईरान के खिलाफ अमेरिका या उसके सहयोगियों द्वारा कोई भी नया आर्थिक या सैन्य प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

अधिकारी के अनुसार एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद अगले 60 दिनों के भीतर दोनों पक्ष अंतिम व्यापक समझौते पर बातचीत करेंगे। मसौदे के तहत ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगाया गया अपना सैन्य अवरोध तत्काल हटाएगा और सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए मार्ग फिर से खोल देगा। इसके बदले अमेरिका भी ईरानी बंदरगाहों पर लागू अपनी नौसैनिक नाकेबंदी समाप्त करेगा। अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ईरान की 24 अरब डॉलर की जब्त की हुई संपत्ति किस्तों में जारी करने पर सहमत हुआ है। इसमें प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण, क्षेत्रीय देशों के सहयोग और वित्तीय क्रेडिट लाइन जैसे विकल्प शामिल होंगे।

हल्दी 'स्वास्थ्य में सोना' बरसाए

- हल्दी का मुख्य घटक 'करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है
- करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर 'प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है
- करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया

नई दिल्ली। आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में चमत्कारी औषधि के ''खिताब' से नवाजी गई हल्दी वैज्ञानिकों की भी पसंद बन गई है और उन्होंने अपने शोध में कैंसर, दिल की बीमारी, डिमेंशिया, गठिया एवं सोरायसिस समेत कई बीमारियों की रोकथाम में भारतीय मसालों की इस ''सरताज' को कारगर पाया है।

कैंसर व दिल की बीमारी में भी कारगर : राष्ट्रपति के निजी चिकित्सक पद्मश्री प्रोफसर (डॉ.) मोहसिन वली ने बृस्पतिवार को कहा कि हल्दी का लोहा अब वैज्ञानिक भी मान रहे हैं। रंग में ही नहीं गुणों में भी ''सोना' हल्दी को सर्दी-जुकाम से लेकर कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों से लड़ने में सक्षम पाया गया है।

हल्दी ''प्लाक' नहीं जमने देती : हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. मोहसिन वली ने कहा वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि हल्दी का मुख्य घटक ''करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है बल्कि वह हमारे दिल का सबसे अच्छा दोस्त भी है। करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर ''प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है। क्लॉट बनने से हृद्याघात का गंभीर खतरा हो जाता है। इसके अलावा प्लाक नसों को संकरा बना देता है जिससे खून का प्रवाह बाधित होने लगाता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करे: हल्दी का उचित मात्रा में सेवन करने से हल्दी का यह पीला घटक खराब कोलेस्ट्रॉल को 56 फीसदी तक घटाकर कोलेस्ट्रॉल ऑक्सिडेशन को कम करता है। यह हमारे खून के सीरम ट्राइग्लिसराइड्स स्तर को भी 27 फीसद तक कम करता है। कुल मिलकर यह टोटल कोलेस्ट्रॉल को भी 33.8 फीसद कम करके दिल को मजबूती से धड़कने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें एंटी-इन्फ्लैमटोरी और एंटी-ऑक्सिडेंट गुण भी हैं।

कैंसर और करक्यूमिन का 36 का आंकड़ा है : करक्यूमिन तेजी से बढ़ते कैंसर की कोशिकाओं पर लगाम लगाता है। हल्दी परविदेशों में भी लगातार शोध हो रहे हैं। ब्रिटेन के ''कॉर्क कैंसर रिसर्च सेंटर' में किए गए परीक्षण में करक्यूमिन का प्रयोग में गले की कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में बेहद कारगर पाया गया। डॉ. शैरन मैक्केना और उनकी टीम के अनुसार करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया।

सोरायसिस में कारगर : अमेरिका और ईरान में भी हल्दी पर नए शोध हुए हैं जिसमें करक्यूमिन को सोरायसिस की बीमारी में कारगर पाया गया है। इस संबंध में ''अमेरिकन एकेडमी ऑफ डरमाटोलोजी' और ईरान की फार्मास्यूटीकल रिसर्च पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित हुआ है।

प्रतिदिन हल्दी खाएं : खाने में पांच ग्राम हल्दी रोज आवश्यक है। दूध में उबालकर लेने से इसका बेहतर नतीजा मिलता है। कच्ची हल्दी का रस त्वचा पर लगाने और उसका सेवन करने से सोरायसिस की बीमारी में भी बहुत लाभ मिलता है। यह ऊर्जा देने के साथ खून को साफ रखती है।

गठिया में कारगर : हर बीमारी की शुरुआत इन्फ्लैमेशन से ही होती है और कई तरह के ''धारधार हथियारों से लैस' हल्दी ऐसे दुश्मनों को तो पहले ही पटकनी दे देती है। यह हमारे शरीर से फ्री रेडिकल्स को निकाल बाहर करती है। फ्री रैडिकल्स शरीर के जोड़ों पर सूजन पैदा करते हैं जिससे हमें असहनीय दर्द होता है और कालांतर में जोड़ों को बेहद नुकसान भी पहुंचता है। यह गठिया की बीमारी में भी कारगर है।

दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूढ़ें : भोपाल में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति पीयूष द्विवेदी बताया कि हमने अपने पिछले शोध में हल्दी से दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूढ़ें हैं जो बिना किसी दुष्प्रभाव के कैंसर की कोशिकाओं को तेजी से मारने में सक्षम होगें। सीटीआर-17 और सीटीआर-20 मॉलिक्यूल विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में कारगर साबित हो सकते हैं। हल्दी एंटीसेप्टिक और हीलिंग प्रोपट्रीज पर 12 से अधिक सालों के शोध के बाद इन दो मॉलिक्यूल की खोज हो पाई है। शोध एडवांस स्टेज में है और पूरा होने पर कैंसर के खिलाफ बेहद कारगर हथियार साबित हो सकता है।

अवसाद पीड़ित अधिकतर लोगों का नहीं हो पाता है बेहतर इलाज

विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है, गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है

गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है

लंदन। दुनिया भर में अवसाद से ग्रस्त लगभग लगभग 35 करोड़ लोगों को न्यूनतम उपचार भी प्राप्त नहीं हो पाता है। ''विश्व स्वास्थ्य संगठन' द्वारा 21 देशों के 50,000 लोगों पर करवाए गए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं वाले विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है। गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है। अध्ययन के अनुसार गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है। शोध की अगुवाई कर रहे ''किंग्स कॉलेज',लंदन के प्रोफेसर ग्राहम थोरनीक्रोफ्ट ने बताया, अवसाद से ग्रस्त अधिकतर लोगों का इलाज बहुत कम हो पाता है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से आह्वान किया कि मानसिक स्वास्थ्य सेवा में बढ़ोतरी के लिए संसाधन और उपाय बढ़ाने चाहिए ताकि अवसाद से ग्रस्त सभी लोगों का बेहतर इलाज हो सके। ''विश्व स्वास्थ्य संगठन' के अनुसार दुनिया भर में सभी उम्र के लगभग 35 करोड़ लोग अवसाद से ग्रस्त हैं जिससे दुनिया भर में कार्य हीनता की स्थिति बढ़ रही है। अध्ययन में सामने आया है कि हालांकि इस बात को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ रही है कि अवसाद का इलाज हो सकता है और मनोवैज्ञानिक उपचारों और ध्यान लगाकर इसका उपचार किया जा सकता है। यह शोध बृहस्पतिवार को ''ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकिएट्री' में प्रकाशित हुआ है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, क्षुब्धता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. ऊपर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता.

आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत्त हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)- जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

काकुरो पहेली - 4087

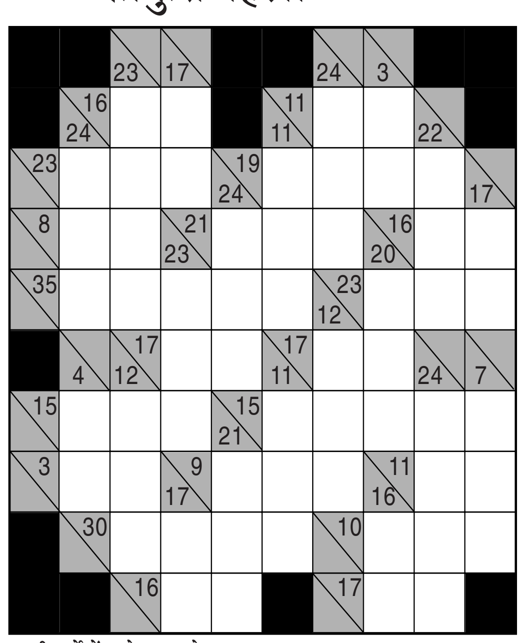

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

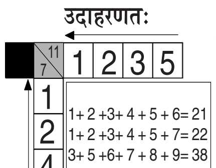

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -4086 का हल

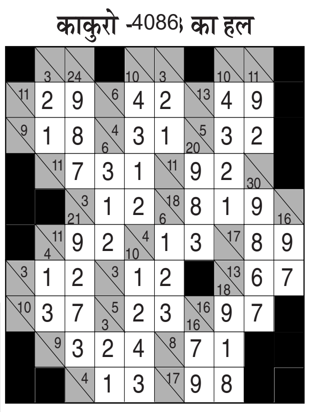

फिल्म वर्ग पहेली-4087

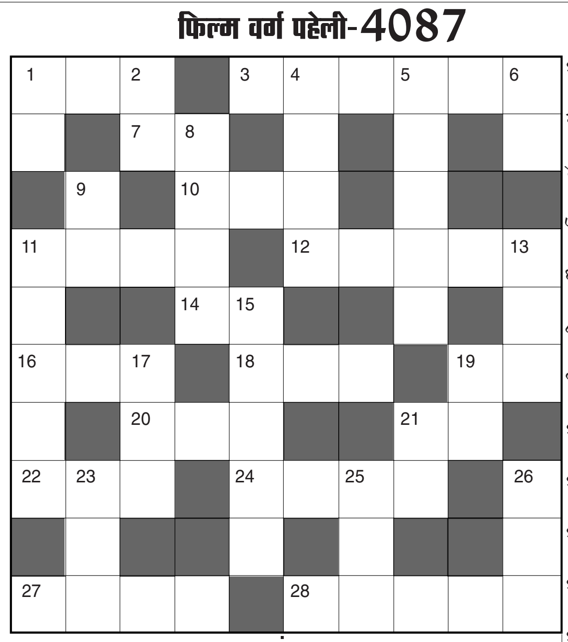

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4086

सूडोकु -4087

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4086 हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली -4087

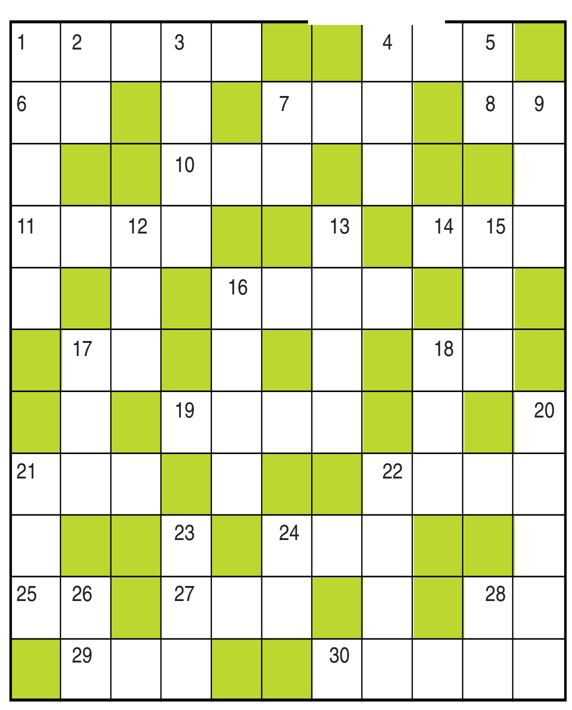

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवतः-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली 4086 का हल

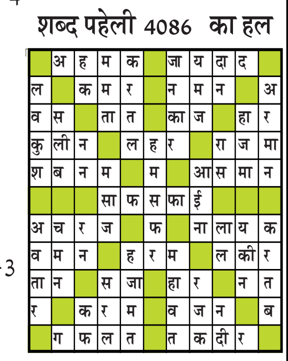

मध्य प्रदेश में साइबर सिक्योरिटी रिसर्च सेंटर की होगी स्थापना, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की घोषणा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने साइबर अपराध और डेटा सुरक्षा की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए राज्य में साइबर सिक्योरिटी रिसर्च सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि महू स्थित मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से यह रिसर्च सेंटर स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क को सुदृढ़ बनाने विषय पर भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह सेंटर केंद्रीय साइबर सुरक्षा, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के लिये महत्वपूर्ण आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अटैक की समय पर पहचान और निगरानी में आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था से लैस सेंटर की महती भूमिका होगी। यह व्यवस्था केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि पूर्वानुमान आधारित निरंतर सतर्कता की दिशा में ठोस कदम साबित होगी। डॉ. यादव ने कहा कि आज की सबसे मूल्यवान संपत्ति डेटा है। डिजिटल सुरक्षा समय की मांग है। डेटा की सुरक्षा, राष्ट्र की सीमा की सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में न केवल देश अपितु पूरी दुनिया में साइबर तकनीक और उससे जुड़ी चुनौतियों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। हर दिन इसके नए आयाम सामने आ रहे हैं। अपराध के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में केरल के व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या मामले में वेणुगोपाल ने अमित शाह से की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में केरल के एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना को दुखद और चिंताजनक बताया है। पार्टी महासचिव संगठन एवं लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से तत्काल हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। वेणुगोपाल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि किसी भी परिस्थिति में कानून-व्यवस्था इतनी बिगड़नी नहीं चाहिए कि भीड़ कानून अपने हाथ में ले ले। उन्होंने इस संवेदनशील मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि पीड़ित को शीघ्र न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में भीड़तंत्र को बढ़ावा न मिले। कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है।

निर्माण कार्य ऐसा हो कि यात्रियों को कोई परेशानी न हो : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश के व्यस्त रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा है कि निर्माण कार्य इस तरह किया जाए कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और ट्रेन संचालन भी प्रभावित न हो। टिक के मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों पर चर्चा हुई। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी बैठक में मौजूद रहे। रेल मंत्री ने कहा कि बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए स्टेशनों पर अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, चौड़े फुट ओवरब्रिज (एफओबी), नए प्रवेश और निकास द्वार, बेहतर यात्री आवागमन सुविधाएं तथा मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी विकसित की जानी चाहिए। वैष्णव ने अधिकारियों को योजना के बाद के चरण में सांसदों, विधानसभा सदस्यों, स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों, राज्य सरकारों और दूसरे हितधारकों के साथ बातचीत करने का भी निर्देश दिया। बोरीवली स्टेशन पर भीड़ कम करने के लिए पास के कांदिवली स्टेशन का भी समानांतर विकास किया जाएगा। योजना के तहत बोरीवली में एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, नए एस्केलेटर और लिफ्ट, बेहतर फुट ओवरब्रिज तथा पार्किंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी।अंबाला छावनी स्टेशन पर दो नए प्लेटफॉर्म, 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज, अतिरिक्त एस्केलेटर और लिफ्ट लगाए जाएंगे। वहीं मंगलुरु सेंट्रल स्टेशन पर भी दो नए प्लेटफॉर्म, छह मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज, बेहतर शेल्टर और अतिरिक्त एस्केलेटर-लिफ्ट की व्यवस्था की जाएगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, इन परियोजनाओं से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, भीड़भाड़ कम होगी और स्टेशनों की क्षमता बढ़ेगी। योजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों से भी सुझाव लिए जाएंगे।

ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी निदेशक रौशन आनंद ने खान सर पर लगाए गंभीर आरोप

पटना। राजधानी पटना स्थित ज्ञान बिंदु जीएस एकेडमी के निदेशक रौशन आनंद को जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद उन्होंने भिखना पहाड़ी स्थित अपने कोचिंग सेंटर पर छात्रों और मीडिया से बातचीत की और कहा कि वह 'सच्चे सनातनी हैं' तथा लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से अपनी लड़ाई लड़ेंगे। रौशन आनंद ने कहा कि उनकी परंपरा किसी भी प्रकार की हिंसा की शिक्षा नहीं देती और वह न्याय के लिए पूरी तरह कानूनी रास्ता अपनाएंगे। उन्होंने अपने भाई को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने फैजल खान उर्फ खान सर पर गंभीर आरोप लगाए। रौशन आनंद ने कहा कि आने वाले दिनों में वह एक-एक तथ्य सार्वजनिक करेंगे और उनके पास कई महत्वपूर्ण जानकारियां हैं, जिससे पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी। उन्होंने यह भी मांग की कि जांच एजेंसियां निष्पक्ष तरीके से काम करें और किसी भी दबाव में आए बिना मामले की गहराई से जांच करें।

मोदी सरकार के 12 वर्ष में विकास, विश्वास और गरीब कल्याण की नई इबारतः तरुण चुघ

एजेंसी

झांसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुघ ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर झांसी में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि यह अवधि केवल सरकार के कार्यकाल की नहीं बल्कि नए भारत के आत्मविश्वास, संकल्प और परिवर्तन की गाथा है। तरुण चुघ ने कहा कि वर्ष 2014 में भारत विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जबकि आज देश

चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने बताया कि देश में एयरपोर्ट की संख्या 74 से बढ़कर 164 से अधिक हो गई है। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 91 हजार किलोमीटर से बढ़कर 1.46 लाख किलोमीटर से अधिक हो चुकी है और प्रतिदिन 34 किलोमीटर हाईवे का निर्माण किया जा रहा है। मेट्रो नेटवर्क 248 किलोमीटर से बढ़कर 1095 किलोमीटर से अधिक हो गया है। रेलवे क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 99 प्रतिशत से अधिक ब्रॉडगेज रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण हो चुका है। देश में 160 से अधिक वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है तथा 1337 रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिकीकरण किया जा रहा है। झांसी और ललितपुर रेलवे स्टेशन भी इसी योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे हैं। गरीब कल्याण योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। 81 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है तथा जनधन खातों और डीबीटी के माध्यम से लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के मकान मिले हैं, जबकि जल जीवन मिशन से 16 करोड़ से अधिक घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया गया है।

मुंबई कस्टम्स की फ्यूल तस्करी करने वाले विदेशी जहाज़ और भारतीय बंकर बार्ज पर कार्रवाई

एजेंसी

मुंबई। मुंबई कस्टम्स की प्रिवेंटिव विंग ने मुंबई तट के पास फ्यूल की तस्करी और ट्रांसफर करने वाले रूस के झंडे वाले एक प्रतिबंधित जहाज़ और एक भारतीय बंकर बार्ज को रोका, जो कथित तौर पर उस विदेशी जहाज़ को 'वेरी लो सल्फर फ्यूल ऑयल' सप्लाई कर रहा था। इस मामले की छानबीन कस्टम टीम कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे कस्टम्स अधिकारी ने बताया कि जाली एक्सपोर्ट डॉक्यूमेंट्स के ज़रिए रूस के झंडे वाले जहाज़ 'एमटी अंगारा' को लगभग 200 टन 'वेरी लो सल्फर फ्यूल ऑयल' गैर-कानूनी तरीके से सप्लाई किया जा रहा था। इस विदेशी जहाज़ पर अभी अमेरिका, यूरोपीय संघ और यूनाइटेड किंगडम की ओर से कड़े प्रतिबंध लागू है। जांचकर्ताओं को पता चला कि फ्यूल सप्लाई का यह काम जाली 'इंडियन ऑयल' एक्सपोर्ट इनवॉइस का इस्तेमाल करके और ज़रूरी कस्टम्स प्रक्रियाओं (जैसे एक्सपोर्ट शिपिंग बिल फाइल करना) से बचकर किया जा रहा था। अधिकारियों का आरोप है कि लागू टैक्स और घरेलू ड्यूटी से बचने के लिए ये तरीके अपनाए गए थे। अधिकारियों के मुताबिक समुद्र के बीच फ्यूल ट्रांसफर में शामिल बार्ज का मालिक नवी मुंबई में एक शिपिंग कंपनी चलाता है और फ्यूल तस्करी नेटवर्क में कथित तौर पर शामिल होने के कारण पहले से ही जांच के दायरे में है। कस्टम्स अधिकारियों ने सीधे 'एमटी अंगारा' से बंकर डिलीवरी नोट और फ्यूल टेस्ट रिपोर्ट बरामद कीं। उनका कहना है कि इससे जहाज़ और गैर-कानूनी फ्यूल ट्रांसफर के बीच साफ संबंध साबित होता है।

देश में मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर में अभूतपूर्व तरक्की : डॉ. एल. मुरुगन

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने मुंबई में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश के मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर ने पिछले बारह सालों में अभूतपूर्व तरक्की की है। पिछले साल मुंबई में हुए वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) की वजह से इस सेक्टर की ग्रोथ महसूस की गई है । केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन आज मुंबई के रवींद्र नाट्य मंदिर में 19वें मुंबई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एमआईएफएफ) के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. मुरुगन ने कहा कि यह खुशी की बात है कि भारत की रचनात्मक राजधानी मुंबई में एमआईएफएफ जैसा प्रतिष्ठित महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। आज भारत दुनिया की नजरों में एक रचनात्मक महाशक्ति और एक भरोसेमंद कंटेंट प्रोडक्शन पार्टनर के रूप में उभरा है और उन्होंने कहा कि भारतीय कहानियों में दुनिया भर के दर्शकों को प्रेरित करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग ने 2023 में 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 2.78 ट्रिलियन रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया है, उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया ने पहली बार 1 ट्रिलियन रुपये से अधिक का राजस्व उत्पन्न किया है। 2028 तक इस सेक्टर के 3.3 ट्रिलियन रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, उन्होंने भरोसा जताया कि यह सालाना 7 परसेंट से ज़्यादा की दर से बढ़ता रहेगा । 2023 में देश में 1,900 से ज़्यादा फिल्में रिलीज़ हुईं और सिनेमा हॉल की कमाई में 16 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि टेलीविजन् अभी भी हर हफ़्ते लगभग 745 मिलियन दर्शकों तक पहुँचता है और ओटीटी और डिजिटल मीडिया की भूमिका भी तेज़ी से बढ़ रही है। राज्य मंत्री डॉ. मुरुगन ने कहा कि एमआईएफएफ के तहत आयोजित 'वेव्स डॉक्यूमेंट्री बाज़ार' डॉक्यूमेंट्री, प्रोड्यूसर और ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूटर के बीच एक कड़ी है। यह पहल डॉक्यूमेंट्री प्रोडक्शन के अलग-अलग स्टेज पर ज़रूरी गाइडेंस, मार्केट की जानकारी, डिस्ट्रीब्यूशन स्ट्रेटेजी और ग्लोबल मौके देती है।

उन्होंने कहा कि इससे भारतीय और इंटरनेशनल फिल्ममेकर को अपने आइडिया को ग्लोबल स्टेज पर ले जाने का मौका मिलता है। फेस्टिवल की तारीफ़ करते हुए, केंद्रीय फिल्म राज्य मंत्री डॉ. मुरुगन ने कहा कि एमआईएफएफ जैसे प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को दुनिया का एक लीडिंग क्रिएटिव हब बनाने के विजन् को सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि यह फेस्टिवल, जो डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म और एनिमेशन के फील्ड में इनोवेशन को बढ़ावा देता है।

भाजपा ने कांग्रेस पर सांप्रदायिक राजनीति करने का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस हिंदुओं के प्रति नफरत रखती है और मुस्लिमों का पक्ष लेती है।

भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अशोक गहलोत की बातों पर विश्वास किया जाए, तो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी आज जीवित होतीं तो हिंदुओं से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाने के लिए भाजपा पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश करतीं। यह बयान भाजपा के बारे में कम और कांग्रेस की राजनीतिक सोच को ज्यादा उजागर करती है। मालवीय ने कहा कि भारत में लोकतंत्र आज मजबूत है तो वह कांग्रेस की कथित अधिनायकवादी प्रवृत्तियों की वजह से है। राजनीतिक विरोधियों को चुप कराने, असहमति को दबाने और

सत्ता का उपयोग प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ करने की मानसिकता लंबे समय से कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा रही है। भारत की सभ्यतागत विरासत, बहुलतावाद और लोकतांत्रिक परंपराएं ऐसी राजनीति के साथ मेल नहीं खातीं जो बहस के बजाय दमन में विश्वास रखती हो।

मालवीय ने कहा कि ऐसी सोच कारण कांग्रेस का लगातार घटता जनाधार उसकी नीतियों और भारत की सांस्कृतिक तथा लोकतांत्रिक आकांक्षाओं से बढ़ती दूरी का परिणाम है। कांग्रेस हमेशा से तुष्टीकरण, सेंसरशिप और कथित अधिनायकवादी राजनीति करती आई है। उल्लेखनीय है कि जयपुर में एक पुरस्कार समारोह में गहलोत ने बयान दिया कि आज देश का माहौल बेहद खतरनाक है, ऐसा उन्होंने अपने 50 साल के सार्वजनिक जीवन में कभी नहीं देखा। अगर इंदिरा गांधी जैसी नेता आज जिंदा होतीं तो वह भाजपा जैसी पार्टी पर प्रतिबंध लगा देतीं।

'पावरिंग हेल्थ' पुस्तक उत्तम स्वास्थ्य और सही जीवनशैली की मार्गदर्शिकाः रामबहादुर राय

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि 'पावरिंग हेल्थ' पुस्तक सिर्फ योग पर नहीं बल्कि संतुलित आहार और योगाभ्यास द्वारा एक स्वस्थ जीवन जीने के उपायों पर आधारित है। रामबहादुर राय ने यह बात दिल्ली स्थित आईजीएनसीए के कलानिधि विभाग की ओर से 'पावरिंग हेल्थ' पुस्तक के लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम के दौरान कही। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक के अंग्रेजी और हिंदी दोनों संस्करणों का आधिकारिक लोकार्पण किया गया।

इस पुस्तक के लेखक सुनील कुमार सिन्हा हैं। रामबहादुर राय ने कहा, 'यह पुस्तक केवल योग के संकुचित दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संतुलित आहार और योगाभ्यास के माध्यम से एक संतुलित जीवन विकसित करने की व्यावहारिक मार्गदर्शिका है। यह किताब अच्छे स्वास्थ्य के महत्व को समझाने के साथ-साथ सही खान-पान के जरिए शरीर को डिटॉक्स

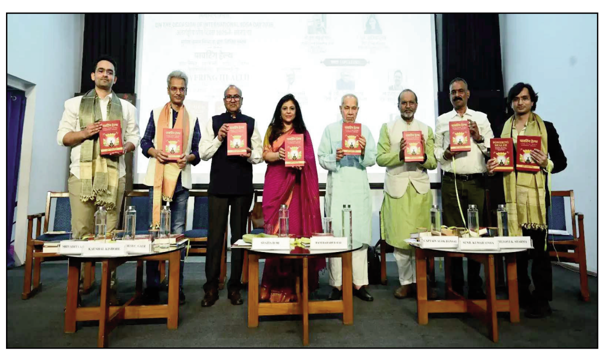

करने में मदद करती है। सिन्हा ने अपनी कृति 'पावरिंग हेल्थ' के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक में कई महत्वपूर्ण विषयों को भारतीय ज्ञान-परम्परा और आधुनिक जीवन-शैली के तालमेल के साथ प्रस्तुत किया गया है। इनमें संतुलित आहार और योगाभ्यास का अनूठा समन्वय, शरीर और मन को शुद्ध करने की प्राचीन व आधुनिक विधियां, प्रकृति के अनुसार जैविक दिनचर्या चक्र को व्यवस्थित करना शामिल हैं।मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कहा कि जीवन मुख्यतः मन को जीतने का नाम है, क्योंकि मन ही हमारे भीतर के संघर्षों का कारण बनता है। यह पुस्तक योग के माध्यम से स्वयं से जुड़ने, आंतरिक संतुलन प्राप्त करने और अपनी जड़ों की ओर लौटने की प्रेरणा देती है। इंडिया फ़ाउंडेशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष कैप्टन आलोक बंसल ने भारतीय ज्ञान-परम्परा और आधुनिक विज्ञान के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. (डॉ.) रमेश सी. गौड़ (डीन एवं प्रमुख, कलानिधि विभाग) ने कहा कि आईजीएनसीए भारतीय परंपराओं और ज्ञान के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और यह पुस्तक हर आयु वर्ग के व्यक्ति को पढ़नी चाहिए। उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता एवं विश्व योगासन चैम्पियन तेजस्वी कुमार शर्मा ने स्पष्ट किया कि यह एक भ्रांति है कि योग केवल आसन और प्राणायाम तक सीमित है।

मप्र के नर्मदापुरम में तेज रफ्तार बोलेरो पलटी, पांच लोगों की मौत

एजेंसी

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में मटकुली-पिपरिया मार्ग पर सोमवार शाम को तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। इस हादसे में बोलेरो सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में पति-पत्नी और एक आठ साल बच्चा भी शामिल है। पिपरिया थाना पुलिस के अनुसार, बोलेरो सवार लोग तामिया से होशंगाबाद जा रहे थे। मटकुली रोड पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व स्थित डोकरीखेड़ा गांव के समीप सामने से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार होने के कारण बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तीन बार पलटी खा गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पिपरिया थाना प्रभारी मदनलाल पवार ने

बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान नर्मदापुरम के बंजारा ड्रीम निवासी प्रदीप धुर्वे (48), उनकी पत्नी ज्योति धुर्वे, बेटा अक्षत धुर्वे (8), समनापुर निवासी पंचम ठाकुर (55) और झिरपा करेर निवासी कुलदीप ठाकुर (40) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हादसे में समनापुर निवासी आकाश धुर्वे (25) और शरद उइके (21) घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में मृत सभी लोगों के शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह बाइक सवार को बचाने के प्रयास में बोलेरो का अनियंत्रित होकर पलटना सामने आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूरत एसबीआई लूटकांड में मास्टरमाइंड एलेक्स का साथी बिहार से गिरफ्तार, लूट के पैसों से घूमता रहा हरिद्वार-ऋषिकेश और केदारनाथ

एजेंसी

सूरत। सूरत के वराछा क्षेत्र स्थित एसबीआई बैंक में 27 अप्रैल 2026 को हुई करीब 50 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ज़ोन-1 की जांच टीम ने तकनीकी विश्लेषण और स्थानीय सूत्रों की मदद से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सैयदपुर क्षेत्र से आरोपी रोहित कुमार रूपे सिंह राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया है। वह इस हाई-प्रोफाइल लूटकांड के मास्टरमाइंड एलेक्स उर्फ अखिलेश कुमार गांधी का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है।

सूरत डीसीपी आलोक कुमार ने बताया कि लूट की पूरी साजिश अत्याधुनिक तकनीक के सहारे रची गई थी। एलेक्स और रोहित के बीच बातचीत केवल सिग्नल ऐप के जरिए होती थी। पुलिस की निगरानी से बचने के लिए दोनों अधिकृत और लाइसेंस प्राप्त वीपीएन का उपयोग करते थे, ताकि उनकी लोकेशन ट्रेस न हो सके। पुलिस जांच में सामने आया है कि एलेक्स ने रोहित को बिहार से भरूच बुलाया था। वहां से वह अपने साथी प्रिंस के साथ सूरत के हजीरा क्षेत्र पहुंचा, जहां उसके पिता एक कंपनी में काम करते हैं। दोनों आरोपितों ने हजीरा

में तीन दिन रुककर वराछा स्थित एसबीआई बैंक की रेकी की और लूट की पूरी योजना तैयार की।

करोड़ों की लूट का था इरादा

लूट के दिन एलेक्स और उसके साथी बैंक में घुसे थे। आरोपितों का मकसद बैंक के बड़े लॉकर को तोड़कर करोड़ों रुपये की लूट को अंजाम देना था, लेकिन समय की कमी और तकनीकी बाधाओं के कारण वे लॉकर नहीं तोड़ सके। इसके बाद उन्होंने बैंक में मौजूद नकदी लेकर फरार होने का फैसला किया।

प्राइवेट बसों से दिल्ली तक भागे

लूट के बाद आरोपी भरूच पहुंचे, जहां रोहित उनसे मिला। इसके बाद रोहित लूट की रकम लेकर एलेक्स के साथ अहमदाबाद गया। पुलिस की नाकेबंदी से बचने के लिए आरोपितों ने प्राइवेट ट्रैवल्स की बसों का सहारा लिया और अहमदाबाद से जयपुर होते हुए दिल्ली पहुंच गए। यात्रा के दौरान एलेक्स ने रोहित को एक नीले रंग का बैग दिखाकर बताया था कि उसमें एसबीआई बैंक से लूटी गई रकम रखी हुई है। दिल्ली पहुंचने के बाद गैंग के सदस्य अलग-अलग हो गए। एलेक्स ने रोहित को तत्काल खर्च के लिए 1.30 लाख रुपये दिए और बाद में बड़ा हिस्सा देने का वादा किया। साथ ही उसने सिग्नल ऐप के जरिए एक बैंक खाता नंबर भेजकर उसमें रकम जमा कराने को कहा।

रोहित ने 1.30 लाख रुपये में से 90 हजार रुपये 'शुभम' नाम के खाते में ट्रांसफर कर दिए, जिसे क्राइम ब्रांच ने ट्रेस कर रिकवर कर लिया है। बाकी 40 हजार रुपये में से उसने 25 हजार रुपये खर्च कर दिए, जबकि 15 हजार रुपये नकद पुलिस ने उसके कब्जे से बरामद किए हैं। लूट के बाद रोहित पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलता रहा। वह दिल्ली से हरिद्वार, फिर ऋषिकेश और उसके बाद केदारनाथ पहुंचा। इसी दौरान उसने लूट की रकम से करीब 25 हजार रुपये खर्च कर दिए। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के समय बचे हुए 15 हजार रुपये जब्त कर लिए। डीसीपी आलोक कुमार के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रोहित बिहार का आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ एनडीपीएस और प्रोहिबिशन एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में पहले से आपराधिक रिकॉर्ड मौजूद है।

उन्होंने बताया कि बिहार पुलिस की जिला इंटेलिजेंस यूनिट (छ्द्ध), स्थानीय एसपी और प्रोबेशनर आईपीएस अधिकारियों के सहयोग से यह कार्रवाई सफल हो सकी।

अकाल तख्त से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पंथ एवं गुरु विरोधी घोषित

एजेंसी

चंडीगढ़। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पंथ विरोधी और गुरु विरोधी घोषित करते हुए 29 जून को अकाल तख्त साहिब पर सिख मंत्री और विधायकों को तलब किया। इसके अलावा कैबिनेट के गैर सिख मंत्रियों से स्पष्टीकरण लेने का फैसला सुनाया गया है। अकाल तख्त ने बेअदबी कानूनों का समर्थन करने वाले आम आदमी पार्टी के सभी सिख विधायकों को भी तलब किया है।

शाम अकाल तख्त साहिब पर हुई पांच सिंघ साहिबानों की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान की कथित शराब वाली वीडियो की जांच करवाने के बाद जत्थेदार ने अकाल तख्त सचिवालय की फसील (प्राचीर) से यह फैसला सुनाया। जत्थेदार गड़गज ने बैठक के बाद फसील से कहा कि वायरल वीडियो की फॉरेंसिक लैब से जांच रिपोर्ट आने के बाद सामूहिक तौर पर सिखों ने कार्रवाई के लिए कहा था। इस पर सिखों के पांचों तख्तों

के सिंह साहिबानों ने मीटिंग कर इस मुद्दे पर चर्चा की और मान को गुरु विरोधी और खालसा पंथ विरोधी करार दिए जाने का फैसला लिया।

जत्थेदार ने कहा कि पूरा खालसा पंथ और गुरु नामलेवा अब सीएम मान को मुंह न लगाए। इसके साथ ही अकाल तख्त साहिब ने पंजाब में आम आदमी पार्टी के उन सभी सिख विधायकों को भी तलब कर लिया जिन्होंने मान सरकार के उस बेअदबी कानून पर साइन किए जिसे अकाल तख्त साहिब गलत ठहरा चुका। इस मुद्दे पर 15 जनवरी 2026 को सीएम मान को अकाल तख्त साहिब पर तलब किया गया था जहां पहुंचकर उन्होंने अपनी सफाई पेश की थी। उसके बाद अकाल तख्त ने वायरल वीडियो की लैब से जांच कराने का फैसला लिया और इससे जुड़ी जांच रिपोर्ट जत्थेदार ने पढ़कर सुनाई।अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि पिछले दिनों पंजाब सरकार सत्कार एक्ट लाई लेकिन इस संबंध में किसी पंथक संस्था से राय नहीं ली गई। 6 अप्रैल 2026 को पंथ की एक बैठक बुलाई गई और उसके बाद पंथ की ओर से कहा गया कि ये कानून स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद ये कानून पारित कर दिया गया। सरकार का ये कानून पंथ के खिलाफ है। ये पंथ को कमजोर करेगा और पंथक मामलों में हस्तक्षेप का कारण बनेगा जबकि हमारे नियम-मर्यादाएं अकाल तख्त साहिब से निर्धारित होती हैं। जत्थेदार ने कहा कि इस कानून को लेकर पंथ ने विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां को बुलाकर 15 दिन का समय दिया था। उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया इसलिए आज दोबारा पंथ की मीटिंग कर आगे की कार्रवाई का फैसला लिया गया।

मप्र को मिला उभरती नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना उत्कृष्टता सम्मान, केन्द्रीय मंत्री जोशी ने किया पुरस्कृत

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गोवा में ग्लोबल विंड डे 2026 पर 'पवन ऊर्जा: महत्वाकांक्षा से तीव्र क्रियान्वयन तक' विषय पर आयोजित सम्मेलन में मध्य प्रदेश को उभरती नवकरणीय ऊर्जा अवसंरचना उत्कृष्टता (इमर्जिंग रि इन्फ्रास्ट्रक्चर एक्सीलेंस) सम्मान प्रदान किया। इस सम्मान को मध्य प्रदेश के ऊर्जा सचिव विशेष गढ़पाले ने ग्रहण किया। इस अवसर पर केन्द्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक सहित केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, राज्य नोडल एजेंसियों, डिस्कॉम्स, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, पवन टर्बाइन निर्माताओं, स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों, डेवलपर्स तथा अन्य पारिस्थितिकी तंत्र भागीदारों के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस सम्मेलन को

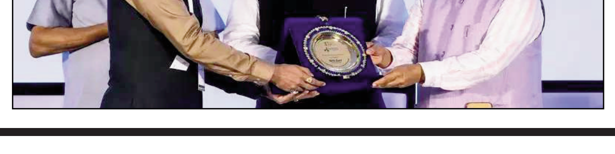

केन्द्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई), गोवा ऊर्जा विकास एजेंसी (जीईडीए) के सहयोग और इंडियन विंड टर्बाइन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडब्ल्यूटीएमए), विंड इंडिपेंडेंट पॉवर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूआईपीपीए) तथा इंडियन विंड पॉवर एसोसिएशन (आईडब्ल्यूपीए) के समर्थन से आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करना, प्रमुख हितधारकों के बीच प्राथमिकताओं का समन्वय करना तथा भारत की स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन प्रक्रिया के एक रणनीतिक स्तंभ के रूप में पवन ऊर्जा के विकास के अगले चरण पर विचार-विमर्श करना है। सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने, आर्थिक विकास को समर्थन देने व विभिन्न क्षेत्रों में हरित रोजगार सृजन में पवन ऊर्जा की भूमिका पर भी चर्चा की गई।

अब नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार को यहां होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप के अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल की थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भातरीय टीम की बल्लेबाज और गेंदबाज भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। स्मृति मंधाना और कप्तान हरमन प्रीत कौर ने पहले मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी। इस सिलसिले को ये बनाये रखना चाहेगी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और जैमिमा रोड्रिक्स इस मेच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगी।

पहले मैच में असफल रही बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों को भी अपने में सुधार करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ क्षेत्ररक्षण उतना अच्छा नहीं था जिसमें सुधार की जरुर है। । गेंदबाजी विभाग में, स्पिनर दीप्ति शर्मा और श्री चरणी ने आठ विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया। जिसे ये जारी रखने उतरेंगी।

तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ पहले मैच में अधिक असरदार नहीं रही थी1 नीदरलैंड के खिलाफ उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन पर जोर देना रहेगा।

दूसरी और नीदरलैंड को पहले ही मैच में बांग्लादेश से छह विकेट से हार झेलनी पड़ी है और उसे सभी विभागों में महत्वपूर्ण सुधार करना होगा। नीदरलैंड की कप्तान बैबेट डी लीडे ने कहा÷मुझे लगता है कि खेल के सभी तीन पहलुओं में, हम पीछे रहे। ÷ अब टीम भारत जैसी अच्छी टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी।

वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से झड़प का कारण अब सामने आया

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में खेली जा रही ए टीम की त्रिकोणीय सीरीज में भारत ए टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी के बीच हुई झड़प का कारण अब सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी आया है। इसमें वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ी एक दूसरे का धक्का देते हुए दिख रहे हैं। कोलंबो में हुए इस मुकाबले में और श्रीलंका ए को सुपर ओवर में जीत मिली थी। मैच समाप्त होते ही मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी विशन हलंबागे ने भारतीय बल्लेबाज वैभव को उकसाते हुए कहा, मैच समाप्त हो गया अब तुम घर जाओ। इसपर वैभव भड़क गये और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गयी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसके कारण अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

यह घटना उस मैच के बाद हुई जब श्रीलंका ए ने बेहद करीबी मुकाबले में सुपर ओवर के ज़रिए भारत ए को हराया था। हालांकि, सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जिस पर बाद में सवाल भी उठे। इस पूरे मामले पर श्रीलंकाई ए टीम के ड्रेसिंग रूम में भी काफी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि टीम को भारतीय टीम से माफी मांगनी चाहिए। इसके पीछे एक वजह यह भी थी कि सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जो खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल भावना के खिलाफ हो सकता था। कुछ कमेंटेटरों ने कहा कि श्रीलंकाई टीम का व्यवहार पाकिस्तानियों जैसा था, जो खेल भावना के विपरीत था। वहीं, वैभव सूर्यवंशी के जवाब देने को लेकर भी मतभेद दिखे। हालाँकि उनका गुस्सा जायज़ था, कई लोगों का मानना था कि उन्हें विरोधी खिलाड़ी को धक्का नहीं देना चाहिये था।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं पांड्या

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के इंग्लैंड के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज से वापसी की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार पांड्या मांसपेशियों की चोट से उबर गये हैं और अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। इस रिपोर्ट के अनुसार पांड्या जल्द ही मैदान पर प्रशिक्षण शुरू कर देंगे।

इस रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा निर्धारित पुनर्वास कार्यक्रम का पालन कर रहे हैं। इस दौरान चिकित्सा टीम उनकी प्रगति पर लगातार नजर रखे हुए है और उनकी रिकवरी के हर पहलू पर करीब से नजर रख रहे हैं। सीओई के विशेषज्ञ इस दौरान इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि किसी भी प्रकार की जल्दबाजी न की जाये जिससे उनकी वापसी पूर्ण फिटनेस के साथ हो।

सूत्रों के अनुसार, हार्दिक इस सप्ताह के अंत तक जॉगिंग और सामान्य दौड़ना शुरू कर सकते हैं। इसके बाद, वह धीरे-धीरे नेट्स में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास भी शुरू करेंगे। यह उनके पुनर्वास का एक महत्वपूर्ण चरण होगा, जहां उनकी शारीरिक क्षमता और चोट के ठीक होने की स्थिति का मूल्यांकन किया जाएगा। मेडिकल टीम यह पक्का करना चाहती है कि मैदान पर वापसी से पहले वह पूरी तरह से मैच फिट हों।

यदि सब कुछ योजना के अनुसार चलता रहा और हार्दिक उम्मीद के मुताबिक ठीक होते गए, तो वह इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसी सीरीज से एक बार फिर मैदान पर वापसी कर सकते हैं। पांड्या टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। वह टीम को संतुलन देते हैं। अपनी तेज गेंदबाजी से मध्य ओवरों में विकेट दिलाते हैं और निचले क्रम में विस्फोटक बल्लेबाजी करके मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। 2027 एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में टीम के लिए पांड्या की फिटनेस बेहद अहम मानी जा रही है।

अफगानिस्तान ए के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

दाम्बुला (एजेंसी)। लगातार दो हार के बाद IPL सितारों से सजी भारतीय टीम बुधवार को यहां अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाले त्रिकोणीय श्रृंखला के करो या मरो के मुकाबले में जीत के साथ वापसी की कोशिश करेगी। टूर्नामेंट में मेजबान श्रीलंका ए सहित सभी तीन टीम एक दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी जिसके बाद फाइनल में पहुंचने वाली दो टीम तय होंगी।

दो हार ने भारतीय टीम पर दबाव जरूर बढ़ाया है लेकिन अफगानिस्तान ए के खिलाफ जीत से फाइनल में पहुंचने की टीम की उम्मीदें बढ़ जाएंगी। मेजबान श्रीलंका तीन मैच में दो जीत और एक हार से चार अंक तथा 0.494 के नेट रन रेट के साथ सबसे ऊपर है जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला काफी महत्वपूर्ण हो गया है। भारत और अफगानिस्तान दोनों के समान दो-दो अंक हैं। भारत हालांकि अफगानिस्तान के माइनस 1.392 के मुकाबले 0.032 के बेहतर नेट रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर है।

तिलक वर्मा की कप्तानी वाली टीम को अधिक मजबूती दिखानी होगी और उम्मीद करनी होगी कि खराब मौसम उनके मौकों में रुकावट नहीं डाले। अफगानिस्तान ए की टीम अगर कल जीत दर्ज करती है तो भारत ए का सफर टूर्नामेंट में खत्म हो जाएगा। हालांकि हार के बावजूद अफगानिस्तान के पास मौका होगा और अगर वह अगले मैच में मेजबान टीम को हरा देता है तो फिर तीनों टीम के चार अंक हो जाएंगे और ऐसी स्थिति में नेट रन रेट महत्वपूर्ण हो जाएगा।

भारत ए ने अफगानिस्तान ए के खिलाफ पिछले मैच में 9 विकेट पर 349 रन का बड़ा स्कोर बनाया था। अफगानिस्तान ए ने हालांकि 25.5 ओवर में 2 विकेट पर 177 रन बनाने के बाद डकवर्थ लुईस पद्धति से मैच चार रन से जीत लिया। भारतीय टीम

अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने में नाकाम रही है। टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में भी श्रीलंका ए के खिलाफ 8 रन की जीत के दौरान टीम को काफी संघर्ष करना पड़ा था। सोमवार को कम रोशनी के बीच हुए सुपर ओवर में हार के बाद युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के कुगाथस मथुलन के बीच हुई बहस ने टूर्नामेंट में रोमांच भर दिया है।

सुपर ओवर में 17 रन का पीछा करते हुए भारतीय टीम सिर्फ 9 रन ही बना सकी। ओवर की आखिरी तीन गेंद का सामना सूर्यवंशी ने किया। सूर्यवंशी जब अपने जोड़ीदार सूर्यांश शेडगे के साथ मैदान से वापस लौट रहे थे तो वह श्रीलंकाई खिलाड़ियों के उस समूह की ओर मुड़े जो जोर-शोर से जश्न मना रहा था और इसी वजह से बहस हो गई। सूर्यवंशी से उम्मीद थी कि वह आईपीएल की अपनी फॉर्म को त्रिकोणीय श्रृंखला में भी जारी रखेंगे लेकिन सूर्यवंशी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाए हैं। अब तक उन्होंने 14, 44 और 21 रन बनाए हैं।

बुधवार को होने वाला मुकाबला उन्हें अपनी छाप छोड़ने का एक और मौका देगा। ऋतुराज गायकवाड़ का प्रदर्शन भारत ए के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 68 की औसत से 204 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनके साथ कप्तान तिलक वर्मा (149) का योगदान भी जरूरी होगा जिन्होंने अब तक तीन मैच में दो अर्धशतक लगाए हैं। शेडगे, प्रभसिमरन सिंह और विपराज निगम ने भी एक-एक अर्धशतक लगाया है। अरशद खान, अनुकूल रॉय और आयुष बडोनी ने अब तक तीन मैच में चार-चार विकेट लिए हैं लेकिन इस प्रतियोगिता में विरोधी खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

इस बीच भारत ए ने चोटिल युद्धवीर सिंह की जगह तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को टीम में शामिल किया है। अफगानिस्तान ए ने भारत ए को हराया था लेकिन श्रीलंका ए के खिलाफ उसे आठ विकेट की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, कुमार कुशाग्र, वैभव सूर्यवंशी, प्रभसिमरन सिंह, अंशुल कंबोज, अनुकूल रॉय, निशांत सिंधू, सूर्यांश शेडगे, अरशद खान, अशोक शर्मा, विपराज निगम और यश ठाकुर। समय÷मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरू होगा।

फीफा विश्व कप में एक ही दिन में चार मैच हुए ड्रॉ

लॉस एंजिल्स । फीफा विश्व कप 2026 में मंगलवार का दिन फुटबॉल इतिहास में अनूठे रिकार्ड वाला रहा । इसमें एक ही दिन में चार मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए । यह घटना 15 जून 1958 के बाद पहली बार हुई है, इस प्रकार पूरे 68 साल बाद फुटबॉल प्रेमियों और विशेषज्ञों ने ऐसा दुर्लभ नजारा देखा । 1958 में हालांकि आठ मैच खेले गए थे पर एक ही दिन में इतने ड्रॉ का सिलसिला आधुनिक फुटबॉल के लिए एक असाधारण उपलब्धि मानी जा रही है ।

दिन की शुरुआत ही एक बड़े उलटफेर से हुई । अटलांटा में खेले गए पहले मुकाबले में, विश्वकप में पदार्पण कर रही केप वर्डे टीम ने शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर दो टीम और मौजूदा यूरोपियन चैंपियन स्पेन को गोल-रहित ड्रॉ (0-0) पर रोककर सनसनी फैल दी दिया । स्टार खिलाड़ियों से सजी स्पेनिश टीम अपने मजबूत आक्रमण के लिए जानी जाती है, लेकिन केप वर्डे के संगठित डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया । केप वर्डे का यह मजबूत प्रदर्शन मौजूदा वर्ल्ड कप के सबसे बड़े आश्चर्यों में से एक रहा और उन्होंने अपने पहले ही मैच में अपनी क्षमता का परिचय दिया ।

दिन के दूसरे रोमांचक मैच में, मिस्र अपनी पहली फीफा वर्ल्ड कप जीत दर्ज करने से चूक गया । एमम अशौर ने जल्दी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन मैदान पर उतरने के पहले ही मिनट में रोमेलु लुकाकू द्वारा किए गए एक ओन गोल (अपनी ही टीम के खिलाड़ी द्वारा किया गया गोल) ने खेल को बराबरी पर ला दिया । सिएटल में खेला गया यह मुकाबला बेल्जियम के साथ 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ, जिससे दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा ।

भारत के लिए दीप्ति शर्मा के प्रभाव की बराबरी कोई ऑलराउंडर नहीं कर सकता : पूर्व भारतीय कप्तान

नई दिल्ली । भारत की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने भारतीय क्रिकेट पर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के प्रभाव की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि दुनिया में बहुत कम ऐसे क्रिकेटर हैं जिनमें बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग या इन तीनों के संयोजन से खेल को प्रभावित करने की क्षमता होती है।

दीप्ति ने बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए महिला टी20 विश्व कप के मैच में मैच विजेता प्रदर्शन किया। उन्होंने पांच विकेट लेकर भारत को अपने पहले मैच में 64 रन से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंजुम ने कहा, 'मुझे कोई ऐसा ऑलराउंडर याद नहीं है जिसने भारत के लिए खेलते हुए इतना प्रभाव डाला हो । हमारे पास ऑलराउंडर रहे हैं, लेकिन जब लगातार प्रभाव डालने की बात आती है, तो मुझे लगता है कि दीप्ति शर्मा न केवल भारत में बल्कि विश्व क्रिकेट में उन कुछेक खिलाड़ियों में से एक हैं जो किसी भी टीम की तरफ से खेलते हुए अहम योगदान दे सकती हैं ।' उन्होंने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं कि वह भारत की सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में शामिल है । उसे बड़े मंच पर प्रदर्शन करना पसंद है । केवल दीप्ति ही नहीं मौजूदा भारतीय टीम में कुछ और क्रिकेटर भी हैं जो सुर्खियों में रहना पसंद करते हैं । यही बात इस टीम को खास बनाती है क्योंकि उन्हें दबाव वाले मैचों में अपना खास प्रभाव छोड़ना पसंद है ।' अंजुम ने कहा कि मौजूदा विश्व कप में भारत की संभावनाएं काफी हद तक स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर निर्भर करेंगी । उन्होंने कहा, वह एक स्टार खिलाड़ी हैं । वह स्टाइलिश बल्लेबाज हैं और लगातार रन बनाकर भारत को मैच जिताने में मदद करती हैं । मैंने हमेशा स्मृति को एक कुशल बल्लेबाज के रूप में देखा है ।' अंजुम ने कहा, 'मैं उन्हें भारत के लिए खेलने वाली अब तक की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तो नहीं कहूंगी, लेकिन वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी बल्लेबाज हैं । वह लगातार रन बनाती रहती हैं और इसी वजह से उन्होंने कई बार आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता है ।'

भारत ने जापान को हराकर नेशंस कप के सेमीफाइनल में बनाई जगह

ऑकलैंड (एजेंसी)। कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी के गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को यहां जापान को 2-1 से हराकर एफआईएच नेशंस कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह टूर्नामेंट में भारत की दूसरी जीत थी। उसने अपने पहले मैच में अमेरिका को हराया था। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम अगले सत्र में एफआईएच प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इस टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

भारत के लगातार दूसरी जीत से छह अंक हो गए हैं और उसने अंतिम चार में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। भारत ने तीसरे क्वार्टर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जब फॉरवर्ड खिलाड़ियों के लगातार दबाव बनाने के बाद सलीमा टेटे ने 33वें मिनट में गोल दागा। भारत की बढ़त हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और जापान ने इसके दो मिनट बाद ही ऐे हिरमित्सु के गोल से स्कोर बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने हालांकि 49वें मिनट में गोल दागा जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

जापान ने अंतिम क्षणों में आक्रामक खेल दिखाया लेकिन भारत ने उसके हमलों को नाकाम करते हुए जीत हासिल की। यह मैच मिडफील्डर ज्योति के लिए भी एक यादगार अवसर था, जिन्होंने सीनियर स्तर पर अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। पहले हाफ में काफी करीबी मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए लेकिन मध्यांतर से पहले कोई भी गोल करने में असफल रही। तीसरे क्वार्टर में खेल में तब जान आ गई जब भारत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त हासिल की।

निक्की प्रधान ने नवनीत कौर के शॉट को बड़ी कुशलता से सलीमा की ओर मोड़ दिया, जिन्होंने सहजता से गेंद को गोल में डाल दिया।

जापान ने तुरंत ही पलटवार किया और 35वें मिनट में हिरमित्सु ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने अंतिम क्वार्टर में निर्णायक गोल दागा। सुशीला चानू ने सर्कल के किनारे से सटीक पास दिया और लालरेम्सियामी ने बड़ी कुशलता से गेंद को नेट में डालकर भारत को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। भारत पूल ए के अपने आखिरी मैच में उरुग्वे का सामना करेगा, जबकि जापान और अमेरिका इस ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए आपस में भिड़ेंगे।

चैंपियन अर्जेंटीना और मेसी अपने खिताब का बचाव करने के लिए तैयार

कैनसस सिटी । अर्जेंटीना 17 जून को अल्जीरिया के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा । मौजूदा चैंपियन शानदार जीत के साथ अपने खिताब का बचाव शुरू करना चाहेंगे । 2022 में ट्रॉफी जीतने के बाद, लियोनेल मेसी और उनकी टीम एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल होगी । वहीं अल्जीरिया भी अच्छे नतीजों के बाद आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतर रहा है । अनुभवी और युवा अटैकिंग टैलेंट वाली अपनी प्रतिभाशाली टीम के साथ, वे मौजूदा चैंपियन को चुनौती देने और शुरुआत में ही अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे । इस बीच अर्जेंटीना के डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने चेतावनी दी है कि मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अल्जीरिया के खिलाफ अपने खिताब के बचाव की शुरुआत करते समय कतर 2022 के बुरे सपने को दोहराने का जोखिम नहीं उठा सकती, क्योंकि ' 'हर कोई हमें हराना चाहेगा ।' सोमवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, 38 वर्षीय सेंटर-बैक - जो अपना चौथा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं - ने कहा कि चार साल पहले अर्जेंटीना की शुरुआती चौंकाने वाली हार की याद अभी भी एक बड़ा सबक है । ओटामेंडी ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं हर दिन और अपने साथियों के साथ समय का आनंद लेता हूं, और यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका मैं बहुत आनंद लेता हूं । अपने चौथे वर्ल्ड कप में होना, सच कहूं तो यहां होने और अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बेहतर कुछ नहीं है ।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यहां होने और मुकाबला करने, खिताब का बचाव करने के मौके के लिए बहुत खुश हूं, और हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे । हम इसके लिए तैयारी कर रहे हैं ।' ओटामेंडी ने कहा कि वर्ल्ड और कॉन्टिनेंटल चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में आने वाली अर्जेंटीना ने अमेरिका में इकट्ठा होने से काफी पहले ही अपनी तैयारी शुरू कर दी थी, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मैच शुरू होने के बाद पसंदीदा टीम माने जाने का कोई खास मतलब नहीं रह जाता । उन्होंने कहा, 'हम ब्यूनस आयर्स से ही तैयारी कर रहे हैं, और नए खिलाड़ियों के साथ यहां आकर हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं क्योंकि हम जानते हैं कि हम चैंपियन हैं । हर कोई हमें हराना चाहेगा ।इसलिए हमें ऐसी तैयारी करनी होगी जो अलग न हो । हमें अपना सब कुछ देना होगा और मुझे लगता है कि माहौल अच्छा है ।' इस अनुभवी खिलाड़ी ने पिछले वर्ल्ड कप की शुरुआत में सऊदी अरब से अर्जेंटीना की 2-1 से हुई हार का भी जिक्र किया, जिसने उनकी लगातार 36 मैचों की अजेय लय को तोड़ दिया था । ओटामेंडी ने कहा, 'जहां तक प्रतिद्वंद्वी की बात है, हमारे सामने कतर में हुई शुरुआत का उदाहरण है । हम जानते हैं कि कोई भी टीम आपके लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है । हमें अपना खेल खेलना है, हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं ।' अर्जेंटीना मंगलवार को कैनसस सिटी स्टेडियम में अल्जीरिया का सामना करेगा, जिसके बाद वह डलास में ग्रुप जे में ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से खेलेगा ।

फेसबुक पेज के खिलाफ सौरभ गांगुली ने की शिकायत, छवि खराब करने के आरोपों पर पुलिस जांच शुरू

कोलकाता । सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच सार्वजनिक हस्तियों की छवि और प्रतिष्ठा को लेकर विवाद लगातार सामने आ रहे हैं । इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली ने एक फेसबुक पेज के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है । गांगुली का आरोप है कि उक्त पेज पर उनके बारे में भ्रामक और मानहानिकारक सामग्री साझा की जा रही है, जिससे उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंच रहा है । मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाया है । बताया गया है कि सौरभ गांगुली ने कोलकाता के ठाकुरपुकुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए सौरव गांगुली फेंस नाम के फेसबुक पेज पर आपत्ति जताई है । यह पेज खुद को एक अनौपचारिक फैन पेज बताता है,

लेकिन गांगुली का कहना है कि यहां प्रकाशित कुछ पोस्ट तथ्यात्मक रूप से गलत हैं और उनका उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा को प्रभावित करना है । शिकायत में उन्होंने कहा कि एक सार्वजनिक व्यक्ति होने के नाते वह आलोचना का सम्मान करते हैं, लेकिन झूठी और भ्रामक जानकारी के प्रसार को स्वीकार नहीं किया जा सकता । गांगुली ने पुलिस को बताया कि संबंधित फेसबुक पेज के लाखों फॉलोअर्स हैं, जिसके कारण वहां साझा की गई सामग्री बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचती है । उनका मानना है कि ऐसे पोस्ट न केवल लोगों को गुमराह कर सकते हैं, बल्कि उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं । उन्होंने मांग की है कि पेज का संचालन करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए । पुलिस अधिकारियों ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है और मामले की जांच शुरू कर दी है । फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन विशेष पोस्टों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई है । जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि पेज का संचालन कौन कर रहा है और विवादित सामग्री किस उद्देश्य से साझा की गई थी ।

टीम को विश्व कप के मैच के बाद तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया : ईरान के कोच

इंगलवुड (अमेरिका) (एजेंसी)। ईरान की विश्व कप टीम के कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि सोमवार रात न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ बराबर रहने के कुछ ही घंटों बाद उन्हें अमेरिका छोड़ने और मैक्सिको में अपने अभ्यास स्थल में लौटने का आदेश दिया गया। घालेनोई ने यह नहीं बताया कि ईरान की टीम को तय समय से पहले रवाना होने का आदेश किसने दिया था। टीम ने अपने पहले मैच के बाद थकान से उबरने के लिए कैलिफोर्निया में रात बिताने की योजना बनाई थी, लेकिन मैच के बाद उन्हें बताया गया कि सभी को तुरंत विमान से 140 मील की दूरी तय करके तिजुआना वापस लौटना होगा।

घालेनोई ने कहा, 'उन्होंने हमें आराम करने का समय तक नहीं दिया। मैच के बाद हमसे कहा गया कि हमें तुरंत यहां निकलना होगा। हमारे लिए आराम करना बहुत जरूरी है, लेकिन हमें तिजुआना स्थित अपने शिविर में वापस लौटने के लिए कहा जा रहा है। हम इससे बहुत परेशान हैं।'

अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी को ईरान पर हमला करने के बाद ईरान की फुटबॉल टीम के लिए स्थिति अच्छी नहीं रही है और उन्हें पर्याप्त अभ्यास का मौका भी नहीं मिला है। उसने अपने मैच अमेरिका से स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था जिसे विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने अस्वीकार कर दिया था। घालेनोई ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमें नहीं पता कि वे हमें वापस क्यों भेज रहे हैं। मुझे यह बहुत अजीब लग रहा है। ऐसा लगता है कि हमारे लिए योजना कोई और बना रहा है। हमारे लिए फैसले कहीं और लिए जा रहे हैं। हमें मैच से दो रात पहले आना था, और आज रात आराम करने के लिए रुकना था और कल दोपहर वापस लौटना था। हमें बिल्कुल भी पता नहीं है कि ऐसा क्यों हो रहा है।'

ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने कहा कि टीम को रविवार को तिजुआना से लॉस एंजिलिस तक की कम अवधि की यात्रा के बावजूद पांच घंटे की यात्रा और सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा। मैच के लगभग एक घंटे बाद तारेमी ने कहा, 'हमें अभी लॉस एंजिलिस छोड़ना होगा। यह हमारे लिए अच्छा नहीं है। मुझे लगता है कि फीफा को हमारी इससे ज्यादा मदद करनी चाहिए। हमारे लिए सब कुछ एक आपदा जैसा है।'

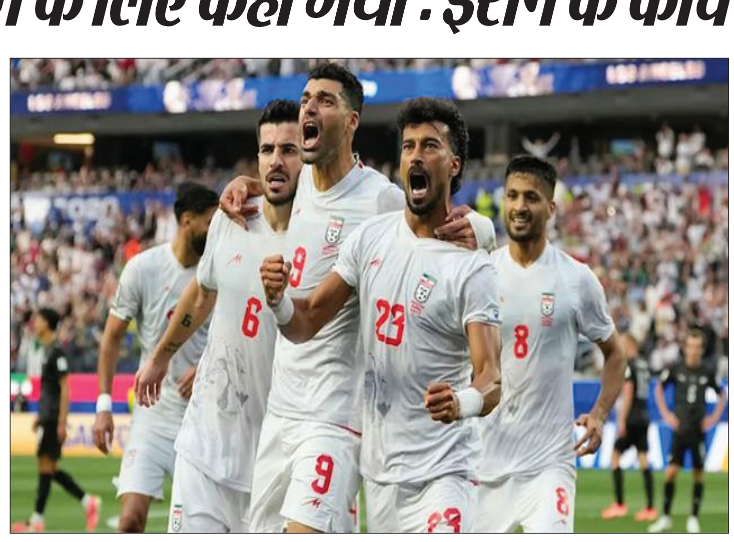

टी20 विश्व कप में आज तक एक भी मैच नहीं जीत पायी है आयरलैंड

लंदन । इंग्लैंड में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्वकप क्रिकेट में दुनिया भर की 12 टीमें खिताबी जीत के इरादे से उतरी हैं । इन्हीं में से एक है आयरलैंड की महिला क्रिकेट टीम, ऐसी है जिसे आज तक एक बार भी टी20 विश्वकप में जीत नहीं मिली है । इस बार भी उसे पहले ही मैच में स्कॉटलैंड ने हराया है । इस प्रकार उसे अब तक 18वीं हार मिली है । जिस कारण से इसे बदकिस्मत टीम तक लोग कहने लगे हैं । महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में आयरलैंड ही अकेली टीम है जो जो हर बार जीत के करीब आकर भी दूर रह जाती है या पूरी तरह से पिछड़ जाती है । वैसे तो आयरलैंड को महिला क्रिकेट की दुनिया में एक अपेक्षाकृत कमजोर टीम माना जाता है पर टी20 प्रारूप अपनी अप्रत्याशितता और उलटफेरों के लिए जाना जाता है । इसके बावजूद, आयरलैंड इस बड़े मंच पर अपनी पहली जीत का स्वाद नहीं चख पाई है । स्कॉटलैंड के खिलाफ इस बार हुए मुकाबले में आयरलैंड को 40 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा । इस मैच में स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 161 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था । इस चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, आयरलैंड की पूरी टीम 121 रन ही बना पायी । आयरलैंड की बल्लेबाजी इस मैच में पूरी तरह से लड़खड़ाई हुई नजर आई, जहां उनके छह खिलाड़ी दो अंक तक भी नहीं पहुंच पायी । इससे अंदाजा हाता है कि टीम का प्रदर्शन कितना कमजोर रहा ।

एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। 123 तेलुगु के अनुसार, रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं।

स्लमडॉग 33 टेंपल रोड में मिलेगा इमोशन का फुल डोज!

संयुक्ता का किरदार दिल में बस जाएगा

स्लमडॉग – 33 टेंपल रोड का ट्रेलर आते ही इंटरनेट पर धूम मचा गई है – रॉ विजुअल्स, इंटेंस कहानी और दमदार कमाई ने ऑडियंस का ध्यान खींच लिया है। इस पूरे बज़ के बीच, संयुक्ता का किरदार सबसे ज़्यादा चर्चा में है, और डायरेक्टर पुरी जगन्नाध का निर्देशन है कि इस बार दर्शकों को कुछ खास मिलने वाला है। ट्रेल लॉन्च इवेंट में पुरी जगन्नाध ने पहली बार संयुक्ता के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने एक्ट्रेस की एनर्जी, डेडिकेशन और हर दिन सेट पर लाई गई उनकी पॉजिटिव वाइब्स की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'ये पहली बार था जब मैंने उनके साथ काम किया और ये एक्सपीरियंस कमाल का रहा। वो बेहद एनर्जेटिक हैं और सेट पर एक अलग ही पॉजिटिव एनर्जी लेकर आती हैं। वो हर चीज में पूरी तरह इनवॉल्व रहते हैं। उनके साथ काम करना वाकई शानदार रहा। फिल्म में वो वरलक्ष्मी का किरदार निभा रही हैं – एक ऐसा रोल जिसकी जर्नी बहुत खूबसूरत है। मुझे पूरा यकीन है कि ऑडियंस उनकी मेहनत को पसंद करेगी और उनके किरदार से गहराई से जुड़ जाएगी।'

पुरी की ये बातें साफ इशारे देती हैं कि संयुक्ता का किरदार, वरलक्ष्मी, फिल्म की इमोशनल जर्नी का एक अहम हिस्सा होने वाला है। ट्रेलर जहां उनके रोल को लेकर सस्पेंस बनाए रखती है, वहीं पुरी की कामयाब से ये तो पक्का है कि ये किरदार लेवल्ड, इम्पैक्टफुल और यादगार होने वाला है। पिछले कुछ सालों में समयुक्ता ने अपने रोल्स के चुनाव और नैचुरल एक्टिंग से हर बार ऑडियंस को इम्प्रेस किया है। हर प्रोजेक्ट के साथ वो अपनी वर्सेटिलिटी साबित करती हैं, और स्लमडॉग – 33 टेंपल रोड उनकी फिल्मोग्राफी में एक और रोमांचक चैप्टर जोड़ने के लिए तैयार है।

जब डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ और को-स्टार

विजय सेतुपति दोनों ही उनकी कामयाब कर रहे हों, तो एक्सपेक्टेशन का लेवल अपने आप हाई हो जाता है। अब जैसे-जैसे स्लमडॉग – 33 टेंपल रोड की रिलीज करीब आ रही है, ऑडियंस बेसब्री से इंतजार कर रही है कि समयुक्ता वरलक्ष्मी बनकर स्क्रीन पर क्या कमाल दिखाती हैं। इस फिल्म के अलावा भी समयुक्ता के पास दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी है – स्वयंभू, द ब्लैक गोल्ड और अमेज़न की ओरिजिनल सीरीज गुव्वाला चेरुवु घाट, जो उन्हें आज की सबसे प्रॉमिसिंग एक्ट्रेसेस में और मजबूती से स्थापित कर रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी ने करियर के सबसे मुश्किल दौर का सुनाया किस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को फिटनेस क्वीन, टीवी स्टार, बिजनेसवुमन और प्रेरणादायक शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें फिल्में मिलनी लगभग बंद हो गई थीं और कई प्रोड्यूसर्स उन्हें अपनी फिल्मों से बाहर कर देते थे। खुद शिल्पा ने बताया था कि उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर पीछे जा रहा है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत की, आखिरकार अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं। 8 जून 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में जन्मी शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगी थीं। इसी दौरान एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। वहां एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं, और यही तस्वीरें उनके लिए मॉडलिंग की दुनिया का दरवाजा खोल गईं। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। शिल्पा ने 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और शिल्पा की भी खूब चर्चा हुई। 1990 के दशक में वह 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी कई चर्चित फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती गईं। सफलता का यह सफर हमेशा नहीं रहता है। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर के एक दौर में उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। कई बार ऐसा हुआ जब उन्हें फिल्म के लिए चुना गया, लेकिन बाद में प्रोड्यूसर्स ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। लगातार मिल रही निराशा ने उन्हें परेशान जरूर किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

साल 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहागया, और वह एक बार फिर चर्चा में आ गईं। इसके बाद उन्होंने 'रिश्ते', 'फिर मिलेंगे', 'दस' और 'लाइफ इन ए... मेट्रो' जैसी फिल्मों में काम किया। खासकर 'फिर मिलेंगे' में एचआईवी पीडित महिला के किरदार ने उनके अभिनय की नई पहचान बनाई। फिल्मों के साथ-साथ शिल्पा ने टीवी की दुनिया में भी अपनी मजबूत जगह बनाई। ब्रिटेन के चर्चित रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' में हिस्सा लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की। शो में नस्लीय टिप्पणियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विजेता बनकर उभरीं। इस जीत ने उन्हें दुनिया भर में लोकप्रिय बना दिया।

कंगना रनौत स्टारर 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' की तैयारियां तेज, इसी साल शुरू होगी शूटिंग

फिल्म फ्रेंचाइजी 'तनु वेड्स मनु' के प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। इस सुपरहिट सीरीज का तीसरा भाग 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' के बारे में नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होगी। इसी साल फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म की घोषणा इरोज इनोवेशन द्वारा हाल ही में जारी की गई नई कंटेंट लिस्ट के दौरान की गई। फिल्म का निर्देशन मिताक्षरा कुमार करेंगी, जो इससे पहले 'हीरामंडी' और 'द एम्पायर' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म का निर्माण रुद्रक सोमा ज्योति लिमिटेड के सहयोग से किया जाएगा। 'तनु वेड्स मनु' फ्रेंचाइजी पहले ही दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना चुकी है और अब इसके नए चैप्टर को लेकर आ रही है।

इरोज इनोवेशन ने अपनी नई कंटेंट रणनीति के तहत तीन प्रमुख पहलों की घोषणा की है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण 'इरोज ब्रम्ह्मांड' है, जो भारतीय पौराणिक कथाओं और लोककथाओं से प्रेरित एक नया सिनेमाई ब्रह्मांड होगा। इसके तहत नौ ओरिजिनल प्रोजेक्ट्स तैयार किए जाएंगे। इनमें 'नंदी – वॉर ऑफ कैलाश', 'द्वारका : गेटवे टू द यूनिवर्स', 'विमान वॉर्स', 'महाभारत 5000 एडी' 'यक्षिणी', 'ब्रह्मराक्षस', 'गरुड़', 'कुंभयन्न' और 'मनसा देवी' शामिल हैं। इन सभी प्रोजेक्ट्स को आपस में जोड़कर एक व्यापक और रोचक कहानी की दुनिया तैयार की जाएगा। दूसरी पहल 'इरोज यूनिवर्स' है, जिसमें कई लोकप्रिय फिल्म टाइटल्स को नए रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इस सूची में 'तनु वेड्स मनु – द नेक्स्ट चैप्टर' के अलावा 'फोबिया', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'देसी बॉयज', 'रंगीला' और 'तेरे नाम' जैसी चर्चित फिल्में शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इन कहानियों को फिल्मों, एनीमेशन, माइक्रोड्रामा और कैरेक्टर बेस्ड कंटेंट के जरिए नए अंदाज में दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा। तीसरी पहल 'इरोज रीमास्टर्ड' है, जिसकी शुरुआत रजनीकांत स्टारर फिल्म 'कोचादाइयां' से होगी। भारत की पहली मोशन-कैप्चर फीचर फिल्म मानी जाने वाली इस फिल्म को सौंदर्या रजनीकांत के रचनात्मक नेतृत्व में नए सिरे से रीस्टोर और रीइमैजिन किया जाएगा। इरोज़ इनोवेशन के संस्थापक और चेयरमैन किशोर लुल्ला ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य पौराणिक कथाओं, लोकप्रिय फिल्मों और क्लासिक सिनेमा को एक मंच पर लाकर ऐसी कहानियां पेश करना है जो हर पीढ़ी के दर्शकों को जोड़ सकें। वहीं, को-फाउंडर और को-प्रेसिडेंट रिधिमा लुल्ला ने कहा कि यह नई कंटेंट लिस्ट कहानी कहने के नए और रचनात्मक तरीकों के प्रति कंपनी की महत्वाकांक्षा को दिखाती है।

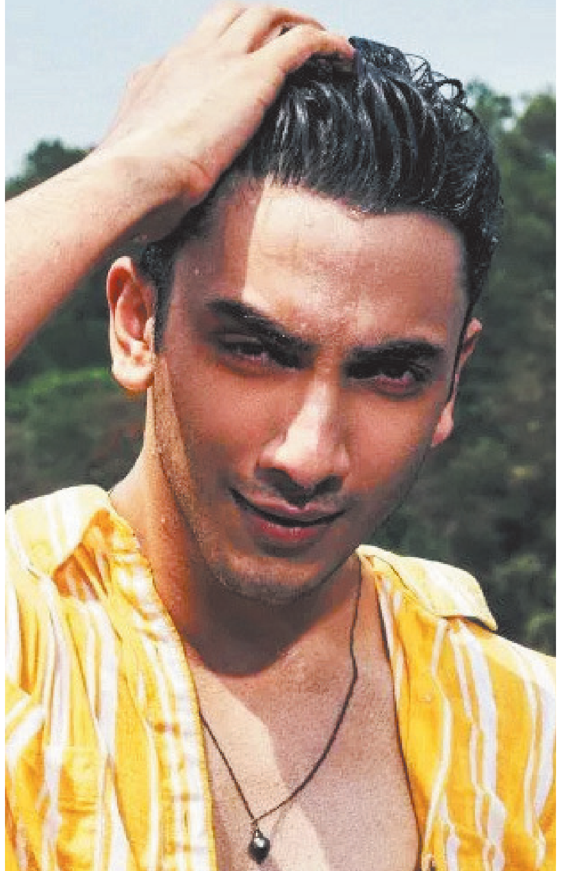

बंटवारे का खौफ और लोगों का दर्द समझा

कभी नौकरी ढूंढ रहे और एमबीए की तैयारी कर रहे वेदांग आज बॉलीवुड के चर्चित युवा चेहरों में गिने जाते हैं। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि स्टारडम, बॉक्स ऑफिस और सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखने के बाद भी उनकी सबसे बड़ी चिंता सफलता नहीं, बल्कि अवसर हैं।

हाल ही में बातचीत के दौरान वेदांग ने कहा, 'मेरे लिए सबसे बड़ा दबाव सफलता का नहीं, बल्कि अवसरों का है। मेरी बस यही दुआ रहती है कि मुझे लगातार काम मिलता रहे, फिल्में मिलती रहें और ऐसे मौके मिलते रहें, जिनसे मैं खुद को एक अभिनेता के तौर पर साबित कर सकूं। सफलता मिल जाए तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा डर इस बात का है कि कहीं मौके मिलने बंद न हो जाएं।'

बॉक्स ऑफिस भी कोई चीज होती है

आज जब फिल्मों की सफलता पहले दिन के कलेक्शन और वीकेंड नंबरों से तय होने लगी है, तो वेदांग स्वीकार करते हैं कि शुरुआत में उन्हें इस दुनिया की ज्यादा समझ नहीं थी। वह कहते हैं, 'जब मैंने 'द आर्चीज' की थी और उसके बाद 'जिगरा' की, तब मेरे लिए सबसे बड़ी बात यही थी कि मैं फिल्मों का हिस्सा बन गया हूं। लोग मुझे बड़े पर्दे पर देख सकते हैं। मुझे सच में यह नहीं पता था कि बॉक्स ऑफिस, ओपनिंग कलेक्शन और नंबर जैसी चीजें कितनी बड़ी होती हैं। मैं सिर्फ फिल्मों और अभिनय को लेकर उत्साहित था। हां, लेकिन पिछले कुछ साल में मेरी सोच बदली है। धीरे-धीरे मुझे समझ आया कि यहां सक्सेस और बॉक्स ऑफिस नंबर्स को कितना महत्व दिया जाता है। शायद यही मेरा सबसे बड़ा बबल बर्स्ट था। लेकिन मैं आज भी कोशिश करता हूं कि खुद को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित न रखूं।'

इम्तियाज सर का नाम सुना और हां कर दी

अपनी अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के बारे में बात करते हुए वेदांग बताते हैं कि इस बार फैसला लेना उनके लिए मुश्किल नहीं था। बकौल वेदांग, 'जब मुझे पता चला कि इम्तियाज अली सर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं और मुझे इस किरदार के लिए देखा जा रहा है, तो मैंने लगभग उसी समय हां कह दी थी। मुझे न स्क्रिप्ट की जरूरत थी और न किसी दूसरी जानकारी की। मेरे पास सिर्फ फिल्म का आइडिया था, लेकिन इम्तियाज सर के साथ काम करने का मौका अपने आप में बहुत बड़ी बात थी।'

पगड़ी पहनी तो लगा कि बड़ी जिम्मेदारी है

इस फिल्म में वेदांग पहली बार एक सिख किरदार निभा रहे हैं। यही वजह है कि यह फिल्म उनके लिए कई स्तरों पर खास बन गई। वह कहते हैं, 'मेरे लिए यह सिर्फ एक नया लुक नहीं था, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी थी। पगड़ी पहनना और इस किरदार को निभाना बहुत खूबसूरत एहसास था। फिल्म 1940 के दशक के उस भारत की कहानी है, जब देश का बंटवारा नहीं हुआ था। मैं उस दौर के बारे में ज्यादा नहीं जानता था। लोग कैसे रहते थे? कैसे बात करते थे? उनका रहन-सहन कैसा था? ये सब जानना और समझना मेरे लिए काफी दिलचस्प रहा। एक एक्टर के तौर पर मुझे उस दुनिया को करीब से जानने और उसे जीने का मौका मिला, जिसमें मुझे बहुत मजा आया।'

बंटवारे पर बनी फिल्म की तैयारी के दौरान वेदांग ने उस दौर और उससे जुड़ी कहानियों को करीब से समझा। वो कहते हैं, 'इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मैंने पार्टिशन के बारे में बहुत कुछ सीखा। इससे पहले मैंने सिर्फ अपने माता-पिता, नाना-नानी और परिवार के लोगों से कहानियां सुनी थीं। लेकिन फिल्म की रिसर्च के दौरान मुझे बंटवारे का खौफ, लोगों का दर्द और उस दौर की तकलीफ को समझने का मौका मिला। एक अभिनेता के तौर पर भी यह मेरे लिए बहुत जरूरी था।'

कभी किसी का बेटा तो कभी रिश्तेदार बना देते हैं

इंटरनेट की दुनिया में अफवाहों से बचना मुश्किल है। हालांकि वेदांग इन्हें बहुत गंभीरता से नहीं लेते। वह कहते हैं, 'मैं अपने बारे में फैली ज्यादातर अफवाहों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता, लेकिन कभी-कभी कुछ बातें बहुत फनी होती हैं। सबसे मजेदार तब लगता है जब लोग मुझे अलग-अलग फिल्मी परिवारों से जोड़ देते हैं। कोई कहता है मैं किसी का बेटा हूं, कोई किसी और से मेरा रिश्ता निकाल देता है। इनमें से ज्यादातर बातें पूरी तरह गलत होती हैं, लेकिन उन्हें पढ़कर कभी-कभी हंसी जरूर आ जाती है।'

झीलों की नगरी उदयपुर से लगभग 80 किलोमीटर झाडौल तहसील में आवारगढ़ की पहाडि़यों पर शिवजी का एक प्राचीन मंदिर स्थित है जो की कमलनाथ महादेव के नाम से प्रसिद्ध है। पुराणों के अनुसार इस मंदिर की स्थापना स्वंय लंकापति रावण ने की थी। यही वह स्थान है जहां रावण ने अपना शीश भगवान शिव को अग्निकुंड में समर्पित कर दिया था जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव नें रावण की नाभि में अमृत कुण्ड स्थापित किया था। इस स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है की यहां भगवान शिव से पहले रावण की पूजा की जाती है क्योकि मान्यता है की शिव से पहले यदि रावण की पूजा नहीं की जाए तो सारी पूजा व्यर्थ जाती है।

कमलनाथ महादेव

यहां शिव से पहले की जाती है रावण की पूजा

पुराणो में वर्णित कमलनाथ महादेव की कथा–

एक बार लंकापति रावण भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए कैलाश पर्वत पर पहुंचे और तपस्या करने लगे, उसके कठोर तप से प्रसन्न हो भगवान शिव ने रावण से वरदान मांगने को कहा। रावण ने भगवान शिव से लंका चलने का वरदान मांग डाला। भगवान शिव लिंग के रूप में उसके साथ जाने को तैयार हो गए, उन्होंने रावण को एक शिव लिंग दिया और यह शर्त रखी कि यदि लंका पहुंचने से पहले तुमने शिव लिंग को धरती पर कहीं भी रखा तो मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगा। कैलाश पर्वत से लंका का रास्ता काफी लम्बा था, रास्ते में रावण को थकावट महसूस हुई और वह आराम करने के लिए एक स्थान पर रुक गया। और ना चाहते हुए भी शिव लिंग को धरती पर रखना पड़ा।

आराम करने के बाद रावण ने शिव लिंग उठाना चाहा लेकिन वह टस से मस ना हुआ, तब रावण को अपनी गलती का एहसास हुआ और पश्चाताप करने के लिए वह वहीं पर पुनः तपस्या करने लगे। वो दिन में एक बार भगवान शिव का सौ कमल के फूलों के साथ पूजन करते थे। ऐसा करते–करते रावण को साढ़े बारह साल बीत गए। उधर जब ब्रह्मा जी को लगा कि रावण की तपस्या सफल होने वाली है तो उन्होंने उसकी तपस्या विफल करने के उद्देश्य से एक दिन पूजा के वक्त एक कमल का पुष्प चुरा लिया। उधर जब पूजा करते वक्त एक पुष्प कम पड़ा तो रावण ने अपना एक शीश काटकर भगवान शिव को अग्नि कुण्ड में समर्पित कर दिया। भगवान शिव रावण की इस कठोर भक्ति से फिर प्रसन्न हुए और वरदान स्वरुप उसकी नाभि में अमृत कुण्ड की स्थापना कर दी। साथ ही इस स्थान को कमलनाथ महादेव के नाम से घोषित कर दिया।

पहाड़ी पर मंदिर तक जाने के लिए आप नीचे स्थित शनि महाराज के मंदिर तक तो अपना साधन लेके जा सकते है पर आगे का 2

किलोमीटर का सफर पैदल ही पूरा करना पड़ता है। इसी जगह पर भगवान राम ने भी अपने वनवास का कुछ समय बिताया था।

ऐतिहासिक महत्व भी है आवरगढ़ की पहाडि़यों का–

झालौड़ झाला राजाओ की जागीर था। इसी झालौड़ से 15 किलोमीटर की दुरी पर आवरगढ़ की पहाडि़यों पर एक किला आज भी मौजूद है इसे महाराण प्रताप के दादा के दादा महाराणा ने बनवाया था यह अवारगढ़ के किले के प्रसिद्ध है। जब मुग़ल शासक अकबर ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया था, तब आवरगढ़ का किला ही चित्तौड़ की सेनाओं के लिए सुरक्षित स्थान था। सन 1576 में महाराणा प्रताप और अकबर की सेनाओं के मध्य हल्दी घाटी का संग्राम हुआ था। हल्दी घाटी के समर में घायल सैनिकों को आवरगढ़ के इसी किले में उपचार के लिए लाया जाता था। इसी हल्दीघाटी के युद्ध में महान झाला वीर मान सिंह ने अपना बलिदान देकर महाराणा प्रताप के प्राण बचाये थे।

झालौड़ में सर्वप्रथम यही होता है होलिका दहन–

हल्दी घाटी के युद्ध के पश्चात झाडौल जागीर में स्थित पहाड़ी पर जहाँ आवरगढ़ का किला स्थित है, वहीँ पर सन 1577 में महाराणा प्रताप ने होली जलाई थी। उसी समय से समस्त झालौड़ में सर्वप्रथम इसी जगह होलिका दहन होता है। आज भी प्रतिवर्ष महाराण प्रताप के अनुयायी झालौड़ के लोग होली के अवसर पर पहाड़ी पर एकत्र होते है जहाँ कमलनाथ महादेव मंदिर के पुजारी होलिका दहन करते है।

इसके बाद ही समस्त झालौड़ क्षेत्र में होलिका दहन किया जाता है। झाडौल के लोगों की होली देश के अन्य लोगों को प्रेरणा देती है, कि कैसे हम अपने त्यौहारों को मानते हुए अपने देश के गौरवशाली अतीत को याद रख सकते हैं।

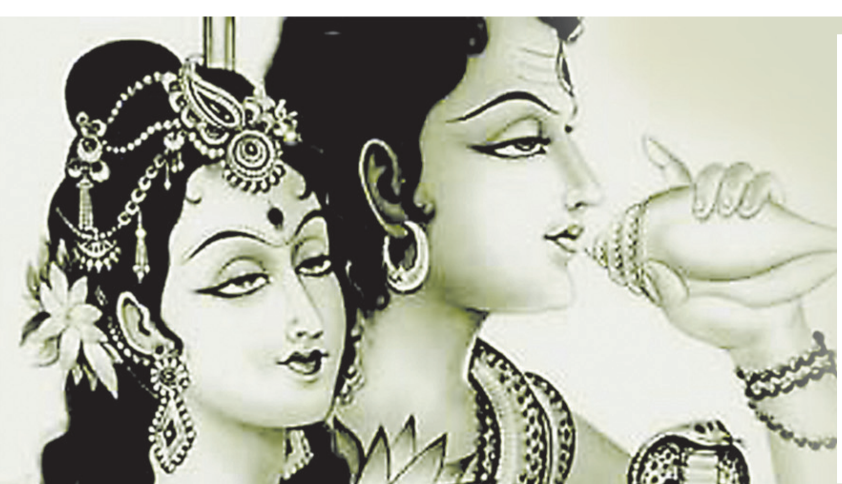

आखिर क्यों शिव और शक्ति से जुड़े हैं सभी शक्तिपीठ मंदिर ?

भारत में आदिशक्ति के कुल 51 शक्तिपीठ हैं। सभी शक्तिपीठ मंदिर शिव और शक्ति से जुड़े हुऐ हैं। कहा जाता है कि माता सती ने जब अपने शरीर को अग्नि में भस्म कर दिया था भगवान शिव उनके मृतक शरीर को कंधे पर उठा कर अलग–अलग स्थानों पर गए जहां जहां माता सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ मंदिर की स्थापना हुई जिनमें से एक है माता चिंतपूर्णी शक्तिपीठ। कहा जाता है कि यहां पर माता सती के चरण गिरे इसलिए इस जगह को माता चिंतपूर्णी या छिन्नमस्तिका के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर सोला सिग्ही श्रेणी की पहाड़ी पर है।

चिंतपूर्णी चालीसा में लिखा है की माता चिंतपूर्णी चार शिवलिंग में घिरी हुई हैं जिसकी बहुत कम लोगों को जानकारी है। इन में से एक मंदिर शिववाड़ी जो गग्रेट के पास है बहुत प्रसिद्ध है दूसरा मंदिर कालेश्वर धाम जोकि अम्ब में पड़ता है। सतलुज दरिया बनने के समय यह दो मंदिर अलोप हो गए थे। जोकि बहुत खोज करने के उपरांत मिले।

तीसरा मंदिर जिसकी लोगों को जानकारी नहीं है। वो मंदिर है नारायण देव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डेरा चौंक से हरिपुर रोड पर बीस किलोमीटर की दूरी पर कासब मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। जोकि असल में नारायण देव ही है। चौथा मंदिर मचकूंद महादेव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डल्यिरा चौंक से बाएं होकर आगे एक कीलोमीटर दूरी पर पुली आती है पुली से बाएं हाथ होकर पांच कीलोमीटर की दूरी पर मचकूंद महादेव मंदिर आएगा। मान्यता है कि जो भक्त इन चारों मंदिरों के दर्शन करने के उपरांत माता चिंतपूर्णी के दर्शन करेगा उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

हिमाचल प्रदेश की वादियों में स्थित ये मंदिर बेहद ही खूबसूरत हैं। हसीन वादियों के बीच समुद्र स्तर से ऊपर 940 मीटर (लगभग 3000 फीट) की ऊंचाई पर चिंतपूर्णी मंदिर स्थित है। मंदिर ऊना जिले के हिल स्टेशन भरवाई से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां पहुंचने के लिए पंजाब के होशियारपुर शहर से बसें मिल जाती हैं। पंजाब के होशियारपुर रेलवे स्टेशन से 36 मील की दूरी पर है। वैसे यहां पठानकोट जोगिंदर नगर रेल मार्ग से पहुंचा जा सकता है। निकटम रेलवे स्टेशन ज्वालामुखी रोड है जो यहां से 21 किलोमीटर की दूरी पर है।

मंदिर में क्यों बजाई जाती है घंटी ?

मंदिर के प्रवेश द्वार पर पुरातन काल से ही घंटी अथवा घड़ियाल लगाने की परंपरा है। मान्यता है की जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज यथाक्रम आती रहती है, वहां का परिवेश हमेशा साफ–सुथरा, धार्मिक और पावन बना रहता है। इससे नकारात्मक शक्तियों पर प्रतिबंध लग जाता है और सकारात्मकता के द्वार खुल जाते हैं। सुख समृद्धि के रास्ते प्रशस्त होते हैं।

स्कंद पुराण के मतानुसार मंदिर में प्रवेश करते ही घंटी बजाने से सौ जन्मों के पाप खत्म हो जाते हैं। जब सृष्टि का आरंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी या घडिय़ाल की ध्वनि से वही नाद निकलता है। इसी नाद को ओंकार के पदाघात से भी जाग्रत हुआ माना जाता है। सर्वप्रथम धार्मिक स्थानों में घंटी लगाने का आरंभ जैन और हिन्दू मंदिरों से हुआ तत्पश्चात बौद्ध धर्म और फिर ईसाई धर्म ने इस परंपरा को अपनाया।

मंदिरों में घंटी लगाए जाने के पीछे धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी हैं। घंटी बजाने पर वातावरण में कंपन उत्पन्न होती है। जोकि काफी दूर तक जाती है। इस कंपन से उत्पन्न होने वाली ध्वनि संपूर्ण क्षेत्र में आने वाले जीवाणु, विषाणु और सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देती है जिससे आसपास का वायुमंडल सात्विक हो जाता है।

जिन धार्मिक स्थानों में प्रतिदिन घंटी बजती है उन्हें जाग्रत देव मंदिर कहा जाता है। देवताओं को जागृत करने का माध्यम है घंटाध्वनि। प्रवेश द्वार के घंटे दर्शनार्थीयों को सूचना देते हैं कि पूजा–आरती का समय हो गया है।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर घंटी बजाने से भगवान का आशीर्वाद और लक्ष्मी की प्राप्ती होती है। अतः घर में देवालय बनाएं तो घंटी अवश्य लगवाएं मंदिरों में, घरों में, पूजा पाठ, प्रवचन में घंटानाद होते रहना चाहिए ताकि चारों ओर शुभता का संचार होता रहे।

पूजा–पाठ

किए बिना भी किया जा सकता है दुखों का नाश

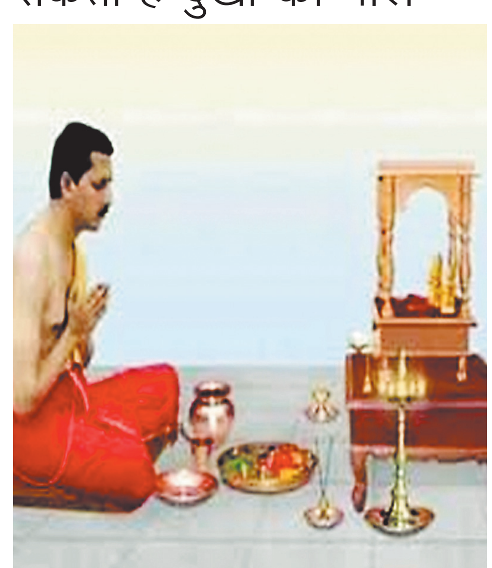

देव पूजा की अनेक सर्वोत्तम, सर्वसुलभ एवं सरल विधियां शास्त्रों में उपलब्ध हैं। इनमें से जो भी सहज प्रतीत हो उसे चुनें। जिनके पास समय कम है अथवा कर्मकांडों मे मन नहीं रमता तो उपासना की, ध्यान की, पूजा की इस सबसे सरल विधि का अनुपालन करें।

पूजा घर को परिवार के सभी सदस्यों की शरण स्थली बनाएं, एक जगह जहां शांति और सूकून हो जहां वे भगवान से जुड़ सकें एवं अपनी प्रार्थना और व्यावहारिक जरूरतों को समर्पित कर सकें। एक आम व्यक्ति द्वारा की गई पूजा आत्मार्थ पूजा कहलाती है एवं उसे एक व्यक्तिगत पूजा अनुष्ठान माना जाता है जबकि जनमानस हेतु पुजारी द्वारा मंदिर में की गई पूजा परार्थ पूजा कहलाती है।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में यदि आपके पास पाठ–पूजा का अधिक समय नहीं है लेकिन अपनी धार्मिक परंपराओं के प्रति आपकी विशेष श्रद्धा है तो निम्न मंत्र का उच्चारण करते हुए देवी देवताओं की प्रतिमाओं का दर्शन करें। इस मंत्र का जाप आपकी सभी प्रकार के दुखों से रक्षा करेगा।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चिद् दुःख भाग्भवेत।।

अर्थात– समस्त जन सुखी हों, स्वस्थ हों, शुभ व मंगल को देखें और कोई भी दुःख का सामना न करें।

ध्यान रखें कि आपसे किसी का अहित न हो और आप सभी अधार्मिक कृत्यों से खुद को दूर रखें।